वर्ष 69 अंक 139 पृष्ठ 12
भोपाल, सोमवार 16 फरवरी, 2026
फाल्गुन कृष्ण पक्ष 14, विक्रम संवत् 2082
महानगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

खुद वह बदलाव बनिए
जो आप दुनिया में
देखना चाहते हैं।
-महात्मा गांधी

BANSAL
GROUP

HYATT
PLACE™

WELCOME TO YOUR NEW
FAVORITE PLACE IN BHOPAL

We are delighted to announce the grand launch of
Hyatt Place Bhopal, graced by the esteemed presence of

Dr. Mohan Yadav
Hon'ble Chief Minister of Madhya Pradesh

16th Feb, 2026

Experience

Elevated Hospitality | Unmatched Comfort | Refined Culinary & Social Experience

hyattplacebhopal.com +91 755 410 1234 bhopal.place@hyatt.com

BANSAL CONSTRUCTION
बंसल टी.एम.टी.सरिया
BANSAL Hospital
BGI BANSAL GROUP OF INSTITUTES BHOPAL INDORE MANDIDEEP
BANSAL OIL AND FOODS
BANSAL NEWS आप की आवाज
BANSAL WAREHOUSE
BANSAL ONE
World-class Rani Kamalapati Railway Station
TONEOP HEALTH & FITNESS APP
HYATT PLACE™
BANSAL PLAZA
BANSAL MINING

संक्षिप्त खबरें

5वीं व 8वीं की परीक्षा के लिए डीपीसी नियुक्त नहीं

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। स्कूलों में 5वीं एवं 8वीं की परीक्षाएं 20 फरवरी से शुरू हो रही हैं। परीक्षाओं के लिए चंद दिन ही शेष रह गए हैं और राज्य शिक्षा केंद्र डीपीसी अधिकारी नियुक्त नहीं कर पाया है। इससे परीक्षाओं की व्यवस्थाएं हासिये पर हैं। दशक पहले राजधानी से डीपीसी वित्तीय अनियमितताओं के आरोप में हटाए गए थे। जिला प्रशासन ने गत वर्ष अक्टूबर में संयुक्त कलेक्टर को डीपीसी कार्यालय का प्रभार दिया है। राजधानी के शिक्षकों ने पक्ष रखते हुए कहा है कि संयुक्त कलेक्टर प्रशासनिक अधिकारी हैं। डीपीसी शिक्षकों के बीच से ही उसकी वरिष्ठता के आधार पर नियुक्त होना चाहिए। जिला प्रशासन का नियंत्रण होने से शिक्षकों से लेकर बीआरसीसी में भी संतोषजनक कार्य नहीं हो रहे हैं। स्कूलों का निरीक्षण कार्य बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। कार्यालय में बाबूगिरी हावी है। उनके मार्गदर्शन में ही सभी कार्य हो रहे हैं। इसके चलते शिक्षकों की नियमित बैठकें तक बंद हो चुकी हैं। शिक्षक नेता राकेश पटेल का कहना है कि राज्य शिक्षा केंद्र ने डीपीसी नियुक्त करने के लिए पांच माह पहले परीक्षा करा ली।

25 से शुरू होंगी पीजी फर्स्ट सेमेस्टर परीक्षाएं

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विवि ने दो वर्षीय और एक वर्षीय पीजी कोर्स की प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाओं के लिए टाइम टेबल जारी कर दिया। एमाए, एमएससी, एमकॉम, एमएचएससी और एमएसडब्ल्यू प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 24 फरवरी से शुरू होंगी, जो दो मार्च तक चलेंगी। सभी परीक्षाएं सुबह नौ से 12 बजे तक का रखा गया है। पीजी की इस परीक्षा के दो प्रश्नपत्रों के बीच एक दिन का अंतर रखा गया है। विवि ने बीएड फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा पांच मार्च से और एमएड फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा 20 फरवरी से शुरू होंगी। उक्त परीक्षाओं में काफी विलंब हुआ है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा छह सितंबर तक प्रवेश प्रक्रिया संचालित करना है। इसके अलावा प्रवेश प्रक्रिया देखने वाले ओएसडी तुलसीराम दहायत समय रहते प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का डाटा संबंधित विवि तक नहीं पहुंच पाए हैं। ओएसडी दहायत विद्यार्थियों का त्रुटियुक्त नामांकन बनाकर भेजे। विवि को डाटा संशोधित करने में काफी समय लगा और त्रुटियुक्त नामांकन को ठीक करने में काफी मशक्कत करना पड़ी।

भारत मंडपम में सजेगा मध्यप्रदेश पैवेलियन

विसं, भोपाल। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट-2026 का आयोजन 16 से 20 फरवरी 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में किया जाएगा। समिट में प्रदेश का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग मप्र पैवेलियन स्थापित कर राज्य का प्रतिनिधित्व करेगा। समिट में प्रदेश के चार प्रमुख शासकीय विभागों द्वारा एआई के व्यावहारिक उपयोग प्रस्तुत किए जाएंगे। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर सहित अन्य नवाचार केंद्रों से स्टार्टअप्स उत्पादन-तैयार एआई समाधान प्रस्तुत करेंगे। भारत मंडपम, नई दिल्ली में मप्र पैवेलियन में सार्वजनिक स्वास्थ्य, कृषि, औद्योगिक स्वचालन, शिक्षा और उभरती प्रौद्योगिकियों को समाहित करते हुए राज्य के समग्र एआई पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतिनिधित्व करेगा।

सीएम साइबर पंजीयन कार्यालय का लोकार्पण

विसं भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 16 फरवरी को भोपाल में अत्याधुनिक साइबर पंजीयन कार्यालय का लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं वित्त, वाणिज्यिक कर मंत्री जगदीश देवड़ा भी उपस्थित रहेंगे। महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षण मुद्रांक पंजीयन भवन अरेरा हिल्स में साइबर पंजीयन कार्यालय का लोकार्पण होगा। कार्यालय अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर और सुरक्षित सर्वर से लैस है, जो डेटा की गोपनीयता सुनिश्चित करते हुए रजिस्ट्री की प्रक्रिया को सरल बनाएगा।

राज्यपाल के अभिभाषण के साथ आज शुरू होगा बजट सत्र, दिवंगत को सदन देगा श्रद्धांजलि

4.85 लाख करोड़ का हो सकता है बजट विधायकों ने लगाए हैं 3478 सवाल

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश की 16वीं विधानसभा का नवें सत्र का आगाज 16 फरवरी से होगा। जिसे लेकर विधानसभा सचिवालय द्वारा पूरी तैयारी कर ली गई है। सत्र के पहले दिन राज्यपाल डॉ. मंगू भाई पटेल अपने अभिभाषण से सरकार की उपलब्धियों की जानकारी देंगे। मध्यप्रदेश के बजट सत्र को लेकर विधानसभा सचिवालय और सरकार ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है।

रविवार को स्पीकर नरेन्द्र सिंह तोमर ने तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों से चर्चा की। बजट सत्र के दौरान विपक्ष और सत्ता पक्ष के विधायकों ने 3478 सवालों के जवाब सरकार से मांगे हैं। इनमें से 2253 प्रश्न ऑनलाइन भेजे गए हैं, जबकि 1225 सवाल विधायकों ने प्रपत्रों के जरिए पूछे हैं। इनमें से 1750 तारांकित सवाल हैं, तो 1728 अतारांकित हैं। अगर ध्यानाकर्षण की बात करें तो बजट के दौरान सरकार के मंत्रियों को 236 प्रस्तावों का जवाब देना होगा। इन प्रस्तावों की सूचनाएं कांग्रेस के साथ-साथ सत्ताधारी भाजपा विधायकों ने भी सचिवालय को भेजी हैं। 10 स्थगन प्रस्तावों की भी सूचना दी गई है। इसी तरह 41 अशासकीय संकल्प और 83 शून्यकाल की सूचनाएं भी सचिवालय को प्राप्त हुई है।

18 फरवरी को वित्त मंत्री पेश करेंगे बजट

वित्त विभाग संभाल रहे उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा 18 फरवरी को सदन में वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश करेंगे। ऐसा माना जा रहा है कि पिछले बजट की तुलना में इस बार का बजट तकरीबन 10 से 15 प्रतिशत अधिक हो सकता है, जो लगभग 4.85 लाख करोड़ के आसपास हो सकता है। इससे एक दिन पहले यानि कि 17 फरवरी को 10 हजार करोड़ का तीसरा अनुपूरक बजट अनुमान भी सदन में पेश किया जाएगा।

तीन साल में सबसे बड़ा 19 दिन का होगा सत्र

अगर पिछले तीन बजट सत्रों पर नजर डालें, तो इस बार का बजट सत्र सबसे बड़ा यानि कि 19 दिन का होगा। वर्ष 2024-25 में 7 से 19 फरवरी कुल 13 दिन में 9 बैठकें हुई थी।वर्ष 2025-26 में 10 से 25 मार्च के बीच हुए 15 दिन के सत्र में 9 बैठकें की गई है। और मौजूदा बजट सत्र सत्र16 फरवरी से 6 मार्च तक आहुत किया गया है। 19 दिन के इस सत्र में 12 बैठकें आहुत की गई है।

रणनीति बनाने नेता प्रतिपक्ष ने बुलाई बैठक

विधानसभा में पार्टी की रणनीति तय करने को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने 16 फरवरी की शाम 7:30 बजे से विधायक दल की बैठक बुलाई है। अपने बंगले में होने वाली इस बैठक में सिंघार विधायकों को बताएंगे कि किन-किन मुद्दों पर सरकार को घेरना है। इस मौके पर पार्टी संगठन के वरिष्ठ नेता भी मौजूद रह सकते है।

सदन में इन मुद्दों पर हो सकता है हंगामा

कांग्रेस से जुड़े सूत्रों की मानें तो विधानसभा के बजट सत्र के दौरान इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतें, भोपाल के स्लाटर हाउस में गौ-हत्या और सरकार द्वारा लिए जा रहे कर्ज व बेरोजागारी को लेकर सरकार से जवाब मांगा जा सकता है। कहा गया है कि भाजपा ने भी विपक्ष के हर सवाल का जवाब देने की पूरी तैयारी की है। ऐसे में सदन में इन मुद्दों पर हंगामा हो सकता है।

रामराज्य का स्वप्न देखना साहस और धैर्य का प्रतीक: मुख्यमंत्री

डबरा के नवग्रह शक्तिपीठ के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए सीएम

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा रविवार को डबरा में नवग्रह शक्तिपीठ के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सहभागिता की। इस मौके पर उन्होंने भगवान राम के वनवास प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि इतना समृद्ध राज्य छोड़कर संसाधनों के अभाव में भी दो राजकुमारों द्वारा रामराज्य का स्वप्न देखना साहस, धैर्य और आदर्श का प्रतीक है। सीएम ने कहा कि भगवान राम द्वारा स्वयंवर के समय विराट रूप के दर्शन करवाए गये जिसके साक्षी दुनिया के अनेक शासक भी थे। निश्चित ही यह प्रसंग युवा शक्ति के समाजहित में उपयोग की दृष्टि से भी अध्ययन और शोध का विषय है। उन्होंने कहा कि डबरा में निर्मित यह नवग्रह शक्तिपीठ एक अद्भुत धाम है। डॉ. नरोत्तम मिश्र द्वारा इस नवग्रह शक्तिपीठ का निर्माण कर अद्भुत और प्रेरणादायी संकल्प को साकार किया है। डॉ. यादव ने प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास का अभिदनंदन करते हुए कहा कि उन पर मां सरस्वती की कृपा सदैव बरसती है। वे समाज को प्रेरणा देने का कार्य कर रहे हैं। पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने नवग्रह शक्तिपीठ के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव और अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि डबरा में इस प्रकल्प के पूर्ण होने और संतों के समागम का अवसर सौभाग्य की बात है। डॉ. यादव ने डबरावासियों की भावना का सम्मान करते हुए सहभागिता की है। कुमार विश्वास ने कथा वाचन द्वारा अनेक पौराणिक प्रसंग सुनाए। कार्यक्रम में राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, सांसद विष्णुदत्त शर्मा, सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

स्वास्थ्य कर्मचारी कर रहे हड़ताल की तैयारी, अटक सकती हैं सेवाएं

नगर संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग सहित कई एजेंसियों के अधीन कार्य कर रहे कर्मचारी हड़ताल की तैयारी में हैं। वर्षों से लंबित मांगों पर कार्रवाई नहीं होने से नाराज समस्त स्वास्थ्य अधिकारी कर्मचारी महासंघ ने चरणबद्ध आंदोलन के तीसरे चरण का ऐलान किया है। 16 और 17 फरवरी को जिला मुख्यालयों पर काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह कौरव ने कहा कि स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के नियमित, एनएचएम संविदा, एड्स नियंत्रण समिति, आउटसोर्स, रोगी कल्याण समिति, गैस राहत और आयुष विभाग से जुड़े कर्मचारियों की 14 सूत्रीय तथा आयुष की 9 सूत्रीय मांगें लंबे समय से लंबित हैं। कई मांगें गैर-आर्थिक और सैद्धांतिक हैं, जिन पर सहमति बनने के बावजूद आदेश जारी नहीं हुए। इससे कर्मचारियों में आक्रोश है।

24 फरवरी को प्रदर्शन: महासंघ ने चेताया है कि 24 फरवरी को हजारों कर्मचारी भोपाल में एकत्र होकर 'न्याय यात्रा' निकालेंगे और सीएम को ज्ञापन सौंपेंगे। इसके बाद भी समाधान नहीं हुआ तो हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया जाएगा। संगठन ने साफ किया कि ऐसी स्थिति की जिम्मेदारी विभाग की होगी। कर्मचारियों का कहना है कि वे मानव सेवा से जुड़े महत्त्वपूर्ण विभाग में काम करते हैं, लेकिन अनदेखी से आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। अब सबकी निगाहें सरकार की अगली प्रतिक्रिया पर टिकी हैं।

प्रमुख मांगें क्या हैं

- चिकित्सकों की तरह रात्रिकालीन आकस्मिक चिकित्सा भत्ता।
- रेडियोग्राफर व संबंधित कर्मचारियों को रेडिएशन जोखिम भत्ता।
- सभी मेडिकल कॉलेजों में नर्सिंग ऑफिसर्स को समान वेतन वृद्धि।
- विभिन्न कैडरों के पदनाम परिवर्तन व ग्रेड पे संशोधन।
- एनएचएम व एड्स नियंत्रण समिति के संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण/नीति लागू करने की मांग।
- आउटसोर्स व रोगी कल्याण समिति कर्मचारियों के लिए ठोस सेवा सुरक्षा नीति।
- सातवें वेतनमान का लाभ 2016 से लागू करने सहित विभागीय विसंगतियों का समाधान।

जर्जर पुलों की 28 करोड़ रु. से होगी मरम्मत ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम भी सुधारा जाएगा

एमपीआरडीसी ने टेंडर किए जारी, चयनित एजेंसी को छह माह में पूरा करना होगा काम

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश के स्टेट हाईवे और नेशनल हाईवे के कई पुल जर्जर हो चुके हैं। उन्हें दुरस्त करने मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम (एमपीआरडीसी) ने टेंडर जारी कर दिए हैं। करीब 28 करोड़ से पुलों की मरम्मत की जाएगी। एमपीआरडीसी प्रदेश के कई जिलों के ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को भी सुधारेगा। दुर्घटना प्रतिक्रिया प्रणाली और ट्रैफिक मैनेजमेंट सेंटर की क्षमताओं को बढ़ाने भी टेंडर जारी किए गए हैं। प्रदेश के पुल जर्जर होकर अपनी दुर्गति की कहानी बयां कर रहे हैं। उन्हें ठीक करने एमपीआरडीसी ने मरम्मत और रखरखाव के लिए टेंडर जारी कर दिए हैं। भोपाल, धार और उज्जैन के पुलों की मरम्मत के लिए 1.34 करोड़ के टेंडर जारी हुए हैं। मरम्मत कार्य छह माह की अवधि में पूर्ण कर लिया जाएगा। इसमें बरसात को भी शामिल किया गया है। नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा और रीवा में 1.98 करोड़ रुपए के टेंडर जारी किए गए हैं। इंदौर में पुलों स्थिति सबसे ज्यादा खराब बताई जा रही है। इसलिए एमपीआरडीसी ने यहां के लिए 2.48 करोड़ के टेंडर निकाले हैं। राशि ज्यादा होने के बाद भी चयनित एजेंसी को तीन माह में कार्य पूरा करना होगा। जबलपुर-नरसिंहपुर-पिपरिया रोड (राज्य राजमार्ग-67) पर छह माह में किमी 5/106 पर डायवर्जन रोड सहित 12 सेल बॉक्स के निर्माण के लिए 99 लाख रुपए की लागत से कार्य कराया जाएगा।

व्हाइट टॉपिंग से मजबूत की जाएंगी प्रदेश की 10 सड़कें

एमपीआरडीसी व्हाइट टॉपिंग तकनीक से प्रदेश की 10 सड़कों को सुधारेगा। इसलिए 50 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। प्रदेश की उक्त सड़कों का सुधार करने संबंधित एजेंसी को एक से दो साल तक समय दिया जाएगा। व्हाइट टॉपिग तकनीक में पुरानी सड़क की ऊपरी परत को हटाकर कांक्रीट की मोटी परत चढाई जाएगी। सड़क की ऊंचाई छह से आठ इंच ऊंची करने एम 40 ग्रेड सीमेट और फाइबर बुरादा का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे सड़क पर मजबूती आएगी, जिस पर बरसात का असर नहीं होगा।

नयागांव में सात दिसंबर को हुआ था हादसा

रायसेन के नयागांव इलाके में आने वाले पिपरिया रोड पर बना पुराना पुल गत वर्ष सात दिसंबर को ढह गया था। पुल से गुजर रही दो बाइक नीचे जा गिरी थीं। इस दौरान हुए हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। उक्त घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि उक्त पुल को एमपीआरडी पूर्व में जर्जर भी घोषित कर चुका था। इसके बाद भी पुल से आवाजाही जारी रही। आवाजाही बरकरार होने के कारण पुल ढह गया था। तब एमपीआरडीसी और लोक निर्माण विभाग ने प्रदेश के सभी जर्जर पुलों को ठीक करने का कार्य शुरू किया है।

मौजूदा सत्र में 500 शिक्षक हुए रिटायर, अतिथि शिक्षकों की भर्ती करने मंत्रालय को भेजा प्रस्ताव

प्रदेशभर में 80 हजार शिक्षकों की जरूरत, भर्ती के लिए शासन स्तर पर शुरू हुईं तैयारियां

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश के स्कूलों में आगामी सत्र में 80 हजार से अधिक अतिथि शिक्षकों की जरूरत भी पड़ सकती है। हर माह शिक्षक रिटायर हो रहे हैं। मौजूदा सत्र में प्रदेशभर में 500 से अधिक शिक्षक रिटायर हुए हैं। यहां तक कुछ का निधन भी हुआ है। उनके पद रिक्त बने हुए हैं। इसके चलते आगामी सत्र में उक्त रिक्त पदों की पूर्ति अतिथि शिक्षकों से होगी। प्रदेश में नवीन शिक्षण सत्र शुरू होते ही अतिथि शिक्षकों की भर्ती शुरू होगी। इससे लेकर शासन स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। यहां तक लोक शिक्षण संचालनालय ने मंत्रालय में प्रस्ताव भेज दिया है। स्कूलों में रिक्त पदों को अतिथि शिक्षकों से भरने के लिए गया है। प्रदेश में 80 हजार शिक्षक की जरूरत है और 76 हजार अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं। एक सत्र के लिए नियुक्त किए गए

अतिथि शिक्षकों का कार्यकाल मार्च में खत्म हो रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग का कहना है कि अप्रैल में नवीन शिक्षण सत्र की तैयारियां हो रही हैं। विद्यार्थियों को अध्ययन कराने पर्याप्त शिक्षकों की नियुक्ति करने व्यवस्था की जा रही है। अतिथि शिक्षकों को नियुक्त करने के लिए शीघ्र ही समय-सीमा निर्धारित होगी। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय में अधिकारी बैठक तक कर चुके हैं। अप्रैल से सत्र प्रारंभ होता है जबकि अगले ही माह मई से ग्रीष्म अवकाश लगते हैं। 15 जून से फिर स्कूल खुलते हैं और जुलाई से नियमित कक्षाएं प्रारंभ होती हैं।

परीक्षाओं की तैयारी करेगा मंडल

मंडल दसवी और बारहवी की साल में दो बार परीक्षाएं ले रहा है। इसके चलते लोक शिक्षण संचालनालय 15 जून से प्रवेशोत्सव के साथ ही नियमित कक्षाएं लगाने की तैयारी कर रहा है। वर्तमान में दसवीं और बारहवीं की पहली परीक्षा चल रही हैं। परीक्षा में विद्यार्थी अनुत्तीर्ण या सप्लीमेंट्री पात्रता हासिल करने वाले विद्यार्थियों की दूसरी परीक्षा जुलाई में आयोजित होगी। जून से कक्षाएं शुरू हो जाएंगी। उक्त विद्यार्थियों की भी परीक्षाओं की तैयारियां कराई जाएगी।

> नवीन शिक्षण सत्र में अतिथि शिक्षकों को स्कूलों में नियुक्त करने की तैयारियां चल रही है। सत्र प्रारंभ होने पर रिक्त पदों पर अतिथि शिक्षकों नियुक्त संबंध में कार्य जारी है।
>
> **केके द्विवेदी संचालक,** लोक शिक्षण संचालनालय

शिवपुरी में वकील की हत्या से अधिवक्ता नाराज

प्रदेश की अदालतों में आज नहीं होगी पैरवी

नगर संवाददाता, भोपाल। शिवपुरी में अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की शनिवार को दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना को लेकर प्रदेश भर के अधिवक्ताओं ने निंदा की है। स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्यप्रदेश और मध्यप्रदेश हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने 16 फरवरी को न्यायालयीन कार्य से विरत (पैरवी से अलग रहने) का निर्णय लिया है। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट बार ने चीफ जस्टिस को पत्र लिखते हुए निवेदन किया है कि लिस्टेड प्रकरणों को अधिवक्ताओं की अनुपस्थिति में खारिज न किया जाए। साथ ही कोई भी विपरीत आदेश पारित न किए जाएं। सोमवार को लिस्टेड मामलों को अगले दिनांक को नॉट रीच किया जाए। स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्यप्रदेश का कहना है कि लगातार वकीलों के साथ हो रही घटनाओं को लेकर प्रदेश के अधिवक्ता अपने आप को असहाय महसूस कर रहे हैं। यह अत्यंत चिंता का विषय है। लंबे समय से अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए शासन से एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की जा रही है। इसके बावजूद अभी तक शासन ने कोई भी प्रयास नहीं किए हैं।

अधिवक्ताओं पर हो रहे लगातार हमले

स्टेट बार काउंसिल ऑफ मप्र के कार्यकारी सचिव नीलेश जैन ने कहा है कि अधिवक्ताओं पर लगातार हमले हो रहे हैं, जिसमें डबरा के अधिवक्ता चंद्रभान सिंह मीना एवं अन्य जिलों के अधिवक्ता भी शामिल हैं। अब अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि दिनदहाड़े हमला कर हत्या की जा रही है। बार ने राज्य सरकार को 7 दिन का अल्टीमेटम दिया है। कहा गया है कि 15 फरवरी को मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद की विशेष सामान्य सभा की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की हत्या के विरोध में प्रदेश भर के अधिवक्ता 16 फरवरी को न्यायालयीन कार्य से अलग रहेंगे। एडवोकेट्स प्रोटेक्शन एक्ट अतिशीघ्र लागू किए जाने की मांग की जाएगी। हर जिले में अधिवक्ता संघ प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट तत्काल लागू किए जाने के संबंध में पत्र लिखकर जिला स्तर पर कलेक्टर एवं तहसील स्तर पर तहसीलदार को ज्ञापन देंगे।

भ्रमण — केरल के निकायों के जनप्रतिनिधियों ने विधानसभा परिसर का किया भ्रमण, अध्यक्ष ने किया संबोधित

कार्यकर्ताओं ने भाजपा को बुलंदी तक पहुंचाया: तोमर

विशेष संवाददाता, भोपाल। विधानसभाध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि मध्यप्रदेश में कार्यकर्ताओं ने भाजपा को बुलंदी तक पहुंचाया है। यह प्रदेश देश के उत्कृष्ट और समृद्ध राज्यों में से एक है। तोमर रविवार को विधानसभा परिसर में 'भाजपा फॉर विकसित केरलम' कार्यक्रम के तहत भ्रमण पर आए केरल के निकायों के जनप्रतिनिधियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में जनसंघ के समय से भाजपा का संगठन मजबूत स्थिति में है और आज यह संगठन अपनी कार्यकुशलता और जनसेवा के लिए पूरे देश में आदर्श बना हुआ है। भाजपा संगठन बूथ स्तर पर पूरी तरह सक्रिय है और वहां की समितियां लगातार जनता की सेवा में जुटी हुई हैं। उन्होंने कहा कि हमारे संगठन का हर कार्यकर्ता गांव व शहरों में पार्टी के विचारों को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है और यही हमारी सफलता का राज है। मध्यप्रदेश और केरल राज्य के बीच हमेशा अच्छे संबंध रहे हैं। तोमर ने ओ. राजगोपाल जैसे वरिष्ठ नेता का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें मध्यप्रदेश से राज्यसभा भेजा गया था, जो पार्टी के मजबूत संबंधों और सहयोग को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार और भाजपा संगठन हर स्तर पर जनता की समस्याओं को समझकर समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले नगरीय विकास विभाग की योजनाओं का भ्रमण और अवलोकन के पश्चात् जनप्रतिनिधियों ने कहा कि मध्यप्रदेश में नगरीय विकास की कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। योजनाओं और नवाचारों को बारीकी से समझा और देखा है। केरल के निकायों में भी ऐसी योजनाओं को लागू कराया जाएगा। केरल के निकाय जनप्रतिनिधि मप्र प्रवास के दूसरे दिन रविवार को भोपाल में 11 सदस्यीय और ग्वालियर में 13 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल ने विभिन्न स्थानों का भ्रमण कर योजनाओं को देखा। उन्होंने लोकभवन पहुंचकर राज्यपाल मंगुभाई पटेल से भी मुलाकात कर संवाद किया।

केरल में भाजपा को कई वर्षों बाद निकाय चुनावों में मिली है जीत

इस मौके पर निकायों ने जनप्रतिनिधियों ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात निश्चित हुई, तब विश्वास नहीं हो रहा था कि हम जैसे सामान्य कार्यकर्ता सीधे प्रधानमंत्री से मिल सकते हैं। जब मध्यप्रदेश के भोपाल व ग्वालियर का प्रवास कार्यक्रम निर्धारित हुआ, तब किसी ने नहीं सोचा था कि मध्यप्रदेश के पार्टी कार्यकर्ता हम लोगों का इतना सम्मान व स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा कि केरल में भाजपा को पिछले कई वर्षों बाद निकाय चुनावों में बड़ी जीत मिली है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने अथक परिश्रम किया और आज केरल के कई निकायों में भाजपा का परचम लहरा रहा है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने केरल में कांग्रेस और सीपीएम को परास्त कर दोनों पार्टियों का भ्रम एक साथ तोड़ दिया है।

अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा में जोड़ना सच्ची सेवा

भोपाल। भाजपा के भोपाल जिलाध्यक्ष रविन्द यति ने कहा है कि समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ना ही सच्ची सेवा है। शिल्पी समाज के लोग अपने परंपरागत कौशल से समाज की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं, ऐसे में उनके रोजगार को सशक्त बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है। यति रविवार को अपने जन्मदिन के अवसर पर केश शिल्पी समाज के को उनके व्यवसाय को बढ़ावा देने हेतु आवश्यक सामग्री का वितरण कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अंत्योदय की भावना केवल एक विचार नहीं, बल्कि व्यवहार में उतारने योग्य संकल्प है। समाज के कमजोर वर्गों को सम्मान, अवसर और संसाधन उपलब्ध कराना ही सुशासन की असली पहचान है। इस मौके पर हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा

,दक्षिण पश्चिम विधायक भगवान दास सबनानी , जिला प्रभारी भाजपा जसवंत सिंह हाडा , महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना जाचक और प्रदेश प्रवक्ता नेहा बग्गा सहित अन्य विशिष्ट जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बताया गया कि यति अपने जन्मदिन के अवसर पर मोची समाज के बंधुओं को उनके कार्य से संबंधित सामग्री भेंट कर चुके हैं।

वर्ष 69 अंक 139 पृष्ठ 12
भोपाल, सोमवार 16 फरवरी, 2026
फाल्गुन कृष्ण पक्ष 14, विक्रम संवत् 2082
महानगर मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

इशान किशन
प्लेयर ऑफ द मैच

40 गेंद	77 रन
10 चौके	03 छक्के

स्ट्राइक रेट 192.50

टी-20 वर्ल्ड कप: पाकिस्तान पर सबसे बड़ी जीत, भारत की सुपर-8 में एंट्री

भारत के तूफान में उड़ा पाक

कोलंबो, जेएनएन। कोलंबो में भारत-पाकिस्तान के बहुप्रतीक्षित मैच से पहले तूफान और बारिश के आसार थे। हालांकि मैच के दौरान मौसम ने कोई खलल नहीं डाला, लेकिन इशान किशन की अगुवाई में भारत का तूफान आया और इसमें पाकिस्तान की पूरी टीम उड़ गई। टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान पर भारत की रनों के लिहाज से यह सबसे बड़ी जीत है और 175/7 का स्कोर भारत-पाक टी-20 वर्ल्ड कप मुकाबलों में अब तक का सर्वोच्च स्कोर भी है। भारतीय बल्लेबाजी के बाद आए गेंदबाजी के तूफान में पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई। भारत की इस जीत के हीरो ईशान किशन रहे। टीम इंडिया की इस टूर्नामेंट में यह लगातार तीसरी जीत है। भारत की जीत के हीरो इशान किशन रहे। धीमी और स्पिन के अनुकूल पिच पर किशन की 40 गेंदों पर 77 रन की शानदार पारी ने ना सिर्फ भारत को टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 8-1 की बढ़त दिलाई, बल्कि सुपर-8 में जगह पक्की करने में मदद भी की। आर प्रेमदासा स्टेडियम की पिच इतनी फंसकर आ रही थी कि पाकिस्तान ने भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाने के बाद 20 में से 18 ओवर स्पिन से करवाए, लेकिन किशन ने परिस्थितियों को मात देते हुए भारत को ऐसा स्कोर दिलाया, जो लगभग 30 रन अधिक लग रहा था।

(संबंधित खबर पेज-10 पर)

- भारत ने पाकिस्तान को 61 रनों से हराया। यह टी-20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की पाकिस्तान के खिलाफ रनों के लिहाज से अब तक की सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले, भारत ने 2012 में अहमदाबाद में पाकिस्तान को 11 रनों से हराया था (विश्व कप के बाहर), जिसे इस जीत ने पीछे छोड़ दिया। वहीं रनों के अंतर के मामले में यह पाकिस्तान की भारत के खिलाफ सबसे करारी हार रही।
- टी-20 विश्व कप में यह भारत की पाकिस्तान के खिलाफ नौ मैचों में आठवीं जीत है, जबकि उसे सिर्फ एक मैच में हार का सामना करना पड़ा है। हेड टू हेड भारत 8 जीत, पाकिस्तान 1 जीत।
- भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस के दौरान अपने पाकिस्तानी समकक्ष सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया और और पिछले साल दुबई में एशिया कप के बाद से चली आ रही नीति पर कायम रहे। मैच खत्म होने के बाद भी दोनों टीमों के खिलाड़ियों और सहायक स्टाफ के बीच भी हाथ नहीं मिलाया जाएगा।

27 गेंद में इशान किशन ने पाकिस्तान के खिलाफ अर्धशतक लगाया। यह टी-20 विश्व कप के इतिहास में किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ लगाया गया सबसे तेज अर्धशतक है।

175 रन टी-20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान के बीच सबसे बड़ा टोटल है। इससे पहले जो टोटल बना था वह साल 2022 में 160 रन का था जिसे भारत ने ही 6 विकेट के नुकसान पर बनाया था। विश्व कप में भारत पाकिस्तान मैच में तीसरा सबसे बड़ा टोटल 159 रन का है, जिसे पाकिस्तान ने साल 2022 के विश्व कप में 8 विकेट के नुकसान पर बनाया था।

> विकेट इतनी आसान नहीं थी, लेकिन आपको अपने आप पर विश्वास रखना होता है, इसलिए मैं सिर्फ गेंद को देखकर खेलने का प्रयास कर रहा था। मैंने ऑफ साइड गेम पर काफी काम किया है, यह बड़ा ग्राउंड है और यहां गैप भी मिलता है, इसलिए मैं गैप में खेलने की कोशिश कर रहा था। भारत बनाम पाकिस्तान मुकाबला हमेशा खास होता है, न सिर्फ हमारे लिए बल्कि देश के लिए भी। उनकी टीम में काफी अच्छे स्पिनर थे और इस जीत से हमें टूर्नामेंट में आगे के लिए काफी आत्मविश्वास मिलेगा। जब शाहीन गेंदबाज कर रहे थे तो लगा था कि पिच से तेज गेंदबाजों को मदद नहीं मिल रही है, लेकिन जिस तरह से हार्दिक और बुमराह ने गेंदबाजी की वो काफी लाजवाब था।
>
> **- इशान किशन**, प्लेयर ऑफ द मैच

ऑफ बीट

कंपनी में 70 करोड़ का बोनस लूट ऑफर

यह खबर चीन की हेनान माइनिंग क्रेन कंपनी लिमिटेड से जुड़ी है, जिसने अपने वार्षिक समारोह में कर्मचारियों के लिए 70 करोड़ रुपए का एक अनोखा बोनस ऑफर रखा था। कंपनी ने करीब 70 करोड़ रुपए के नोटों के बंडल एक 70 मीटर लंबी टेबल पर सजा दिए और कर्मचारियों को 15 मिनट का समय दिया। शर्त यह थी कि कर्मचारी 15 मिनट में जितने नोट गिन सकेंगे, उतने ही पैसे वे बोनस के रूप में घर ले जा सकेंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक कर्मचारी ने सबसे तेज हाथ चलाते हुए 15 मिनट में करीब 11.5 लाख रुपए (1,00,000 युआन) गिन लिए और वह राशि जीत ली। कंपनी ने यह अनोखा तरीका अपने कर्मचारियों को उनकी मेहनत के लिए पुरस्कृत करने और उनका उत्साह बढ़ाने के लिए अपनाया था। सोशल मीडिया पर इस घटना के वीडियो काफी वायरल हुए हैं, जहां कर्मचारी बोरों में नोट भरकर ले जाते नजर आए।

संक्षिप्त खबरें

विधानसभा सत्र आज से 18 को आएगा बजट

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का आगाज 16 फरवरी से होगा। सत्र के तीसरे दिन वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट प्रस्तुत किया जाएगा। सत्र का शुभारंभ राज्यपाल के अभिभाषण से होगा। वित्त विभाग संभाल रहे उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा 17 फरवरी को तीसरा अनुपूरक बजट एवं 18 फरवरी को बजट पेश करेंगे। इधर, रविवार को राज्यपाल मंगुभाई पटेल से विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने लोकभवन में सौजन्य भेंट की। उन्होंने विधानसभा के बजट सत्र के अभिभाषण के लिए राज्यपाल को आमंत्रित किया। इस अवसर पर दोनों के मध्य विभिन्न विषयों पर पारस्परिक चर्चा हुई। इससे पहले राज्यपाल ने तोमर को पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

(संबंधित खबर पेज-2 पर)

तमिलनाडु: डीएमके नेता को दो साल की सजा

चेन्नई, जेएनएन। तमिलनाडु की कोर्ट ने डीएमके के नेता जे. शिवाजी कृष्णमूर्ति (65) को दो साल की सजा और 20 हजार जुर्माना लगाया है। उन्हें ये सजा सार्वजनिक सभा में आपत्तिजनक और अशोभनीय टिप्पणी करने के मामले में सुनाई गई है। यह फैसला एग्मोर की 10वीं महानगरीय मजिस्ट्रेट पी. रेवती ने सुनाया। मामला 16 जून 2023 का है, जब एरुक्कनचेरी स्थित कृष्णमूर्ति हॉल में सार्वजनिक बैठक के दौरान शिवाजी ने भाषण में गवर्नर, खुशबू सुंदर, विपक्ष के नेता पलानीस्वामी, भाजपा के पूर्व राज्य प्रमुख अन्नामलाई और पूर्व मंत्री डी जयकुमार को गाली-गलौज किया था। और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया। उनके इस भाषण को लेकर विवाद खड़ा हो गया था, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की। कोडुंगैयूर पुलिस ने आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। इनमें अश्लील टिप्पणी करना, शांति भंग करने के इरादे से अपमान करना और समुदायों के बीच शत्रुता फैलाने जैसे आरोप शामिल थे। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर चार्जशीट दाखिल की थी। चार्जशीट में कहा गया कि उनके बयान सार्वजनिक शांति को प्रभावित कर सकते थे और समाज में तनाव पैदा करने की आशंका थी। सुनवाई के दौरान शिवाजी ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि उनके खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया गया है। हालांकि, अदालत ने पेश किए गए वीडियो साक्ष्यों और अन्य तथ्यों की जांच के बाद पुलिस के पक्ष को सही माना और उन्हें दोषी ठहराया।

टी-20 वर्ल्ड कप में आज

अफगानिस्तान बनाम यूएई
समय : सुबह 11.00 बजे से

इंग्लैंड बनाम इटली
समय: दोपहर 3.00 बजे से

श्रीलंका बनाम ऑस्ट्रेलिया
समय: शाम 7.00 बजे से

प्रसारण: जियो हॉट स्टार और स्टार स्पोर्ट्स

लंबे समय तक रिश्ते के बाद शादी का वादा टूटना रेप नहीं

रेप तभी जब वादा शुरू से झूठा हो: उत्तराखंड हाईकोर्ट

देहरादून, जेएनएन। उत्तराखंड हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि यदि दो वयस्कों के बीच लंबे समय तक आपसी सहमति से संबंध रहे हों, तो बाद में शादी का वादा पूरा न करना अपने आप में आईपीसी की धारा 376 के तहत रेप नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि रेप का मामला तभी बनता है जब यह साबित हो कि शादी का वादा शुरू से ही झूठा, धोखाधड़ीपूर्ण था।

यह फैसला उन मामलों में कानूनी कसौटी स्पष्ट करता है, जहां 'शादी के वादे' के आधार पर सहमति, धोखाधड़ी के बीच की रेखा को परखा जाता है। कोर्ट ने हर विफल संबंध को आपराधिक मामला नहीं माना जा सकता, जब तक शुरू से ही छल का स्पष्ट प्रमाण न हो। मामला मसूरी की महिला से जुड़ा है, जिसने सूरज बोरा पर आरोप लगाया कि उसने 45 दिनों में शादी का आश्वासन देकर संबंध बनाए, लेकिन बाद में वादा पूरा करने से इनकार कर दिया। जांच के बाद पुलिस ने 22 जुलाई 2023 को आरोपपत्र दायर किया। आरोपी ने इस चार्जशीट को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, इस पर अदालत ने फैसला सुनाया है।

पीड़िता का पक्ष

राज्य सरकार और पीड़िता के वकीलों ने कहा महिला की सहमति शादी के स्पष्ट आश्वासन पर थी। वादा पूरा नहीं किया गया, तो यह जांच ट्रायल के दौरान तय होना चाहिए कि वादा शुरुआत से झूठा था या नहीं, इसलिए क्रिमिनल कार्यवाही को रद्द नहीं किया जाना चाहिए। न्यायमूर्ति आशीष नेथानी ने कहा कि सहमति केवल इस आधार पर अमान्य नहीं हो जाती कि विवाह नहीं हुआ। अपराध सिद्ध करने यह जरूरी है कि वादा सिर्फ शारीरिक संबंध के लिए साधन था आरोपी का कोई इरादा नहीं था।

बचाव में तर्क

आरोपी के वकील ने तर्क दिया कि दोनों पक्ष वयस्क थे और लंबे समय से सहमति के आधार पर संबंध में थे। एफआईआर में ऐसा कोई ठोस साक्ष्य नहीं है, जिससे यह साबित हो कि शुरुआत से ही आरोपी का इरादा धोखा देने का था। यह एक असफल संबंध का मामला है, जिसे आपराधिक रंग देना न्याय प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा।

विवाद: कांग्रेस नेता ने की टीपू से शिवाजी की तुलना

बुलढाणा, जेएनएन। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के छत्रपति शिवाजी महाराज की तुलना टीपू सुल्तान से करने पर विवाद बढ़ गया है। सपकाल ने कहा था-टीपू सुल्तान को शिवाजी महाराज के बराबर मानना चाहिए। वे एक योद्धा और भारत के भूमिपुत्र के रूप में उभरे। उन्होंने कभी भी जहरीली सोच को नहीं अपनाया। दरअसल, सपकाल 14 फरवरी को बुलढाणा में मालेगांव नगर निगम के डिप्टी मेयर निहाल अहमद के ऑफिस पर थे। वे टीपू सुल्तान की तस्वीर हटाने पर हुए विवाद के बारे में बोल रहे थे।

बयान के बाद बड़ा विवाद सीएम बोले सपकाल का बयान शर्मनाक

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने सपकाल के बयान को शर्मनाक बताया है। उन्होंने कहा-कांग्रेस नेता को खुद पर शर्म आनी चाहिए। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि महाराष्ट्र कांग्रेस प्रेसिडेंट का दिमाग खराब हो गया है, वह पागल हो गए हैं। उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। राहुल गांधी और सोनिया गांधी को उन्हें तुरंत हटा देना चाहिए.हर्षवर्धन सपकाल ने कहा कि मुझसे जो मूल प्रश्न पूछा गया था, मेरा वक्तव्य उसी संदर्भ में है। मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर दिखाने का जो प्रयास किया जा रहा है, वह निंदनीय है। उन्होंने कहा कि मैं चर्चा के लिए तैयार हूं।

सीएम ने विक्रमोत्सव और विक्रम व्यापार मेले का किया शुभारंभ

प्रदेश में सभी क्षेत्रों में विकास के नए आयाम हो रहे स्थापित: मोहन

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को उज्जैन में विक्रमोत्सव और विक्रम व्यापार मेले का शुभारंभ किया। इस मौके पर सीएम ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से जहां निकायों की आय बढ़ती है, तो वहीं वे आत्मनिर्भर बनने की दिशा में तेजी से कदम उठाते है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में सभी क्षेत्रों में विकास के नए प्रतिमान स्थापित हो रहे हैं। विक्रमोत्सव और विक्रम व्यापार मेला इस तथ्य का परिचायक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य की नगरी अवंतिका विकास के नए कीर्तिमान बना रही है। व्यापार, व्यवसाय में बाबाश्री महाकाल की नगरी तेजी से प्रगति कर रही है। विक्रम व्यापार मेले का आयोजन तीसरी बार किया जा रहा है। व्यापार मेले से जिले और आसपास के क्षेत्र में आर्थिक प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि विक्रम व्यापार मेला वर्ष 2024 में 23,705 वाहनों की बिक्री पर लगभग 122 करोड़ की छूट प्रदान की गई थी, वर्ष 2025 में 36,225 वाहनों की बिक्री पर 187 करोड़ की छूट प्रदान की गई थी। उन्होंने कहा कि बाबा महाकाल के प्रसाद के रूप में वाहन लेने वालों को छूट का पर्याप्त लाभ मिल रहा है। इस वर्ष नगर निगम को अभी तक 4 करोड़ 10 लाख रुपए की आय हो गई है। इस वर्ष विक्रम व्यापार मेले में फोर व्हीलर के 139 स्टाल, टू व्हीलर के 36 स्टाल,कार डेकोरेशन, सांची पार्लर सहित अन्य उपयोगी सामग्रियों के स्टाल लगाए गए हैं। बैंक्स तथा उद्योग व्यवसाय से जुड़े अन्य संस्थान भी मेले में उपस्थित हैं।

व्यापार-व्यवसाय- उद्यमिता, कृषि आदि सहित सभी क्षेत्रों में यह उन्नति और प्रगति का काल है। डॉ. यादव ने कहा कि महाशिवरात्रि पर्व पर बाबाश्री महाकाल की भक्ति का सैलाब आया हुआ है। यहां 30 मिनट में ही बाबा के दर्शन कर श्रद्धालु प्रसन्नता और संतोष के साथ वापस जा रहे हैं। राज्य सरकार यही व्यवस्था स्थापित करना चाहती थी। उज्जैन में पहली बार महाकाल वन मेला भी आयोजित किया गया है, जहां वन उत्पाद, वैद्यों द्वारा स्वास्थ्य परामर्श भी प्रदान किया जा रहा है। जन सामान्य की रुचि और आकर्षक को देखते हुए वन मेले का आयोजन अब उज्जैन में हर वर्ष किया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस वर्ष के विक्रम व्यापार मेले में पिछले वर्षों के आय के सभी रिकॉर्ड टूटेंगे।

इस अवसर पर सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, नगर निगम सभापति कलावती यादव, संजय अग्रवाल, रवि सोलंकी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

उज्जैन में रविवार को विक्रम व्यापार मेले का शुभारंभ करते सीएम डॉ. मोहन यादव।

बांग्लादेश: 17 को रहमान का शपथ ग्रहण, परंपरा से अलग संसद कॉम्पलेक्स में होगा समारोह

प्रधानमंत्री की जगह बिरला और विक्रम जाएंगे ढाका

नई दिल्ली, जेएनएन। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के चेयरमैन तारिक रहमान 17 फरवरी को देश के नए प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं को इस समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रण भेजा गया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक इस समारोह में भारत की तरफ से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शामिल होंगे। उनके साथ विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी रहेंगे। पीएम मोदी 17 फरवरी को मुंबई में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक करने वाले हैं, इसलिए वे ढाका नहीं जा रहे हैं। शपथ ग्रहण समारोह परंपरा से अलग इस बार राष्ट्रपति भवन की जगह ढाका के नेशनल पार्लियामेंट कॉम्प्लेक्स के साउथ प्लाजा में होगा।

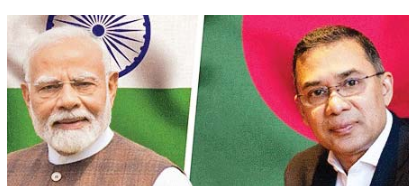

सार्क देशों को दिया जा रहा न्योता

बांग्लादेश ज्यादातर सार्क सदस्य देशों के नेताओं को आमंत्रित करने की योजना बना रहा है। सार्क पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की पहल पर शुरू हुआ था। जिया, तारिक के पिता थे। चीन, मलेशिया, सऊदी अरब और तुर्किये जैसे मित्र देशों के प्रमुखों को भी बुलाने की तैयारी है। तारिक रहमान ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार की विदेश नीति बांग्लादेश के लोगों के हितों की रक्षा पर केंद्रित होगी और यह किसी एक देश पर आधारित नहीं होगी।

बीएनपी अध्यक्ष रहमान बोले-सार्क को फिर एक्टिव करने की कोशिश करेंगे

बांग्लादेश आम चुनाव में जीत के बाद बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान ने शनिवार को पहली बार मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि सार्क की शुरुआत बांग्लादेश ने की थी, इसलिए वे इसे फिर से शुरू करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद वे दूसरे देशों से बात करेंगे और संगठन को दोबारा एक्टिव करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने साफ कहा कि देश में कानून-व्यवस्था हर हाल में बनाए रखी जाएगी। शांति और सुरक्षा बिगाड़ने वाली किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और कानून सभी पर बराबर लागू होगा। तारिक रहमान ने देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि रास्ते और विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन देश के हित में सभी को साथ रहना होगा। राष्ट्रीय एकता ही देश की ताकत है और बंटवारा कमजोरी। तारिक ने कहा, आज से देश में सच्चे अर्थों में आजादी और अधिकार बहाल हुए हैं। बांग्लादेश की जनता को बधाई देते हुए कहा कि लोगों ने सभी मुश्किलों को पार कर देश में लोकतंत्र की राह बनाई है।

पुजारी की छाती पर पैर रख सरेराह बके से काटी गर्दन

भाग रहे आरोपी को भीड़ ने किया पुलिस के हवाले

जागरण, सीधी। प्रदेश में जातिवाद के गढ़ कहे जाने वाले विंध्य के सीधी में एक हैरान-परेशान वाली वारदात सामने आई है। एक युवक ने मंदिर से पूजा कर लौट रहे पुजारी को स्कूटी से गिरा दिया। फिर बीच सड़क पर पैरों से रौंदते हुए बके से पुजारी की गर्दन काट डाली। युवक पहले भी कई ब्राह्मणों पर हमला कर चुका है। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी भागने की फिराक में था, लेकिन मौके पर मौजूद लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

यह मामला सीधी जले के कुसमी क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, इंद्रभान द्विवेदी (75) तहसील परिसर स्थित हनुमान मंदिर के पुजारी थे। वह रविवार सुबह 8 बजे महाशिवरात्रि की पूजा कर मोपेड से घर लौट रहे थे। इसी दौरान आरोपी लाला केवट (55) ने हमलाकर उन्हें मोपेड से गिरा दिया। आसपास खड़े लोग कुछ समझ पाते उसके पहले ही आरोपी ने लपककर पुजारी से मारपीट करते हुए उनकी छाती पर पैर रखा और बके से गर्दन काट दी। इंद्रभान के सीने और गले पर 8 वार किए। पुजारी खून से लथपथ होकर तड़प रहा। वारदात के फौरन बाद आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन लोगों ने पकड़ लिया।

महाशिवरात्रि — उज्जैन में 7 लाख भक्तों ने किए दर्शन, बागेश्वर में 305 जोड़ों ने लिए फेरे

11 फीट का सेहरा बांध दूल्हा बने बाबा महाकाल

जागरण, भोपाल। प्रदेशभर में रविवार को महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया गया। हर शहर और मंदिर में भोलेनाथ ने भक्तों को अलग-अलग रूप में दर्शन दिए। उज्जैन में 11 फीट का सेहरा बांधे महाकाल ने अलसुबह से देर रात तक भक्तों को भांग, चंदन और त्रिपुंड लगाकर राजा के स्वरूप में दर्शन दिए। देर रात तक करीब 7 लाख भक्त दर्शन कर चुके थे। वहीं भोजपुर में दिनभर भक्तों की लंबी कतार लगी रही। रतलाम के प्राचीन श्रीगढ़ कैलाश महादेव मंदिर को 11 लाख के नोटों से गर्भगृह को सुसज्जित किया गया। जगह-जगह शिव बारात निकाली गईं, तो अभिषेक का सिलसिला लगातार चलता रहा। भोपाल में सीएम डॉ. मोहन यादव प्राचीन बड़ वाले मंदिर में दर्शन कर शिवबारात में बाराती बने।

रतलाम: 11 लाख के नोटों से सजा मंदिर

प्राचीनतम श्रीगढ़ कैलाश महादेव मंदिर में इस बार भी नोटों से भगवान भोलेनाथ और पूरे मंदिर का श्रृंगार आकर्षण का केंद्र रहा। लगातार दूसरे साल यहां 11 लाख रुपए के नोटों की लड़ियों से गर्भगृह को सजाया गया है। इनमें 10 से लेकर 500 रुपए के नोट से भगवान भोलेनाथ का श्रृंगार में शामिल किए गए हैं। भगवान के दर्शन और अभिषेक करने के साथ ही रंग बिरंगे नोटों की सज्जा से बिखरी छटा देखने भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंचे।

भोजपुर पहुंचे दो लाख भक्त

भोजपुर के प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग में भी श्रद्धा और भक्ति का सैलाब उमड़ पड़ा। राजधानी भोपाल सहित देश-प्रदेश के लोग महाशिवरात्रि पर भोजपुर पहुंचे। भोजेश्वर शिव मंदिर में शाम तक करीब दो लोग श्रद्धालुओं की दर्शन किए। मंदिर से लेकर नीचे मुख्य सड़क तक भक्तों की कतार लगी रही। लोगों में महाशिवरात्रि को लेकर उत्साह इतना अधिक था कि बेतवा नदी में स्नान कर लोग सुबह 4 बजे के पहले ही कतार में लग गए।

हर जोड़े को 3 लाख का सामान

खजुराहो में महाशिवरात्रि पर प्रसिद्ध बागेश्वर धाम में तीन दिवसीय सामूहिक विवाह समारोह में 305 जोड़ों के विवाह कराए गए। इनमें नेपाल का भी एक जोड़ा शामिल है। समारोह में फेरे लेने वाले प्रत्येक जोड़े को 3 लाख रुपए के सामान के साथ कन्या के नाम 30 हजार की एफडी भी दी गई है। समारोह में शामिल हुए जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने इसे ब्राह्म विवाह बताया। साथ ही कहा कि अगली बार मैं यहां बागेश्वरधाम के प्रमुख धीरेंद्र शास्त्री के विवाह में आऊंगा। अगली बार 1001 कन्याओं के विवाह कराए जाएंगे। नौ देशों के राजदूत भी इस समारोह के साक्षी बने। संत समागम के बीच हुए इस विशाल विवाह समारोह में दूल्हा-दुल्हन को 30-30 की संख्या में मंच पर बुलाया गया। पं. धीरेंद्र शास्त्री और जगद्गुरु रामभद्राचार्य के दर्शन कर विवाह करने आए दूल्हा-दुल्हन अपने भाव नहीं रोक सके। बागेश्वर धाम प्रमुख शास्त्री भी दूल्हा-दुल्हन से मिलकर रोने लगे। इस समारोह में एक नेपाली जोड़ा भी शादी करने पहुंचा। दोनों ने भारतीय रीति-रिवाजों से शादी की।

नौ देशों के राजदूत भी बने साक्षी

बागेश्वर धाम के 7वें विवाह समारोह में 9 देशों के राजदूत शामिल हुए। इनमें उरुग्वे के अल्बर्टो एंटोनियो, अर्जेंटीना के मारियानो अगस्टिन, पैराग्वे के फ्लेमिंग राउल डुआर्टे, इक्वाडोर के फर्नांडो एक्स., चिली की वर्जीनिया पेट्रीसिया, पेरु के जेवियर मैनुअल, अल साल्वाडोर के गुइलेर्मो रुबियो फ्यूनेस, पनामा के अलोंसो कोरेया मिगुएल, सूरीनाम की सुनैना परीक्षा रागनीदेवी मोहन शामिल हैं।

कर्नाटक: केमिकल फैक्ट्री में धमाका, दो की मौत

बेंगलुरु, जेएनएन। कर्नाटक में कर्केट्टे गांव के पास एक फैक्ट्री में रासायनिक भंडारण टैंक में विस्फोट होने से दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। विस्फोट तब हुआ, जब रासायनिक फैक्ट्री को स्थानांतरित किया जा रहा था। दो श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को यहां मंड्या इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह सुविधा कुछ समय से कर्केट्टे से नए स्थान पर अपने सामग्रियों को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया में थी और यह दुर्घटना रविवार को तब हुई जब रासायनिक टैंक को साफ किया जा रहा था। पुलिस ने कहा कि जांच जारी है। स्थानीय लोगों ने फैक्ट्री की सुरक्षा रिकार्ड को लेकर चिंता जताई है, जिसमें 2022 में एक विषैला गैस रिसाव का मामला शामिल है, जिसने आसपास के क्षेत्रों में फसलों को नुकसान पहुंचाया और दो कुत्तों की भी मौत हो गई।

भोले के रंगे में रंगा भोपाल, बाराती बन झूमे शिवभक्त

मंदिरों में उमड़ी आस्था की भीड़, चांदी के नंदी पर सवार बाबा बटेश्वर बने मुख्य आकर्षण, 'श्याम ब्राज बैंड' की धुनों पर थिरके लोग

जागरण, भोपाल। डमरूओं की गूंज, केसरिया ध्वजों की लहर और 'हर-हर महादेव' के जयकारे कुछ इसी अंदाज में राजधानी बाबा भोले की भक्ति में डूबी नजर आयी। रविवार को महाशिवरात्रि का पर्व पूरे उत्साह, आस्था और भव्यता के साथ मनाया गया। तड़के सुबह पांच बजे से ही शहर के अधिकांश शिवालयों के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए थे। हाथों में जल से भरा लोटा, दूध और बेलपत्र लिए भक्त रुद्राभिषेक के लिए लंबी कतारों में खड़े दिखाई दिए। 'हर-हर महादेव' के जयकारों से पूरा शहर गुंजायमान रहा। मंदिरों को फूलों और बेलपत्रों से आकर्षक रूप से सजाया गया था। मंदिरों के बाहर पूजा सामग्री, फल और प्रसाद बेचने वालों की भी अच्छी रौनक देखने को मिली। कई स्थानों पर बर्फ से शिवलिंग बनाकर श्रद्धालुओं को खीर और भांग का प्रसाद वितरित किया गया।

पुराने शहर से निकली भव्य शिव बारात: पुराने शहर में महाशिवरात्रि के अवसर पर भव्य शिव बारात निकाली गई। आयोजन समिति के संयोजक संजय अग्रवाल के अनुसार बारात शिवालय भवन से प्रारंभ होकर सिंधी मार्केट, जनकपुरी हनुमानगंज, मंगलवारा, इतवारा, चिंतामन चौराहा, गणेश चौक और लखेरापुरा होते हुए रात करीब 10 बजे मां भवानी मंदिर पहुंची, जहां भगवान शिव-पार्वती की वरमाला की रस्म संपन्न हुई। बारात का मुख्य आकर्षण चांदी के नंदी पर सवार दूल्हा स्वरूप बाबा बटेश्वर रहे। आकर्षक रथ पर सजे उनके स्वरूप ने श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया। विभिन्न प्रांतों से आए नृत्य दलों ने पारंपरिक प्रस्तुतियां दीं। युवाओं के डमरू दल में पहली बार 50 से अधिक बालिकाओं की भागीदारी विशेष आकर्षण रही। मार्ग में सैकड़ों सामाजिक संस्थाओं और ट्रस्टों ने मंच लगाकर बारात का स्वागत किया। पूरे रास्ते को रोशनी और फूलों से सजाया गया था। आयोजन बड़वोल महादेव मंदिर सेवा समिति एवं ट्रस्ट द्वारा किया गया।

सीएम ने खींचा भगवान शिव का रथ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने महाशिवरात्रि पर्व पर भोपाल के प्राचीन बड़वाले महादेव मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। जहां उन्होंने भगवान शिव की बारात का रथ खींचा। इस मौके पर कई विशिष्टजन व जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदिर में भगवान शिव की पूजा अर्चना कर अभिषेक किया। वे महाशिवरात्रि पर्व पर शिवभक्तगणों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। पुलिस बैंड के सदस्यों सहित अनेक युवाओं ने डमरू दल के साथ पारम्परिक प्रस्तुति दी। उन्होंने बारात का रथ खींचा और बारात को रवाना भी किया। इस अवसर पर स्थानीय नागरिकगण उत्साह, उमंग से बारात में शामिल हुए। इस दौरान हर-हर महादेव और जय महाकाल के सामूहिक स्वर से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा।

मोटवानी परिवार ने कराया 16वां विशाल भंडारा

मोटवानी परिवार ने स्वर्गीय माता चंदा देवी मोटवानी की याद में विशाल भंडारे का आयोजन किया। हर साल की तरह इस बार भी श्रद्धालुओं की लंबी कतारें नजर आईं और पूरे क्षेत्र में भक्ति का माहौल बना रहा। लालवानी प्रेस रोड पर आयोजित इस भंडारे में दूर-दूर से आए लोगों ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ लिया। मोटवानी परिवार पिछले डेढ़ दशक से इस सेवा कार्य को निरंतर निभा रहा है। यह भंडारा अब अपने 16वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है।

11 नंबर से 1100 क्वार्टर तक साक्षात उतरा देवलोक

राजधानी के 11 नंबर मार्केट से शुरू हुई भव्य शिव बारात-2026 ने इस बार न केवल श्रद्धा के रिकॉर्ड तोड़े, बल्कि शौर्य का भी अहसास कराया। जब हिंदू हृदय सम्राट टाइगर राजा सिंह मंच पर आए और 'गर्व से कहो हम हिंदू हैं' का नारा लगाया, तो मानों हजारों शिवभक्तों की ऊर्जा दोगुनी हो गई। 11 नंबर से 1100 क्वार्टर तक का पूरा मार्ग ऐसा लग रहा था जैसे साक्षात कैलाश मानसरोवर भोपाल की सड़कों पर उतर आया हो। बारात का वैभव देखने लायक था। नागपुर के ढोल वादकों ने जब थाप दी, तो युवाओं के साथ-साथ बुजुर्गों के पैर भी थिरक उठे। जबलपुर के 'श्याम ब्राज बैंड' की धुनों और डीजे पाटिल-गोस्वामी की बीट्स ने ऐसा माहौल बनाया कि शाम ढलते-ढलते पूरी फिजा शिवमय हो गई। इस बार आयोजन की सबसे दिव्य कड़ी रही शिव-पार्वती का विवाह। 1100 क्वार्टर हनुमान मंदिर पर गुफा मंदिर के 21 विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच इटारसी के एक 'चैतन्य जोड़े' का विवाह कराया। वास्तविक जोड़े को शिव-शक्ति के रूप में देख भक्त भाव-विभोर हो उठे। यह केवल एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक जीवंत आध्यात्मिक अनुभव बन गया।

पशुपतिनाथ का जलाभिषेक

श्री पशुपतिनाथ नेपाली समाज ने महाशिवरात्रि पर्व पर गंगाजली कलश यात्रा द्वारा लाई गई जल से भगवान पशुपतिनाथ जी का जलाभिषेक किया गया। इस धार्मिक अनुष्ठान में केंद्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान, मंत्री कृष्णा गौर, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, रविन्द्र यति के अलावा समाज के पदाधिकारी, पूर्व पदाधिकारी, प्रबंध समिति और महिला समिति के सदस्यगण तथा संत-महात्मा विशेष रूप से उपस्थित थे। अध्यक्ष लोकमणी घिमिरे और महामंत्री सुरेश पाण्डे की अगुवाई में गंगाजली कलश यात्रा श्री राम मंदिर, बरखेड़ा से प्रारंभ होकर चिल्ड्रन पार्क, कार्मल कान्वेंट स्कूल, अन्ना नगर, चेतक ब्रिज, भारती निकेतन, पेट्रोल पंप तिराहा, गोविन्दपुरा ए-सेक्टर होते हुए पशुपतिनाथ मंदिर पहुंची। इस यात्रा में शिव बारात के साथ विशिष्टजन, साधु-संत और भक्तजनों ने भाग लिया।

संक्षिप्त खबरें

45वीं इंडिया मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नैना ने जीते 3 गोल्ड

जागरण, भोपाल। राजधानी की धाविका नैना वसानी ने 45वीं इंडिया मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक जीतकर शहर का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता 13 से 15 फरवरी तक जबलपुर में आयोजित हुई, जिसमें 28 राज्यों की टीमों ने भाग लिया। नैना ने 5 किमी, 1500 मीटर और 800 मीटर दौड़ में पहला स्थान हासिल किया। 800 और 1500 मीटर स्पर्धा में उन्होंने महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश की प्रतिभागियों को पीछे छोड़ा, जबकि 5 किमी दौड़ में गुजरात और तेलंगाना की खिलाड़ियों को मात दी। दो वर्ष पहले तक 75 किलो वजन की एक सामान्य गृहिणी रहीं नैना ने नियमित अभ्यास, योग और कड़ी मेहनत से खुद को राष्ट्रीय से अंतरराष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी बना लिया। वह अपनी सफलता को ईश्वर का आशीर्वाद मानती हैं और अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बनकर उभरी हैं।

युवती के निजी फोटो रिश्तेदार को किए वायरल, केस दर्ज

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बिलखिरिया इलाके में एक युवती के निजी पलों के फोटो आरोपी ने रिश्तेदार को भेजकर वायरल कर दिए। आरोपी शादी का दबाव बना रहा था। युवती ने मना किया तो उसने वारदात को अंजाम दिया। इससे युवती का शादी टूट गई। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 77(2), आईटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। बिलखिरिया थाना प्रभारी उमेश चौहान ने बताया कि 22 वर्षीय युवती थाना क्षेत्र में रहती है। वह प्राइवेट काम करती है। चार साल पहले उसकी आरोपी मोहित रैकवार से दोस्ती थी। दो माह पहले युवती ने दोस्ती तोड़ दी। उसके परिवार वाले उसकी शादी करना चाहते थे। लेकिन आरोपी युवती पर शादी का दवाब बना रहा था। युवती ने शादी करने से मना कर दिया। इस पर आरोपी ने युवती की बिना मर्जी से उसके निजी पलों के फोटो एक रिश्तेदार को वायरल कर दिए। इसकी जानकारी जब युवती को लगी तो उसने आरोपी से फोटो डिलीट करने को कहा। लेकिन इसके लिए राजी नहीं था। इससे युवती की शादी टूट गई। बाद में पीड़िता ने इसकी रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मोबाइल पूछा तो उसने नाले में फेंकने की बात कही। लेकिन मोबाइल नहीं मिला। इस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सबूत छिपाने की धारा भी बढ़ाकर उसे जेल भेज दिया है।

एमएलए रेस्ट हाउस और चूना भट्टी सहित कई इलाकों में आज कटौती

जागरण संवाददाता, भोपाल। गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया और चूना भट्टी सहित कई इलाकों में आज बिजली कटौती की जाएगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी से मिली जानकारी के अनुसार आज एचएल पासे इंजीनियरिंग, एसके इंडस्ट्रीस, चैंपियन इंजीनियरिंग प्लांट 2, कामिनी अग्रवाल, परफेक्टर पेपर्स, एसआरडी स्टील, ओसन मोटर्स, सीआई ऑटोमोटर्स व आसपास पोल बदलने व अन्य कार्यों के चलते सुबह 10 से शाम 5 बजे तक कटौती की जाएगी। इसी तरह अलर्ट इंजीनियरिंग, डीके इलेक्ट्रो, भोपाल इंजीनियरिंग, मनोहर फूड, शर्मा इंडस्ट्रीस, लाइफ टेक इंजीनियरिंग, स्टार डेल्टा ट्रांसफार्मर्स व आसपास सुबह 10 से शाम 5 बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी। वहीं लाइन मेंटेनेंस कार्य के चलते रिलायबल कालोनी, पीपलनेर व आसपास सुबह 10 से शाम 4 बजे तक भेल पंप, बिड़ला मंदिर, शहीद स्मारक, एमएलए रेस्ट हाउस सुबह 10.30 से शाम 5 बजे तक, रापड़िया व रुद्राक्ष वेयर हाउस सुबह 10 से शाम 5 बजे तक, चूना भट्टी स्थित जानकी रेसीडेंसी, फॉरच्यून एस्टेट, पैलेस ऑर्चेड, वेस्टर्न होटल व आसपास सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक बिजली सप्लाई बाधित रहेगी।

ईटखेड़ी थाना क्षेत्र में पति से विवाद के बाद महिला ने खाया जहर, मौत

जागरण, भोपाल। ईटखेड़ी थाना क्षेत्र में पति से विवाद के बाद महिला ने जहर खा लिया। जिसके बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार 45 गीता अहिरवार पति नारायण सिंह अरवलियां गांव में रहती थी। वह गृहणी थी। जबकि पति निजी काम करता है। वह शराब पीने का आदी था। जिसके चलते दोनों के बीच अक्सर विवाद होते रहते थे। शनिवार शाम को पति से हुए विवाद के बाद महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ता देख परिजन तुरंत उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

चलती ट्रेन से गिरकर युवक की मौत पीएम कर परिजनों को सौंप शव

जागरण, भोपाल। सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई। मृतक झारखंड से भोपाल मजदूरी करने आया था। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 30 वर्षीय बाबूलाल मरांडी झारखंड का रहने वाला था। वह भोपाल में मेट्रो में मजदूरी करता था। शुक्रवार को वह अपने 6 दोस्तों के साथ ट्रेन से भोपाल आ रहा था। जहां पेशाब जाने के दौरान वह ट्रेन से नीचे गिर गया था। उसका शव खंभा रेलवे लाइन ग्राम भदभदा के पास पुलिस को पड़ा मिला। पुलिस ने मृतक के पास पड़े मोबाइल और आधार कार्ड के जरिए उसकी शिनाख्त की। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है।

घर में घुसकर युवती से छेड़छाड़

जागरण, भोपाल। कोहेफिजा थाना क्षेत्र में घर में घुसकर युवक ने अश्लील हरकत कर छेड़छाड़ की। घटना को उसके दोस्त ने अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अंजली बनवासी बरेला गांव लालघाटी में रहती है। वह पीजीबीटी कॉलेज में बीएड की पढ़ाई कर रही है। जहां उसकी मुलाकात मेहूल मौर्य होती है। बातचीत के दौरान दोनों के बीच दोस्ती हो गई। युवती को पता चला कि वह नशा करता है। तो उसने युवक से दूरी बनते हुए बातचीत बंद कर दी। वेलेंटाइन डे पर उसने युवती से बातचीत करने की कोशिश की, इस दौरान उसने युवती के पिता को फोन पर गाली- गालौज की। रविवार सुबह सात बजे आरोपी ने युवती के घर पहुंच गया। जहां उसने कमरे में घुसकर युवती का हाथ पकड़कर अश्लील हरकते शुरू कर दी। चिल्लाने पर परिजन मौके पर पहुंचे तो वह जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया।

निवेशकों की राशि न लौटाने और पेशी पर नहीं आने पर सहारा के 12 डायरेक्टर भगोड़ा घोषित

ग्वालियर जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ने चस्पा की नामों की सूची

जागरण संवाददाता, भोपाल। ग्वालियर जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग ने निवेशकों की राशि नहीं लौटाने और आयोग के समक्ष पेश न होने पर सहारा क्रेडिट सोसायटी व स्टार मल्टीपरपज क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी के 12 डायरेक्टरों को भगोड़ा घोषित कर दिया है। आयोग ने प्रशांत वर्मा, अंजुलता रांची, अरविंद उपाध्याय, प्रलय कुमार, वीरेंद्र कुमार, सुधीर कुमार, पूजा शर्मा, संजय कुमार, डीके श्रीवास्तव, देवेंद्र कुमार, लखनऊ और रेनू सेन हैदराबाद को भगोड़ा घोषित किया है साथ ही इनके नामों की सूची भी चस्पा कर दी है। बता दें कि पुलिस ने आयोग को लिखित में बताया है कि सभी आरोपी डायरेक्टर लगातार फरार हैं। कई स्थानों पर तलाश करने पर भी इनका कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद आयोग ने इन्हें स्थाई फरार घोषित करने की कार्रवाई की। जिन डायरेक्टर को भगोड़ा घोषित किया गया है, उनमें से दो रांची, नौ लखनऊ और एक हैदराबाद का रहने वाला है। कई बार आदेश के बाद भी डायरेक्टर पेश नहीं हुए तो आयोग ने वारंट जारी किया, जिसके बाद भी इन्होंने हाजिरी नहीं दी।

धन दोगुना करने का दिया था लालच

सहारा समूह की अलग-अलग क्रेडिट सोसायटियों ने अंचल में बड़े पैमाने पर चिटफंड कारोबार किया था। इस दौरान निवेशकों को धन दोगुना करने का लालच देकर भारी निवेश कराया गया। पॉलिसी अवधि पूरी होने के बावजूद जब राशि नहीं मिली, तो निवेशकों ने आयोग की शरण ली। जिसके बाद आयोग ने 45 दिन के भीतर राशि लौटाने के आदेश दिए थे, लेकिन भुगतान नहीं हुआ। बाद में निवेशकों की ओर से अधिवक्ता सत्या शर्मा ने वसूली की कार्रवाई के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। बता दें कि सहारा समूह की चार कंपनियों ने ग्वालियर सहित अंचल में चिटफंड कारोबार के जरिए करीब 5 हजार करोड़ रुपए से अधिक का निवेश कराया है। आयोग में इससे जुड़े करीब 500 मामले लंबित हैं।

रातापानी के जंगल में स्थित कैरी के महादेव में मंदिर में उमड़ा सैलाब

बाघों की टेरिटरी में बसते हैं महादेव, निरोगी काया की मान्यता

जागरण, भोपाल। राजधानी से मात्र 24 किलोमीटर दूर रातापानी टाइगर रिजर्व की वादियों में स्थित कैरी के महादेव मंदिर में इस महाशिवरात्रि पर श्रद्धा और रोमांच का अद्भुत संगम देखने को मिला। साल में केवल दो बार खुलने वाले इस दुर्गम रास्ते पर हजारों श्रद्धालु ट्रैक्टर, कारों और मोटरसाइकिलों से महादेव के दर्शन करने पहुंचे। इस मंदिर की सबसे रोमांचक बात इसकी भौगोलिक स्थिति है। वन विभाग के अनुसार, यह मंदिर तीन बाघों के संरक्षित क्षेत्र (टेरिटरी) की सीमा पर स्थित है। स्थानीय निवासी रामू भल्लावी ने बताया कि मेले से महज एक सप्ताह पहले ही यहाँ बाघ ने एक गाय का शिकार किया था। तेंदुए, भालू और लकड़बग्घों की मौजूदगी के बावजूद, भक्तों की अटूट श्रद्धा उन्हें इस जंगली रास्ते पर खींच लाती है। महिलाओं में इस मंदिर के प्रति विशेष आस्था है। मंदिर के पास स्थित करीब 200 साल पुराने कैरी (आम) के विशाल वृक्ष की जड़ों से साल भर जलधारा बहती है, जिसे महादेव की जटाएं माना जाता है। महंत हरिगिरि महाराज के अनुसार, मान्यता है कि इस जल की बूंदें पड़ने से निसंतान महिलाओं को संतान सुख मिलता है और असाध्य रोगों से मुक्ति मिलती है। इसी विश्वास के कारण महाशिवरात्रि और भूतड़ी अमावस्या पर यहाँ भारी भीड़ जुटती है।

स्टेशन पर बढ़ी यात्रियों की भीड़ आरपीएफ ने किए सुरक्षा इंतजाम

नगर संवाददाता, भोपाल। सीहोर के कुबेरेश्वर धाम में महाशिवरात्रि के दौरान मेला आयोजित किया जाता है। इस मेले के दौरान पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा रुद्राक्ष बांटने का काम किया जाता है। इस रुद्राक्ष को प्राप्त करने के लिए देशभर से श्रद्धालु इन दिनों में सीहोर पहुंचते हैं। इनमें से अधिकांश यात्री भोपाल रेलवे स्टेशन के माध्यम से आते और जाते हैं। यही कारण है कि भोपाल रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है। बीते वर्षों में हुई अव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए इस बार रेल प्रशासन ने इंतजाम बेहतर किए हैं। भोपाल रेल सुरक्षा बल द्वारा स्टेशन पर सुरक्षा को एक सख्त किया गया है हर प्लेटफार्म पर सुरक्षाकर्मियों की संख्या बढ़ा दी गई है। डॉग स्क्वाड के साथ साथ ड्रोन से चप्पे चप्पे पर नजर रखी जा रही है। भोपाल स्टेशन के आरपीएफ थाना प्रभारी ने बताया कि जब तक मेला चलेगा स्टेशन पर सुरक्षा कड़ी रहेगी। हर यात्री के सामान की सघन जांच की जा रही है, ट्रेनों में आने वाले लगेज को भी चैक किया जा रहा है। वेटिंग एरिया या प्लेटफार्म पर रखे हुए सामान को भी परखा जा रहा है।

कुबेरेश्वर धाम के लिए पहुंच रहे कई यात्री

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई एक की मौत चार हुए घायल

जागरण, भोपाल। परवलिया थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार कार पेड़ से जा टकराई। हादसे एक युवक की मौत हो गई। जबकि चार लोग गंभीर घायल हैं। पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार 20 वर्षीय प्रीतम नायक पिता हरिनारायण रायसेन के सतकुंडा गांव का रहने वाला था। वह निजी काम करता था। 10 फरवरी को वह अपने पांच दोस्तों के साथ राजगढ़ शादी समारोह में शामिल होने आया था। वहां से वापस लौट समय उनकी तेज रफ्तार कार रात ढ़ाई बजे समृद्धी अस्पताल के पास पेड़ से जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि कार के परखच्चे उड़ गए। घटना के बाद राहगीरों ने सभी घायलों का हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान प्रीतम की मौत हो गई। जबकि अन्य घायलों का इलाज जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रकरणों को तेजी से निपटाने के लिए हुई जजों की ट्रेनिंग

जागरण संवाददाता, भोपाल। मध्यस्थता के प्रकरणों का समय पर निराकरण हो सके, जिससे पक्षकारों का समय व धन दोनों की बचत हो। इसी उद्देश्य से प्रदेश के सभी न्यायाधीशों के लिए संभागवार ऑनलाइन माध्यम से रेफरल जल ट्रेनिंग का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय के सभाकक्ष में किया जा रहा है। यह आयोजन सुप्रीम कोर्ट की मेडिएशन एवं कॉन्सिलिएशन प्रोजेक्ट कमेटी के निर्देशानुसार और मप्र राच्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के मार्गदर्शन में मेडिएशन फॉर द नेशन ड्राइव 2.0 के नाम से किया जा रहा है है। इस आयोजन के तहत 14 फरवरी से 28 फरवरी तक दो दो सत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसके तहत जजों को उपयुक्त प्रकरण की पहचान कर उसे तेजी से रेफर करने की ट्रेनिंग दी जाएगी। पहले दिन मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर की सदस्य सचिव सुमन श्रीवास्तव और विभिन्न जिलों के प्रधान जिला न्यायाधीश वर्चुअल मोड से उपस्थित हुए।

व्यवस्था

भोज विश्वविद्यालय आगामी सत्र में क्रेडिट सिस्टम में देगा प्रवेश

नौ हजार की सालाना फीस में मिलेगी एमबीए की डिग्री

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय आगामी सत्र 2026-27 में उच्च शिक्षा विभाग के अधिनियम 14 (1)और (2) को लागू करेगा। विद्यार्थियों को जुलाई सत्र में अधिनियम की क्रेडिट सिस्टम से प्रवेश मिलेगा। हालांकि भोज विवि पूर्व में एनईपी लागू कर चुका है। विभाग के संशोधित अधिनियम को लागू नहीं कर सका था, जो आगामी सत्र से लागू किया जाएगा।

यूजीसी ने 2020 में एनईपी लागू की थी, जिसे उच्च शिक्षा विभाग ने सबसे पहले लागू किया था। गत वर्ष तक प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में विभाग के अधिनियम 14 (1) (2) लागू कर दिया है। भोज विवि उक्त संशोधित अधिनियम को लागू करने में पिछड़ गया है। इसलिए भोज विवि आगामी सत्र से अधिनियम 14 (1) (2) लागू करने की तैयारी में जुट गया है। जानकारी के मुताबिक अधिनियम 14 (1) यूजी कोर्स पर लागू होता है जबकि अधिनियम 14 (2) पीजी कोर्स पर लागू होता है। अधिनियम 14 (1) (2) लागू होने से आगामी सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को यूजी और पीजी में क्रेडिट बेस डिग्री करने का मौका मिलेगा। अभी तक भोज विवि ग्रेडिंग सिस्टम से विद्यार्थियों को डिग्री दे रहा है। क्रेडिट सिस्टम लागू होने से विद्यार्थियों को मिलने वाली डिग्री का भार बढ़ जाएगा। उनकी पहचान पृथक से होने लगेगी। क्रेडिट सिस्टम के तहत विद्यार्थी राज्य के किसी भी शैक्षणिक संस्थान से क्रेडिट हासिल कर भोज विवि में जमा करेगा। वह आसानी से अपनी डिग्री पूरी कर पाएंगे।

एक साल में होगी एमबीए की डिग्री

भोज मुक्त एक साल में एमबीए के डिग्री प्रोग्राम में प्रवेश दे रहा है। ये डिग्री सभी यूजी डिग्री होल्डर के लिए नहीं है। ये डिग्री वे विद्यार्थी ले पाएंगे, जिन्होंने चार वर्षीय यूजी डिग्री को पूर्ण किया हुआ है। इसमें इंजीनियरिंग, बीटेक, बीबीए और बीएमएस की डिग्री शामिल हैं। उक्त कोर्स के विद्यार्थी एक साल में एमबीए करने के लिए पात्र होंगे। एक वर्षीय एमबीए के लिए विद्यार्थी को कोई अतिरिक्त फीस का भुगतान भी नहीं करना होगा। उन्हें सामान्य फीस नौ हजार रुपये सालाना की फीस का भुगतान करना होगा। विवि ने यह व्यवस्था नई शिक्षा नीति के तहत बनाई है। क्योंकि नई शिक्षा नीति में चार साल के यूजी डिग्री को पूर्ण कराने के बाद पीजी को एक वर्ष में पूर्ण करने की व्यवस्था की जा रही है।

आगामी सत्र में उक्त कोर्स में मिलेगा प्रवेश

भोज विवि द्वारा बीए, बीएससी, बीएससी डाटा साइंस बीएससी साइबर सिक्योरिटी, बीकॉम, बैचलर ऑफ लाइब्रेरी इनफार्मेशन साइंस, बैचलर ऑफ जर्नलिज्म, बीबीए, बीसीए आदि कोर्स ऑफर किए हैं। इसी तरह पीजी स्तर पर एमबीए (जनरल), एमबीए (एमआईएम) सहित चार विषयों से एमए, मास्टर ऑफ जर्नलिज्म, एमएससी (साइबर सिक्योरिटी) सहित अन्य प्रोग्राम में प्रवेश दिए जाएंगे।

आगामी सत्र में विद्यार्थियों को अधिनियम 14 (1) (2) के तहत प्रवेश दिए जाएंगे।

• **प्रो मिलिंद दांडेकर**
कुलपति, भोज मुक्त विवि

कपड़े बदलते समय बनाया अश्लील वीडियो, केस दर्ज

जागरण, भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र में युवती का कपड़े बदलते समय वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। घटना को उसकी सहेली ने अंजाम दिया। पुलिस ने प्राइवेसी का उल्लंघन करने का मामला दर्ज किया है। 23 वर्षीय नंदनी पवार अलीफा पार्लर आशिमा मॉल में काम करती है। वह कॉलिंग का काम करती है। जहां सहेली प्रियंका उर्फ कंचन थैरेपिस्ट है। गत 25 सितंबर 2025 को चाय पीने के दौरान नंदनी के कपड़े पर चाय गिर गई। जिसके बाद वह पार्लर के बाथरूम में कपड़े बदलने गई। इस बीच प्रियंका ने उसका वीडियो बना लिया। जिसके बाद उसने उस वीडियो को अपनी मौसी भारती को भेज दिया। हाल ही जब उसकी मौसी ने नंदनी को वीडियो बनाने की जानकारी दी तो घटना का खुलासा हुआ। पीड़िता ने थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने मोबाइल जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

नगर में आज

पावर ऑफ इनट्यूशन
- **स्थान:** खयाल कलाप्रेमियों का, विद्या नगर
- **समय:** शाम 5:00 से 7:00 बजे तक।

स्थापना दिवस समारोह
- **स्थान:** भारत भवन परिसर।
- **समय:** सुबह 11:00 बजे से।

माह का प्रादर्श
- **स्थान:** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, श्यामला हिल्स।
- **समय:** शाम 4:00 बजे।

चित्र प्रदर्शनी
- **समय:** दोपहर 12:00 बजे से
- **स्थान:** मप्र जनजातीय संग्रहालय

प्रदेश में 4 करोड़ 81 लाख पहुंच सकती है वोटरों की संख्या

एसआईआर कार्य पूर्ण: जुड़ सकते हैं नए 8 लाख से ज्यादा मतदाता

जागरण संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश के सभी जिलों में एसआईआर कार्य लगभग पूर्ण हो गया है। अब 21 फरवरी को मतदाता सूची का प्रकाशन करने की तैयारी शुरू हो गई है। जिन जिलों में फार्म-6, फार्म-7 और फार्म-8 पेंडिंग हैं। दस्तावेज देखने के बाद उन्हें स्वीकृत या अस्वीकृत करने का काम चल रहा है, जिसके बाद 17 फरवरी को ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा और चार दिन बाद अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी जाएगी। बता दें कि एसआईआर के पहले चरण के बाद प्रकाशित ड्राफ्ट मतदाता सूची में 4 करोड़ 74 लाख 97 हजार 436 मतदाता थे। इसके बाद नो मैपिंग वाले मतदाताओं की सुनवाई और नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए फार्म-6 और मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए फार्म -7 भरने का काम शुरू हुआ था। इस अवधि में नाम व पते में संशोधन के लिए फार्म-8 भी जमा किए गए थे। इस दौरान नो मैपिंग वाले मतदाताओं की सुनवाई करने के साथ नए मतदाताओं को भी जोड़ा गया है। प्रदेश में फार्म 6 जमा करने वाले लगभग 8 लाख नए मतदाताओं को वोटर लिस्ट में जोड़ा गया है। फार्म 7 जमा करवाने वाले करीब 1 लाख से ज्यादा मतदाताओं के नाम काटने की भी तैयारी है। इस तरह से प्रदेश की नई मतदाता सूची में 4 करोड़ 81 लाख से ज्यादा वोटर्स हो सकते हैं। एसआईआर कार्य के दौरान दूसरे चरण में लगभग नो मैपिंग सहित अन्य दावे आपत्तियों के 95 फीसदी प्रकरणों का निराकरण भी हो गया है। एसआईआर कार्य के प्रथम चरण के दौरान जिन मतदाताओं ने अपने गणना पत्रक अधूरे भरे थे।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों ने की सुनवाई

नो मैपिंग वाले सभी मतदाताओं सहित अन्य दावे आपत्तियों के जो भी आवेदन प्राप्त हुए उनका परीक्षण निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों से कराया गया। दावे आपत्तियों की सुनवाई के लिए सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की नियुक्ति की गई थी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार प्रारूप मतदाता सूची के आधार जो भी दावे-आपत्ति मिले थे। उनका निराकरण करा लिया गया है। नो मैपिंग वाले मतदाताओं को नोटिस देकर बुलाया गया था और दस्तावेजों की जांच के बाद उन्हें मतदाता सूची में जोड़ गया है। प्रयास किया गया है कि सभी मतदाताओं को वोटर लिस्ट में जोड़ा जाए। यदि मतदाताओं के दस्तावेज पूरे थे, तो उनके पक्ष में आदेश पारित किए गए। इसी तरह साफ्टवेयर ने जिन त्रुटियों को पकड़ा था, उन्हें भी दूर कराया गया है। इस दौरान जिन मतदाताओं के नाम में स्पेलिंग या आयु संबंधी गणना की त्रुटि के कारण नोटिस जारी हुए थे। उन्हें मतदाता सूची ने नहीं हटाने के लिए कहा गया था।

नाम नहीं जुड़ा तो न हों निराश, अगली बार जुड़वा सकेंगे : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय के अनुसार यदि किसी भी पात्र मतदाता का नाम किसी कारणवश वर्तमान वोटर लिस्ट में शामिल नहीं हो सका है, तो उन्हें निराश होने की आवश्यकता नहीं है। पुनरीक्षण कार्य एक सतत चलने वाली प्रक्रिया है। उनका नाम आगे जोड़ लिया जाएगा।

जिले में साढ़े तीन माह में कट गए 3 लाख 80 हजार 356 मतदाताओं के नाम, 6 दिन बाद जारी होगी नई मतदाता सूची

भोपाल। जिले में मतदाता सूची की स्थिति अब स्पष्ट होती नजर आ रही है। जिला प्रशासन ने सभी पेंडेंसी को खत्म कर ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन की तैयारी शुरू कर दी है। भोपाल में 27 अक्टूबर को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य की शुरुआत हुई थी। जिले में मतदाताओं की संख्या 21 लाख 25 हजार 908 थी। जिसमें 10 लाख 89 हजार 403 पुरुष मतदाता थे, जबकि 10 लाख 36 हजार 339 महिला मतदाता थी। साथ ही 166 थर्ड जेंडर के नाम भी मतदाता सूची में शामिल थे। एसआईआर के प्रथम चरण के बाद मतदाताओं की संख्या कम होकर 16 लाख 85 हजार 33 रह गई थी। इस दौरान लगभग 4 लाख 38 हजार 875 मतदाताओं क्केनाम काटे गए थे। जबकि 24 दिसंबर से नो मैपिंग वाले मतदाताओं की सुनवाई और फार्म 6 व फार्म 7 भरवाने का काम भी शुरू हुआ था।

एसआईआर के बाद 14 फरवरी 2026 को मतदाता सूची

विधानसभा	पुरुष	महिला	अन्य	कुल मतदाता
बैरसिया	127820	117206	04	245030
उत्तर	103446	102162	06	205614
नरेला	144832	139097	08	283937
द पश्चिम	87057	85562	05	172624
मध्य	91201	90049	35	181285
गोविंदपुरा	162705	158054	07	320766
हुजूर	171522	164767	07	336296
कुल	888583	856897	72	1745552

यह है मतदाता सूची की वर्तमान स्थिति

जिला निर्वाचन कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार 14 फरवरी की स्थिति में जिले में मतदाताओं की संख्या बढ़कर 17 लाख 45 हजार 552 हो गई है। यानि मतदाता सूची से एसआईआर कार्य के दौरान 3 लाख 80 हजार 356 मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। नई मतदाता सूची में पुरुषों की संख्या 8 लाख 88 हजार 583 होगी। यानि एसआईआर कार्य के दौरान 2 लाख 820 मतदाताओं के नाम काटे गए हैं। वहीं महिलाओं की संख्या 8 लाख 56 हजार 897 होगी यानि 1 लाख 79 हजार 442 महिलाओं के नाम भी एसआईआर कार्य के दौरान काटे गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। गांधीनगर इलाके में बाइक सवार युवक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई। घटना के वक्त वह शादी समारोह से लौट रहा था। फिलहाल टक्कर मारने वाले की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के मुताबिक 32 वर्षीय मोहित सौदे पिता रवि सौदे अर्जुन वार्ड गांधीनगर में रहता था। वह प्राइवेट स्कूल की बस चलाता था। मोहित ने दस साल पहले लव मैरिज की थी। उसके दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात करीब डेढ़ बेज वह शादी समारोह से बाइक से घर लौट रहा था। वह अभी अब्बास नगर में ईस्टर्न पब्लिक स्कूल के पास था। तभी उसे अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने घटनास्थल के पास पड़े मोबाइल से नंबर निकालकर उसके दोस्तों को कॉल कर हादसे की सूचना दी। सूचना मिलते ही दोस्त मौके पर पहुंचा। उसने घायल को भैंसाखेड़ी स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

हीटर से करंट लगने से छात्र की हुई मौत

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पिपलानी इलाके में हीटर रॉड लगी बाल्टी का पानी छूने पर छात्र की करंट लगने से मौत हो गई। तापमान जांचने के लिए उसे पानी में हाथ डाला था। हाथ डालते ही उसे झटका लगा। पुलिस के मुताबिक 13 वर्षीय केशव चौकसे पिता राजकुमार चौकसे आनंद नगर में रहता था। वह कक्षा सातवीं में पढ़ता था। रविवार को वह नहाने की तैयारी कर रहा था। नहाने के लिए पानी गर्म कर रहा था। बाल्टी में इलेक्ट्रिक हीटर रॉड लगाकर पानी गर्म कर रहा था। कुछ देर बाद उसने पानी का तापमान जांचने के लिए उसमें हाथ डाला। हाथ डालते ही उसे करंट का झटका लगा। उससे वह बुरी तरह झुलस गया।

वार्ड कार्यालय और मंदिरों की नहीं हो सकी शिफ्टिंग

जागरण संवाददाता, भोपाल। भोपाल के आनंद नगर इलाके में बन रहे फ्लाईओवर निर्माण में बाधा बन रहे आनंद नगर वार्ड कार्यालय, पुलिस चौकी और एक मंदिर की शिफ्टिंग का कार्य पूरा नहीं हो सका है। जबकि प्रशासन ने यहां बनी 160 से ज्यादा दुकानों को एक सप्ताह पहले जमींदोज कर दिया था। जबकि मंदिर से भगवान की मूर्तियों को दूसरे मंदिर में विराजित करने का काम अब तक नहीं हो सका है। वार्ड कार्यालय व पुलिस चौकी का भी सामान दूसरी जगह शिफ्ट नहीं हो सका है।

फैब्रिकेशन फैक्ट्री के गोदाम में भीषण आग, करीब आठ करोड़ का नुकसान

टीन की चादर खींच मारी पानी की बौछारें, दर्जनभर दमकलों की मदद से ढाई घंटे में पाया काबू

दो किमी दूर से दिखाई दे रहा था धुआं, प्लाईवुड के सामान से भड़की लपटें

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। इंटर स्टेट बस टर्मिनल (आईएसबीटी) के सामने फैब्रिकेशन फैक्ट्री के गोदाम में रविवार दोपहर पौने चार बजे अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। प्लाईवुड, कपड़ा के सामान से आग भड़क उठी। दो किमी दूर से धुएं के गुबार दिखाई दे रहे थे। पास ही झुग्गी बस्ती थी। ऐहतियात के तौर पर लोगों ने अपने घरों से जरूरी सामान निकाल लिया। गोदाम के पीछे बनी टीन की चादर को दमकल से खींचकर पानी की बौछारें मारी गईं। दर्जनभर दमकलों की मदद से ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फिलहाल आग लगने के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। गोविंदपुरा थाना प्रभारी अवधेश सिंह तोमर ने बताया कि आग की वजह से करीब 7-8 करोड़ का नुकसान हुआ है। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। पुलिस ने आगजनी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

लोगों ने बाहर निकाला सामान

आग लगने की वजह से आसपास दहशत का माहौल रहा। झुग्गी बस्ती के लोग अपना कीमती सामान लेकर बाहर आ गए। लेकिन आग उनके घर तक नहीं पहुंच पाई। दमकल कर्मियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए दूसरी ओर से पानी मारा, ताकि आग की लपटें और आग बस्ती की ओर न जा पाए। इस बीच अफरा-तफरी का माहौल रहा। आग बुझने पर लोगों ने राहत की सांस ली। पुलिस आग लगने की वजह खोज रही है।

पिकअप का शीशा तोड़कर आगे बढ़ाया

गोविंदपुरा पुलिस के मुताबिक यह गोदाम व फैक्ट्री अरुण जैन व जय जिनाली की है। आग बढ़ती जा रही थी। फैक्ट्री के पीछे टीन की दीवार को रस्सी बांधकर दमकल से खींचा। इसके बाद पानी की बौछारें मारी गईं। आग की सूचना लगते ही एक-एक करके फायर बिग्रेड से वाटर टैंक आना शुरू हो गए थे। गोदाम के आगे और पीछे से पानी मारना शुरू हुआ। एक पिकअप वाहन गोदाम के गेट पर थी। आग की वजह से उसकी चाबी भी जलकर खाक हो गई थी। पिकअप की वजह से फायर बिग्रेड अंदर नहीं जा पा रही थी। तब इसका आगे का शीशा तोड़कर उसे आगे बढ़ाया गया। इसके बाद फायर बिग्रेड अंदर दाखिल हुई और आग बुझाई।

टीबी केंद्र से सिर्फ दो घंटे होता है दवा वितरण, रोगी लगाते हैं चक्कर

सेंट्रल लायब्रेरी के पास बने सेंटर की हालत दयनीय

नगर संवाददाता, भोपाल। केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2030 तक टीबी मुक्त भारत का अभियान शुरू किया है। इस अभियान को सफल बनाने के लिए गांव-गांव तक टीबी मरीज ढूंढे जा रहे हैं और उनको पूरा इलाज मुहैया कराने के लिए प्रयास किया जा रहा है। लेकिन इस अभियान को पलीता लगा रहा है भोपाल का जिला टीबी केंद्र। इस केंद्र पर न तो समय पर दवा मिल रही है और न जांच आसानी से हो पा रही है। पुराना भोपाल सेंट्रल लायब्रेरी के पास जिला क्षय केंद्र संचालित है। यहां टीबी की जांच, एक्सरे और दवा वितरण की सुविधा सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई है, लेकिन सेंटर पर मौजूद स्टाफ द्वारा लापरवाही बरतने के कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

दोपहर 2:30 बजे नहीं मिली दवा: टीबी मरीज के पुत्र अरशद ने बताया कि वह भोपाल टॉकीज के पास रहते हैं। उनकी मां की उम्र 50 वर्ष के आस पास है। दो महीने पहले उन्हें टीबी की बीमारी डायग्नोस हुई है। वह जिला टीबी केंद्र सेंट्रल लायब्रेरी से निरंतर दवा ले रही हैं। चार दिन पहले अरशद जब दवा लेने के लिए केंद्र पर पहुंचे तो उस समय 11 बजे थे, उन्हें गार्ड ने बताया कि दवा बांटने वाला कर्मचारी 1 बजे तक आता है। अरशद वहां से लौट आए और दोबारा 2:30 बजे केंद्र पर पहुंचे तो पता चला कि कर्मचारी आया था और दवा बांटकर चला गया। अरशद को बताया कि दवा बांटने का काम सिर्फ दो घंटे चलता है। 12 से 2 बजे तक, इसके बाद कर्मचारी निकल जाते हैं।

घर-घर जाने का बहाना: टीबी सेंटर पर सिर्फ 2 घंटे दवा वितरण होने के बारे में जब हमने केंद्र से स्टाफ से बातचीत की तो उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। फिर एक कर्मचारी ने बताया कि 2 बजे के बाद स्टाफ टीबी मरीजों के घर घर जाकर उनके स्वास्थ्य की जानकारी जुटाता है। अरशद सहित कई दूसरे मरीजों ने बताया कि उनके घर अभी तक कोई टीबी कार्यकर्ता नहीं पहुंचा है।

> आपने मुझे बताया है तो मैं इस केंद्र पर निरीक्षण दल भेजकर जांच करा लूंगा। यदि कहीं कोई लापरवाही कर रहा है तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।
>
> **डॉ. मनीष शर्मा,** सीएमएचओ भोपाल

संत हिरदाराम नगर से चलेंगी उज्जैन के लिए मेला स्पेशल ट्रेनें

नगर संवाददाता, भोपाल। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उज्जैन मेला के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से संत हिरदाराम नगर से 2 जोड़ी एवं भोपाल से 1 जोड़ी अनारक्षित मेला स्पेशल ट्रेनों को चलाने का निर्णय लिया गया है।

यह ट्रेन चलेंगी: **1.** गाड़ी संख्या 09305 उज्जैन-संत हिरदाराम नगर स्पेशल 13 से 22 फरवरी तक प्रतिदिन 9 बजे उज्जैन से प्रस्थान करेगी और दोपहर 1.30 बजे संत हिरदाराम नगर पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09306 संत हिरदाराम नगर-उज्जैन स्पेशल 13 से 22 फरवरी तक प्रतिदिन दोपहर 2.30 बजे संत हिरदाराम नगर से प्रस्थान करेगी और शाम 7.30 बजे उज्जैन पहुंचेगी। रास्ते में यह गाड़ी तराना रोड, मक्सी, बेरछा, काली सिंध, अकोदिया, शुजालपुर, कालापीपल एवं सीहोर स्टेशन पर रुकेगी।

2. गाड़ी संख्या 09313 उज्जैन-संत हिरदाराम नगर स्पेशल 13 से 22 फरवरी तक प्रतिदिन शाम 4 बजे उज्जैन से प्रस्थान करेगी और रात 9.40 बजे संत हिरदाराम नगर पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09314 संत हिरदाराम नगर-उज्जैन स्पेशल 13 से 22 फरवरी तक प्रतिदिन रात 10.30 बजे संत हिरदाराम नगर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन रात 2 बजे उज्जैन पहुंचेगी।

3. गाड़ी संख्या 09307 उज्जैन-भोपाल स्पेशल 13 से 22 फरवरी तक प्रतिदिन रात 9 बजे उज्जैन से प्रस्थान करेगी और अगले दिन देर रात 1.48 बजे संत हिरदाराम नगर आगमन कर 02.10 बजे भोपाल पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09308 भोपाल-उज्जैन स्पेशल 14 से 23 फरवरी तक प्रतिदिन 3.10 बजे भोपाल से प्रस्थान करेगी और 3.35 बजे संत हिरदाराम नगर आगमन कर 8 बजे उज्जैन पहुंचेगी।

मिसरोद में चाकू घोंपकर की गई युवक की हत्या

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। मिसरोद इलाके में एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए मुर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 25 वर्षीय पवन गवई मूलतः बोलढ़ाना महाराष्ट्र का रहने वाला था। वह निजी काम करता था। उसकी बहन मिसरोद इलाके के जाटखेड़ी में रहती है। पवन बहन के यहां गत दिनों आया था। बहन संजय नगर जाटखेड़ी में रहती है। रविवार रात करीब 8 बजे पवन अपने भांजे के साथ एक किराना दुकान पर जा रहा था। तभी किसी ने उसकी चाकू मारकर हत्या कर दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवा दिया है। पुलिस ने संदेही को हिरासत में ले लिया है। देर रात पुलिस उससे पूछताछ करती रही। सोमवार को शव का पीएम होगा। इधर, पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

180 किमी की 52 सड़कें होंगी वाटरप्रूफ

बरसात में होने वाली समस्या से मिलेगी निजात, 22 सड़कों का चल रहा निर्माण

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरसात में भोपाल शहर की सड़कें उखड़ जाती हैं। जलभराव की स्थिति होने पर आमजन को काफी परेशानी होती है। इसलिए लोक निर्माण विभाग ने वाटरप्रूफ सड़कें तैयार करने का निर्णय लिया है। इसलिए आठ सड़कों को व्हाइट टॉपिंग से तैयार किया गया है। 22 सड़कों पर निर्माण कार्य चरम पर चल रहा है। विरोध होने पर चार सड़कों का निर्माण कार्य रद्द कर दिया गया है। उनके कार्य में बढ़ोतरी जरूर की गई है। व्हाइट टॉपिंग से वाटरप्रूफ करने के लिए 52 नयी सड़कों के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। शहर में 180 किमी की सड़कों को व्हाइट टॉपिंग के लिए तय किया है। बजट मिलने से उक्त सड़कों का निर्माण कार्य भी जल्द शुरु कर दिया जाएगा।

25 साल तक सड़क देगी सर्विस

राजधानी भोपाल में बरसात में सड़कें अपनी दुर्दशा स्वयं ही बयां करती है। बरसात होने पर सड़क टूट जाती हैं। इसलिए पीडब्ल्यूडी ने उन्हें व्हाइट टॉपिंग करने के लिए चिंहित कर लिया है। डामरीकरण की सड़कें ज्यादा समय तक सर्वित नहीं देती हैं। इसलिए उक्त सड़कों पर करीब आठ इंच की सीमेंट कंक्रीट की परत चढ़ाई जाएगी। इसमें विशेष सीमेंट का उपयोग किया जात है। पीडब्ल्यूडी का कहना है कि व्हाइट टापिंग से बारिश का पानी सड़क में नहीं उतरता और अगले 25 साल तक सड़क बेहतर बनी रहेंगी।

यहां बनेंगी वाटरप्रूफ सड़कें

● गुलमोहर में दो सड़कें ● शाहपुरा में दो सड़कें ● सलैया में दो सड़कें ● कोलार क्षेत्र में दो सड़कें

यहां भी तैयार होंगी सड़कें

- अरेरा कॉलोनी ई5 की अंदरूनी सड़कें
- अयोध्या बायपास से कनेक्टिंग सात सड़कें
- बैरागढ़ में 11 सड़कें
- नेहरू नगर में सात सड़कें
- रायसेन रोड किनारे 09 सड़कें
- अशोका गार्डन क्षेत्र में सात सड़कें
- लिंक रोड रोड एक-दो व तीन

> भोपाल में व्हाइट टॉपिंग सड़क का कार्य तेजी से चल रहा है। जहां कार्य हुआ है, वहां बारिश के दौरान लोगों को गड्ढों की समस्या नहीं आएगी।
>
> **संजय मस्के मुख्य अभियंता,** पीडब्ल्यूडी

खुलासा — 52 सीसीटीवी कैमरों से रूटमैप तैयार कर घर तक पहुंची पुलिस, आरोपियों में एक नाबालिग शामिल

जल्दी पैसा कमाने की चाह में भाइयों ने लूटा था कार चालक को

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। जल्दी पैसा कमाने की चाह में चचेरे भाइयों ने रेपिडो कार चालक के मोबाइल लूट लिए थे। वह टफरी काटने के लिए स्कॉर्पियो कार से निकले थे। आरोपियों में एक नाबालिग शामिल है। पुलिस ने दोनों भाइयों की निशानदेही पर स्कॉर्पियो की डिग्गी से मोबाइल बरामद किए हैं। इसमें एक आईफोन था। लूटे गए मोबाइल की कीमत डेढ़ लाख रुपए थी। पुलिस ने दोनों मोबाइल और स्कॉर्पियो जब्त की है।

डिपर लाइट मारने पर हुई थी बहस

हबीबगंज थाना प्रभारी संजीव चौकसे ने बताया कि 23 वर्षीय पीयूष मालवीय पिता महेंद्र मालवीय शिव नगर फेस-2 नीलबड़ में रहता है। वह रेपिडो कार चालक है। बीती 6 फरवरी की रात पीयूष रात साढ़े 11 बजे रानी कमलापति से सवारी लेकर दानापानी रोड ईश्वर नगर छोड़कर वापस आ रहा था। तभी दानापानी रोड पर शालीमार के पास स्कार्पियो सवार दो लड़कों से उसकी बहस हो गई। पीयूष ने उन्हें डिपर लाइट मारी थी। इस पर दोनों लड़के भड़क उठे थे। पीयूष ने बताया कि उसे सामने से कुछ दिखाई नहीं दिया इसलिए डिपर लाइट मारी। इस बीच झूमाझटकी कर दोनों ने पीयूष के हाथ से दोनों मोबाइल छीन लिए थे। अंधेरा होने के कारण पीयूष उनकी स्कॉर्पियो का नंबर देख नहीं पाया था। अगले दिन उसने हबीबगंज थाने पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ झपटमारी की रिपोर्ट दर्ज करवाई।

जोमैटो कंपनी में काम करता है आरोपी

पुलिस ने घटनास्थल से चारों ओर कैमरे खंगालना शुरू किया। करीब 52 सीसीटीवी कैमरे खंगालने के बाद पुलिस आरोपियों के घर शाहपुरा तक पहुंच गई। पुलिस ने शनिवार रात दोनों लड़कों को दबोच लिया। इसमें एक नाबालिग निकला। आरोपी की पहचान अर्जुन शर्मा (25) के रूप में हुई। अर्जुन दिल्ली में जोमैटो कंपनी में नौकरी करता है। वह अपने चाचा के घर आया था। घटना के रोज दोनों भाई टफरी पर निकले थे। पुलिस पूछताछ में उन्होंने अपना जुर्म कबूल किया। पुलिस ने स्कॉर्पियो की डिग्गी से लूटे गए दोनों मोबाइल बरामद किए। दोनों का कोई पूर्व आपराधिक रिकार्ड नहीं है।

सृष्टि अस्पताल के संचालक पर डाली 10 लाख की अड़ी, तीन पर एफआईआर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। सृष्टि अस्पताल के संचालक पर तीन युवकों ने 10 लाख रुपए की अड़ी डाल दी। आरोपी काफी दिनों ने पीड़ित को ब्लैकमेल कर रहे थे। वह 10 लाख रुपए मांगते-मांगते 6 लाख पर आ गए थे। पैसे नहीं देने अस्पताल और उनकी छवि धूमिल करने की धमकी दे रहे थे। यू-ट्यूबर की धौंस दिखाकर अस्पताल की बदनामी करवाने की धमकी दे रहे थे। पुलिस ने तीन के खिलाफ ब्लैकमेलिंग, जातिसूचक शब्दों का उपयोग करने समेत समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है। राजकुमार सूर्यवंशी करोंद इलाके में अस्पताल का संचालन करते हैं। अक्टूबर 2025 से उनको नीरज यादव नाम का युवक ब्लैकमेल कर रहा था। उसका कहना था कि उसने आरटीआई के माध्यम से अस्पताल के दस्तावेज निकलवाए हैं। इनमें काफी गड़बड़ी है। यदि यह दस्तावेज वायरल हो गए तो उससे आपकी और आपके अस्पताल की छवि धूमिल होगी। यदि ऐसा नहीं चाहते तो 10 लाख रुपए देना होंगे। एक बार आरोपी नीरज और उसके साथी राजकुमार के चैंबर में मिले थे। इसके बाद कई बार धमकी दी। दस लाख से वह 6 लाख पर आ गए। वह 6 लाख रुपए की मांग कर रहे थे। इस बीच एक होटल पर आरोपियों ने संचालक को बुलाया और पैसे नहीं मिलने पर जातिसूचक शब्दों का उपयोग किया। आरोपियों की हरकतों से तंग आकर पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ सबूत जुटाए। पुलिस से शिकायत कर सबूत पेश किए। पुलिस ने जांच के बाद आरोपी नीरज यादव, अक्षय शर्मा और धनराज राजपूत के खिलाफ केस दर्ज किया।

किसानों को दी उन्नत खेती की जानकारी

विसं, भोपाल । राज्य शासन द्वारा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष घोषित किया गया है जिसके अंतर्गत किसानों और खेती को बढ़ावा देने विभिन्न जिलों में कृषक ग्राम सभाएं आयोजित की गईं। कृषक कल्याण से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारियों और वैज्ञानिकों द्वारा गाँव-गाँव पहुंचकर किसानों को खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए उन्नत खेती की जानकारी दी जा रही है। जानकारी के अनुसार शिवपुरी जिले के पिपरसमां, ठेह, टोंगरा, सोहारा, महेदावली एवं कुशियारा में कृषक सभाओं का आयोजन किया गया।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

सहायक की भर्ती - 2025

भारतीय रिज़र्व बैंक अपने विभिन्न कार्यालयों में सहायक के 650 पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करता है। इस पद के लिए चयन दो चरणों में आयोजित होने वाली देशव्यापी केंद्र-वार ऑनलाइन प्रतियोगी परीक्षा और भाषा दक्षता परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। सम्पूर्ण विज्ञापन बैंक की वेबसाइट www.rbi.org.in पर फ़रवरी 2026 के तीसरे सप्ताह में उपलब्ध होगा और इसे एम्प्लॉयमेंट न्यूज़ / रोज़गार समाचार में भी प्रकाशित किया जा रहा है। आवेदन पत्र बैंक की वेबसाइट के माध्यम से केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे।

महत्वपूर्ण तारीखें:

ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने और परीक्षा शुल्क भुगतान करने की अवधि	16 फरवरी 2026 – 08 मार्च 2026
ऑनलाइन प्रारंभिक परीक्षा की तारीख (अनंतिम)	11 अप्रैल 2026
ऑनलाइन मुख्य परीक्षा की तारीख (अनंतिम)	07 जून 2026

"पैसे का वादा करने वाले ई-मेल / एसएमएस / टेलीफोन द्वारा धोखा न खाएं"

दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com

जागरण विचार

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

राफेल सौदे से मजबूत होंगे दोनों देशों के रिश्ते

भारत को बड़ी संख्या में लड़ाकू विमानों की जरूरत है और राफेल विमान खरीदने की तैयारी स्वागतयोग्य है। भारत की रक्षा अधिग्रहण परिषद ने फ्रांस की कंपनी डसॉल्ट एविएशन से 3.25 ट्रिलियन रुपये (280.4 अरब डॉलर) में 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने के प्रारंभिक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वैसे तो इस सौदे को अंतिम रूप मिलने में कुछ समय और लगेगा, पर इस सौदे का होना अब तय है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता वाली इस परिषद में पारित प्रस्ताव के अनुसार, भारत फ्रांसीसी निर्माता कंपनी से 18 राफेल विमान सीधे खरीदेगा और बाकी 96 लड़ाकू विमान भारत में निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ साझेदारी में बनाए जाएंगे। भारत की इस जरूरी खरीद को रक्षा खरीद बोर्ड की मंजूरी पहले ही मिल गई है। अब फ्रांस के नेताओं के साथ आमने-सामने की वार्ता होगी। वहां सहमति के बाद केंद्रीय मंत्रिमंडल अंतिम तौर पर मुहर लगाएगा। गौर करने की बात है, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 15 से 17 फरवरी तक नई दिल्ली में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आ रहे हैं। जाहिर है, इस सौदे से दोनों देशों के बीच रिश्तों को और मजबूती मिलेगी।

यह चर्चा इन दिनों बहुत तेज है कि भारतीय वायु सेना के तैनात लड़ाकू विमानों की संख्या महज 29 तक सिमट गई है। वैसे अभी 36 राफेल विमान भारतीय सेना के पास हैं, पर सबकी तैनाती मोर्चे पर नहीं की जा सकती। यहां यह जानना जरूरी है कि भारत को आज के समय में न्यूनतम 42 लड़ाकू विमान मोर्चे पर चाहिए। उम्मीद करनी चाहिए कि फ्रांस से हमें जल्द से जल्द 18 विमान मिल जाएं, ताकि मोर्चे पर हमारे लड़ाकू विमानों की संख्या जरूरत के मुताबिक हो जाए। इतना ही नहीं, भारत के पास प्रशिक्षण विमानों की भी कमी होने लगी है। इस सौदे में ऐसे राफेल विमानों की संख्या ज्यादा होगी, जो दो सीट वाले हैं और जिनका इस्तेमाल प्रशिक्षण में किया जाना है। लंबे समय तक वायु सेना की ताकत मिग विमान रहे हैं, लेकिन गौरतलब है कि मिग विमानों सहित, एंग्लो-फ्रेंच जगुआर और फ्रेंच मिराज 2000 भी आने वाले वर्षों में सेवामुक्त होने वाले हैं। हमें हर हाल में अच्छे किस्म के राफेल विमान चाहिए। भारत की रक्षा चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं और वायु सेना को पर्याप्त संसाधनों व विमानों से लैस रखना होगा। फाइटर जेट की कमी को पूरा करने के लिए भारत एक तरफ घरेलू स्तर पर प्रोडक्शन को गति देने में जुटा है तो दूसरी तरफ फौरी तौर पर मल्टीरोल फाइटर जेट खरीद प्रक्रिया को भी आगे बढ़ा रहा है।

यह सौदा जितना जरूरी है, उससे ज्यादा जरूरी है कि फ्रांस हमें नए विमान जल्द से जल्द हस्तांतरित करे। फ्रांसीसी नेता जब भारत आएंगे, तब उनसे यह बात अवश्य होनी चाहिए। अक्सर देखा गया है कि सौदे तो हो जाते हैं, पर आपूर्ति में बहुत वक्त लगता है। वास्तव में, तेजस विमानों के साथ भी यही हो रहा है। भारत में विकसित हो रहे तेजस विमानों में खास तरह के इंजन की जरूरत है, जो विदेश से आने हैं, पर आपूर्ति में देरी हो रही है। आपूर्ति में यह देरी भी हमें विवश कर रही है कि हम राफेल प्राप्त करने में जल्दबाजी दिखाएं।

यह याद रखना चाहिए कि भारतीय वायु सेना के लिए 1980 के दशक में ही स्वदेशी विमानों के निर्माण का काम शुरू किया गया था। यह अपने आप में समीक्षा का विषय है कि कहां कमियां रही हैं और कमियों को जल्द से जल्द कैसे दूर किया जा सकता है। हिन्दुस्तान एयरोनॉटक्सि ने घरेलू बाजार में उन्नत एमके-1ए वेरिएंट के लगभग 180 विमानों का ऑर्डर दे रखा है, पर आपूर्ति में माकूल इंजन की कमी ही आड़े आ रही है। बेशक, हम राफेल खरीदें, पर ज्यादा जरूरी है कि विमानन क्षेत्र में शोध-अनुसंधान व्यय को सुनियोजित ढंग से बढ़ाया जाए।

अंतरराष्ट्रीय संबंध

बीएनपी सरकार के दौरान दोनों देशों के संबंधों में आई है गहरी कड़वाहट

संतुलित कूटनीति के रास्ते पर चलना चाहता है भारत

विनोद पाठक

भारत और बीएनपी के रिश्तों का इतिहास सहज नहीं रहा है। वर्ष 2001-06 के बीच खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बीएनपी सरकार के दौरान दोनों देशों के संबंधों में गहरी कड़वाहट देखी गई थी। बीएनपी लंबे समय से 'बांग्लादेश फर्स्ट' की राजनीति करती रही है। इस नारे को अक्सर भारत-विरोधी रुख के रूप में देखा गया। जब यह स्पष्ट हो गया कि बांग्लादेश में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेतृत्व में नई सरकार बनने जा रही है तो क्षेत्रीय कूटनीति की दिशा तुरंत चर्चा का विषय बन गई। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर बीएनपी अध्यक्ष तारिक रहमान को टैग करते हुए उन्हें संसदीय चुनावों में निर्णायक जीत की बधाई दी और यह स्पष्ट किया कि भारत लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के साथ अपने बहुआयामी संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री के इस संदेश का राजनीतिक महत्व जितना है, उससे कहीं अधिक उसका कूटनीतिक संकेत है। अगस्त 2024 के बाद दोनों देशों के संबंध जिस निचले स्तर तक पहुंच गए थे, उसे देखते हुए यह बधाई संदेश दरअसल संवाद के द्वार फिर से खोलने का एक परिपक्व संकेत माना जा रहा है। यह साफ दिखाता है कि भारत टकराव के बजाय व्यवहारिक और संतुलित कूटनीति के रास्ते पर चलना चाहता है। हालांकि, भारत और बीएनपी के रिश्तों का इतिहास सहज नहीं रहा है। वर्ष 2001-06 के बीच खालिदा जिया के नेतृत्व वाली बीएनपी सरकार के दौरान दोनों देशों के संबंधों में गहरी कड़वाहट देखी गई थी। उस समय भारत ने बार-बार यह आरोप लगाया था कि बांग्लादेश की धरती का इस्तेमाल पूर्वोत्तर भारत के उग्रवादी संगठनों, विशेषकर उल्फा, द्वारा किया जा रहा है। बीएनपी का जमात-ए-इस्लामी जैसे कट्टरपंथी दलों के साथ गठबंधन भारत की चिंता का बड़ा कारण रहा है। इससे सीमावर्ती क्षेत्रों में कट्टरता, अस्थिरता और सुरक्षा जोखिम बढ़ने की आशंका बनी रहती थी।

'बांग्लादेश फर्स्ट' की राजनीति

बीएनपी लंबे समय से 'बांग्लादेश फर्स्ट' की राजनीति करती रही है। इस नारे को अक्सर भारत-विरोधी रुख के रूप में देखा गया। सीमा विवाद, नदी जल बंटवारा और व्यापार घाटे जैसे मुद्दों पर खालिदा जिया के कार्यकाल में भारत के प्रति कठोर रवैया अपनाया गया था। इसलिए भारत के नीति-निर्माताओं के लिए यह सत्ता परिवर्तन सतर्कता का कारण भी है। वर्ष 2024 के राजनीतिक संकट और उसके बाद के घटनाक्रमों

ने बांग्लादेश की राजनीति को बदल दिया है। अब बीएनपी नेतृत्व को यह अहसास हुआ है कि भारत जैसे बड़े पड़ोसी के साथ स्थायी टकराव आर्थिक स्थिरता के लिए नुकसानदेह हो सकता है। यही कारण है कि इस बार के चुनाव में तारिक रहमान के नेतृत्व में पार्टी ने अपेक्षाकृत संतुलित और व्यावहारिक रुख अपनाने की कोशिश की है। नए चुनावी घोषणा-पत्र में भारत के साथ संबंधों को समानता, आपसी सम्मान और गैर-हस्तक्षेप के आधार पर आगे बढ़ाने की बात कही गई है। पार्टी ने यह भी संकेत दिया है कि वह अतीत के सुरक्षा विवादों को पीछे छोड़कर आर्थिक सहयोग और तीस्ता नदी जल बंटवारे जैसे मुद्दों पर तार्किक आधार पर बातचीत करना चाहती है। फिर भी, भारत में शरण लिए बैठीं पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग आने वाले समय में एक बड़ी राजनयिक चुनौती बन सकती है।

विरोधाभासों से भरी छवि

जहां तक बांग्लादेश के भावी प्रधानमंत्री तारिक रहमान की बात है तो उनकी राजनीतिक छवि भी विरोधाभासों से भरी हुई है। उन्हें एक तरफ अपनी मां की राजनीतिक विरासत के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता है तो दूसरी ओर डिजिटल युग के नेता के रूप में भी प्रस्तुत किया जाता है। लंदन में लगभग 17 वर्षों के निर्वासन के दौरान उन्होंने तकनीक, सोशल मीडिया और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पार्टी संगठन को सक्रिय बनाए रखा। इसी कारण उन्हें मिस्टर रिमोट कंट्रोल भी कहा जाता है। कई विश्लेषकों का मानना है कि उनकी मूल विचारधारा अब भी खालिदा जिया की राजनीतिक सोच से बहुत अलग नहीं है, जिसमें संप्रभुता और मुस्लिम पहचान पर अधिक जोर रहता है। पार्टी के भीतर उनका नियंत्रण भी अत्यंत केंद्रीकृत माना जाता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा भारत के लिए हमेशा संवेदनशील मुद्दा रही है। वर्ष 2001 के चुनावों के बाद हुई हिंसा और अगस्त 2024 के राजनीतिक संकट के दौरान अल्पसंख्यकों पर हमलों की खबरों ने इस चिंता को और गहरा किया था। हाल के चुनावों में बीएनपी नेतृत्व ने सार्वजनिक रूप से अपने कार्यकर्ताओं को अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और खुद को अधिक समावेशी दिखाने की कोशिश की। इसके बावजूद, जमीन पर अब भी कई हिंदू संगठनों का आरोप है कि स्थानीय स्तर पर डराने-धमकाने और जमीन कब्जाने की घटनाएं जारी रहती हैं। इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगी कि नई सरकार के आने से स्थिति पूरी तरह बदल जाएगी। भारत के सामने सबसे बड़ी रणनीतिक चुनौती बांग्लादेश का चीन की ओर संभावित झुकाव है। बीएनपी परंपरागत रूप से चीन के साथ आर्थिक सहयोग को प्राथमिकता देती रही है। बांग्लादेश की ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और आवश्यक वस्तुओं के लिए भारत पर निर्भरता बनी हुई है, लेकिन नई सरकार 'बांग्लादेश फर्स्ट' नीति के तहत चीन से अधिक निवेश आकर्षित करने की कोशिश कर सकती है। भारत के लिए यह सुनिश्चित करना चुनौतीपूर्ण होगा कि बांग्लादेश की नई सरकार उसकी सुरक्षा चिंताओं, विशेषकर सिलीगुड़ी कॉरिडोर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के प्रति संवेदनशील बनी रहे।

भारत-बांग्लादेश के संबंध

स्पष्ट है कि बीएनपी की जीत के साथ भारत-बांग्लादेश संबंधों में एक नए और चुनौतीपूर्ण अध्याय की शुरुआत हो रही है। पिछले डेढ़ दशक के सहयोगपूर्ण दौर के बाद अब दोनों देशों को अपने रिश्तों को नए सिरे से परिभाषित करना होगा। गंगा जल समझौते का नवीनीकरण, तीस्ता जल बंटवारा, व्यापारिक साझेदारी और व्यापक आर्थिक समझौते जैसे मुद्दे आने वाले वर्षों में संबंधों की दिशा तय करेंगे।

भारत के लिए फिलहाल सबसे उपयुक्त रणनीति 'रुको और देखो' की है। संवाद बनाए रखते हुए अपने सुरक्षा और रणनीतिक हितों की रक्षा करना। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन न तो पूरी तरह संकट है और न ही केवल अवसर। यह एक ऐसा मोड़ है, जहां भावनात्मक समीकरणों की जगह व्यावहारिक कूटनीति निर्णायक भूमिका निभाएगी। यदि नई सरकार संतुलित विदेश नीति अपनाती है और भारत अपने 'नेबरहुड फर्स्ट' दृष्टिकोण के साथ लचीलेपन और सतर्कता का संयोजन बनाए रखता है तो यह बदलाव दोनों देशों के संबंधों को नए संतुलन और स्थिरता की दिशा में ले जा सकता है। अब आने वाला समय ही बताएगा कि यह परिवर्तन दक्षिण एशिया की राजनीति में तनाव बढ़ाएगा या सहयोग का नया अध्याय लिखेगा।

खुला मंच

शुक्र है फाइल में नाम नहीं आया

गुरमीत बेदी

देखो जी, जब पड़ोसी आपस में लड़ रहे थे तो समझौता करवाने वालों में मेरा नाम भी आया। पड़ोसी आखिर लड़े क्यों थे, यह चर्चा चली तो वहां भी मेरा नाम आया। जब शहर में दंगे हुए तो भी मेरा नाम आया। दंगे भड़काने वालों में भी नाम आया और शांति करवाने वालों में भी मेरा नाम आया। जब राहत सामग्री बंट रही थी और राहत सामग्री के नाम पर घोटाले का जिक्र हुआ तो भी मेरा नाम आया। यानी हर जगह मेरा नाम आया। लेकिन अभी तक मैं शुक्र मना रहा हूं कि जिस फाइल ने दुनिया भर में तहलका मचा रखा है, उसमें मेरा नाम नहीं आया। आ जाता तो बीवी से कैसे आंख मिला पाता? वह तो चेहरा भी पढ़ लेती है। आज सुबह उठा तो पत्नी बोली- 'अखबार देखा?' मैं घबरा गया। अखबार खोला। पहला पन्ना देखा। नाम नहीं। दूसरा पन्ना देखा। नाम नहीं। मैंने लंबी सांस ली। ऐसा लगा जैसे जमानत मिल गई हो। आजकल नाम होना भी मुसीबत है। पहले लोग कहते थे- नाम कमाओ। अब लोग कहते हैं- नाम छुपाओ।

कभी मैं मोहल्ले का समाजसेवी था। अब मैं मोहल्ले का संदिग्ध हूं। किसी का जन्मदिन हो, मेरा नाम। किसी का झगड़ा हो, मेरा नाम। किसी की शादी टूटे, मेरा नाम। किसी की सुलह हो, मेरा नाम। मैं तो चलता-फिरता सीसीटीवी बन गया हूं। थानेदार ने कहा- 'आप हर केस में क्यों मिल जाते हो?' मैं बोला- 'सर, मैं मिलता नहीं, मिलाया जाता हूं।' अब तो हालत ये है कि मैं हंसूं तो लोग शक करते हैं। चुप रहूं तो लोग और शक करते हैं। बीवी रोज पूछती है- 'सच-सच बताओ, तुमने किया क्या है?'

आजकल फाइलों का जमाना है। फाइल खुल जाए तो आदमी बंद। फाइल बंद हो जाए तो आदमी खुला। लोग मंदिर कम जाते हैं, वकील के पास ज्यादा जाते हैं। जिसके पास काम नहीं, उसके पास केस है। मैं तो रोज दुआ करता हूं- हे भगवान। नाम शोहरत मत दे, बस फाइल से दूर रख। मैंने सोचा- साधु बन जाऊं। पर सुना आश्रम की भी फाइल खुल रही है। सोचा विदेश भाग जाऊं। पर पासपोर्ट पर भी नाम ही होता है। अब समझ आया- नाम ही असली मुसीबत है। डाकिया आता है तो दिल धड़कता है। फोन बजता है तो पसीना आता है। व्हाट्सऐप मैसेज आए तो लगता है समन आया।

बीवी कहती है- 'इतना डरते क्यों हो?' जब नई फाइल की खबर आती है, मैं पहले अपना नाम ढूंढता हूं। इसलिए भाई साहब, मैं रोज सुबह उठकर दो ही बातें बोलता हूं- हे प्रभु, घर सुरक्षित रहे, और, शुक्र है फाइल में नाम नहीं आया!

प्रसंगवश

टायफाइड से बड़ी संख्या में मौतें चिंताजनक

पंकज चतुर्वेदी

टायफाइड के बढ़ते आंकड़े देश के लिए बड़ी चेतावनी है। इस पर एंटीबायोटिक दवाओं का बेअसर होना और संक्रमण से बड़ी संख्या में मौतें चिंताजनक है। ऐसे में दवा-प्रतिरोध के समाधान, साफ भोजन-पानी और स्वच्छता पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है।

पहले तो अत्यधिक थकान और सुस्ती महसूस हो रही थी, फिर बुखार के साथ-साथ तेज सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द शुरू हो गया। लक्षण तो टायफाइड के थे। जांच करवाई तो पता चला कि आंतों में साल्मोनेला टाइफी नामक बैक्टीरिया तेजी से बढ़ रहा है और मियादी बुखार या टायफाइड है ठीक होने में कम से कम एक महीना लगेगा। भारत में महानगरों से लेकर गांवों तक टायफाइड महामारी के रूप में फैलता जा रहा है। लेकिन इसके लिए कोई विशेष अभियान नहीं बनाया गया।

वर्ष 2023 के आंकड़े बताते हैं कि देशभर में इस महामारी के 49 लाख से अधिक मामले सामने आए, जबकि 7,850 लोगों की मौत हो गई। इनमें बड़ी तादाद में बच्चे शामिल थे। आंकड़ों के अनुसार, पांच साल से कम आयु के करीब 3.21 लाख बच्चों को टायफाइड के बाद अस्पताल ले जाया गया जो कुल भर्ती मरीजों का जो 44 फीसदी है। इस आयु वर्ग के 2,600 बच्चों की मौत हो गई। वहीं पांच से नौ साल के करीब 2.65 लाख करीब 2.65 लाख बच्चों को टायफाइड के कारण अस्पताल में भर्ती करना पड़ा और लगभग 2,900 बच्चों की जान गई। अध्ययन के मुताबिक छह माह से चार साल तक के बच्चों में अस्पताल में भर्ती होने और मृत्यु का जोखिम सर्वाधिक पाया गया। यह खुलासा लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज और वेल्लोर समेत कई संस्थानों के वैज्ञानिकों द्वारा शोध में हुआ। सर्विलांस फॉर एंटरिक फीवर इन इंडिया (2017-2020), ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज 2021 और जुलाई 2025 तक प्रकाशित अध्ययनों की समीक्षा से तैयार ये अध्ययन प्रसिद्ध जर्नल 'द लैंसेट' में 'रीजनल हेल्थ - साउथ ईस्ट एशिया' के तरह प्रकाशित हुए हैं।

खास बात यह कि तीन राज्यों- दिल्ली, महाराष्ट्र और कर्नाटक में इसका प्रकोप अधिक है। यहां बीमारी के कुल मामलों के 29 प्रतिशत मरीज पाये गए। इन राज्यों में न सिर्फ संक्रमण ज्यादा दर्ज किया गया, बल्कि एन्टीबायोटिक प्रभावहीन रहने व मरने वालों की संख्या भी अधिक रही। हालात दो कारणों से भयावह हो रहे हैं, एक तो इस रोग के मूल कारक दूषित पेयजल व भोजन पर कोई नियंत्रण नहीं हो पा रहा वहीं इस रोग के इलाज में कारगर मानी जाने वाली एंटीबायोटिक दवाएं तेजी से बेअसर होती जा रही हैं।

हाल ही में इंदौर के दूषित पेयजल से बहुत सी मौतें हुई, तभी गुजरात के गांधी नगर में भी दूषित पेयजल से सैकड़ों लोग बीमार हुए और ये सभी टायफाइड के ही शिकार थे। शहरी आबादी के बीच पानी की गुणवत्ता और स्वच्छता व्यवस्था इस बीमारी के प्रसार का बड़ा कारण है। टायफाइड बैक्टीरियल संक्रमण है, जो मुख्य रूप से गंदे पानी और दूषित भोजन से फैलता है। महानगरों में सीवरेज सिस्टम का पेयजल लाइनों के साथ मिलना इस संक्रमण को घर-घर पहुंचा रहा है। यदि समय रहते दवा-प्रतिरोध, साफ पानी और स्वच्छता पर तत्काल ध्यान नहीं दिया गया, तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। इस संकट से निपटने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

एक तो इस रोग से बचने के लिए टायफाइड कॉन्जुगेट वैक्सीन (टीसीवी) को राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में प्रभावी ढंग से शामिल करना होगा, ताकि बच्चों को संक्रमण के शुरुआती चरण में ही सुरक्षा मिल सके। फिर 'हर घर जल' या शहरों में 'अमृत' योजना के अंतर्गत अधिक लोगों तक पानी पहुंचाने के आंकड़े बढ़ाने से बेहतर होगा कि अभियानों को केवल पाइप पहुंचाने तक सीमित न रखकर, पानी की गुणवत्ता की नियमित जांच और पाइपलाइनों के रखरखाव पर जोर दिया जाए। इसी तरह सड़क किनारे हो या बड़े रेस्टोरेंट-भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कड़े नियम और सतत निरीक्षण होना चाहिये। बिना डॉक्टरी सलाह एंटीबायोटिक दवाओं की खरीद-बिक्री पर सख्त नियंत्रण की आवश्यकता है। डॉक्टरों और मरीजों को दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक करना होगा।

टायफाइड के बढ़ते आंकड़े भारत के लिए बड़ी चेतावनी है। यह बीमारी केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट बन चुकी है। दवाओं का बेअसर होना हमें उस दौर की ओर ले जा रहा है जहां सामान्य बीमारियां महामारी का रूप ले लेती थीं। हमें यह समझना होगा कि स्वच्छता और साफ पानी पर किया गया निवेश भविष्य में इलाज पर होने वाले भारी खर्च और जान-माल के नुकसान से कहीं सस्ता है।

प्रकृति संरक्षण

प्रकृति के विनाश को भी अंतरराष्ट्रीय कानून की श्रेणी में रखा जाए

प्रकृति के लिए भी हो कठोर न्याय की अवधारणा

डॉ सुधीर कुमार

औद्योगिक घराने पर्यावरण का नुकसान करके भारी मुनाफा कमाते हैं और कानून उल्लंघन पर जुर्माने की मामूली राशि चुका देते हैं। इस व्यवस्था ने पैसे को संरक्षण के बजाय विनाश का 'लाइसेंस' बना दिया है। ईकोसाइड अवधारणा इस दायित्व को 'कठोर आपराधिक उत्तरदायित्व' में बदलने की वकालत करती है।

मानवता ने अपनी प्रगति की गाथा अक्सर प्रकृति की कीमत पर लिखी है। औद्योगिक क्रांति से लेकर आधुनिक डिजिटल युग तक, हमने विकास की अंधी दौड़ में कंक्रीट के ढेर तो खड़े कर लिए, लेकिन इसकी वजह से नदियों को विषाक्त नालों और हरे-भरे जंगलों को रेगिस्तान में तब्दील कर दिया। आज जब हिमालय की नींव धंस रही है और हवा सांसों में जहर घोल रही है, तब एक तीखा सवाल सामने है - क्या अपराध इंसानों के खिलाफ ही 'संगीन' होते हैं?

इसी सवाल से एक क्रांतिकारी शब्द ने जन्म लिया - 'ईकोसाइड' यानी 'प्रकृति का नरसंहार'। जिस प्रकार विश्व ने 'जेनोसाइड' को मानवता के विरुद्ध वीभत्स अपराध मानकर दंडित किया, अब प्रकृति के विरुद्ध किए जा रहे इस व्यवस्थित विनाश को भी उसी अंतरराष्ट्रीय कानूनी श्रेणी में रखा जाए। अब न्याय केवल इंसानों के लिए ही नहीं, बल्कि जंगलों और नदियों के लिए भी होना चाहिए, जिनका अस्तित्व हमारी लालसा की भेंट चढ़ गया।

वर्तमान परिदृश्य में 'प्रदूषण फैलाने वाला भुगतान करे' का सिद्धांत अपनी सार्थकता खोकर केवल 'वैध व्यापारिक लागत' बनकर रह गया है। बड़ी कंपनियां और औद्योगिक घराने पर्यावरण विनाश से भारी मुनाफा कमाते हैं और कानूनों का उल्लंघन करने पर लगने वाले जुर्माने को अपनी बैलेंस शीट में मामूली खर्च मानकर चुका देते हैं। इस व्यवस्था ने पैसे को संरक्षण के बजाय विनाश का 'लाइसेंस' बना दिया है।

ईकोसाइड की अवधारणा इसी खामी पर प्रहार करते हुए नागरिक दायित्व को 'कठोर आपराधिक उत्तरदायित्व' में बदलने की वकालत करती है। संदेश देती है कि प्रकृति कोई 'कमोडिटी' नहीं जिसे नष्ट करके उसकी कीमत चंद रुपयों में चुकाई जा सके; बल्कि जीवंत इकाई है।

जब भोपाल गैस त्रासदी और श्रीराम फर्टिलाइजर्स जैसी भयावह घटनाएं हुईं, तो न्यायपालिका ने कानून की सीमाओं को विस्तार दिया। न्यायमूर्ति पी.एन. भगवती ने एम.सी. मेहता बनाम यूनियन ऑफ इंडिया (1987) के मामले में 'एब्सोल्यूट लायबिलिटी' (पूर्ण दायित्व) का सिद्धांत प्रतिपादित किया। स्पष्ट किया कि यदि कोई उद्योग किसी खतरनाक गतिविधि में लगा है और उससे पर्यावरण को कोई नुकसान होता है, तो वह उद्योग बिना अपवाद उत्तरदायी होगा। ईकोसाइड कानून इसी 'पूर्ण दायित्व' के विचार को अगले स्तर पर ले जाता है। यह केवल क्षतिपूर्ति की बात नहीं करता, बल्कि व्यक्तिगत जवाबदेही और जेल की सजा का प्रावधान करता है ताकि जिम्मेदार अधिकारियों में कानून का भय और प्रकृति के प्रति सम्मान पैदा हो। कानूनी रूपांतरण का वह चरण जहां पर्यावरण का विनाश मानवता के खिलाफ संगीन जुर्म माना जाएगा।

इस कानूनी विमर्श का मुख्य केंद्र 'मानव-केंद्रित' दृष्टिकोण से हटकर 'प्रकृति-केंद्रित' न्यायशास्त्र को अपनाना है। भारतीय संविधान (अनुच्छेद 51ए(जी) और 21) पहले से ही पर्यावरण संरक्षण को कर्तव्य और अधिकार मानता है। लेकिन अब समय है प्रकृति के 'स्वतंत्र अधिकारों' को मान्यता देने का। ए. नागराजा (2014) और सलीम बनाम उत्तराखंड राज्य (2017) जैसे मामलों ने जानवरों और नदियों (गंगा-यमुना) को 'विधिक व्यक्ति' का दर्जा देकर नई राह दिखाई है। यदि एक नदी कानून की नजर में 'व्यक्ति' है, तो उसे प्रदूषित करना 'हत्या के प्रयास' जैसा गंभीर अपराध माना जाना चाहिए।

वैश्विक स्तर पर ईकोसाइड को अपराध घोषित करने की मुहिम तेज हो रही है, जहां बेल्जियम और फ्रांस जैसे देशों ने अपने घरेलू कानूनों में इसे शामिल कर मिसाल पेश की है। वर्तमान में 'स्टॉप ईकोसाइड इंटरनेशनल' जैसे संगठन यह प्रयास कर रहे हैं कि अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय की 'रोम संविधि' में संशोधन कर ईकोसाइड को नरसंहार और युद्ध अपराधों की श्रेणी में 'पांचवां अंतर्राष्ट्रीय अपराध' घोषित किया जाए। ताकि कोई राष्ट्र या कॉर्पोरेट विकास की आ? में पर्यावरण को अपूरणीय क्षति न पहुंचा सके।

भारत के लिए ईकोसाइड कानून अपनाना केवल एक कानूनी सुधार नहीं, बल्कि अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौटना होगा। 'वसुधैव कुटुंबकम्' और 'माता भूमि- पुत्रो अहं पृथिव्याः' के दर्शन को मानने वाले देश के लिए प्रकृति के अधिकारों की रक्षा करना एक स्वाभाविक कदम है। यह कानून विकास का विरोधी नहीं, बल्कि 'जिम्मेदार और सतत विकास' का समर्थक है। यह संतुलित प्रगति की परिभाषा है जहां मानवता और प्रकृति सह-अस्तित्व में फलें-फूलें।

निश्चित रूप से, ईकोसाइड कानून के मार्ग में 'गंभीर क्षति' को परिभाषित करने और साक्ष्य जुटाने जैसी चुनौतियां हैं। इसके समाधान के लिए हमें अपने कानूनी शिक्षण में 'अर्थ ज्यूरिसप्रुडेंस' को शामिल करना होगा। अब हम जोशीमठ जैसे संकटों या दम तोड़ती नदियों को केवल 'प्राकृतिक आपदा' का लेबल न दें, बल्कि उन मानवीय निर्णयों की आपराधिक जांच करें जिन्होंने इन आपदाओं का मार्ग प्रशस्त किया। हमें एक ऐसी उत्तरदायी व्यवस्था चाहिए जो विकास की आड़ में किए गए संस्थागत अपराधों को पहचानकर उन्हें दंडित कर सके।

ईकोसाइड केवल एक कानूनी शब्द नहीं, बल्कि एक नैतिक चेतावनी है। प्रकृति को 'वस्तु' मानने की हमारी भूल हमें विनाश की ओर ले जा रही है। जब तक कानून की किताबों में 'प्रकृति की हत्या' को 'मानव की हत्या' के समकक्ष गंभीरता नहीं दी जाएगी, तब तक विनाश का यह सिलसिला नहीं थमेगा। ईकोसाइड कानून को मान्यता देना इस धरती के प्रति हमारी जवाबदेही का प्रमाण होगा।

जीवन दर्शन

प्रेम हृदय को विस्तार देता है, घृणा करती है संकुचित

घृणा हृदय को संकुचित करती है, जबकि मानवीय एकता और प्रेम उसे विस्तार देता है। इसलिए यदि जीवन में वास्तविक आनंद और असीम ऊर्जा चाहिए, तो अपने भीतर प्रेम, सम्मान और आत्मसम्मान का दीप जलाइए।

इतिहास गवाह है कि सत्ता की चाह और जीवन का संघर्ष अक्सर मनुष्य के स्वभाव को कठोर और संवेदनहीन बना देते हैं। लेकिन मानवता को एक ऐसा मार्ग भी दिखाया गया है, जहां शांति और धैर्य ही सबसे ब? हथियार हैं। वास्तव में, हमारे जीवन की गुणवत्ता इस बात पर निर्भर नहीं करती कि हमारे पास कितने भौतिक संसाधन हैं, बल्कि इस पर निर्भर करती है कि हमारे विचारों में कितनी शुद्धता और गहराई है। जब हम अपने मस्तिष्क को सकारात्मकता से भर लेते हैं, तो बाहरी अभाव हमें विचलित नहीं कर पाते। इस ब्रह्मांड में वर्तमान ही वह एकमात्र सत्य है, जिसे हम वास्तव में जी सकते हैं। एक बहुत ही क्रांतिकारी विचार है-कल्पना कीजिए कि आप मर चुके हैं और आपका पिछला जीवन समाप्त हो गया है। ऐसे में, अब जितना भी समय आपके पास बचा है, उसे एक बोनस की तरह जिएं। यह सोच आपको आलस्य, भय और टालमटोल से मुक्त करती है। जब आप वर्तमान को ही एकमात्र सत्य मान लेते हैं, तब भविष्य की चिंता और अतीत का पछतावा स्वतः समाप्त हो जाता है। तब आप हर क्षण को पूरी सजगता व ऊर्जा के साथ जीने लगते हैं। इससे आपको हर दिन कुछ नया और सार्थक करने की स्फूर्ति तथा प्रेरणा भी मिलती रहती है। अक्सर हम एक अच्छा इन्सान कैसा होना चाहिए, इस पर लंबे प्रवचन देते हैं या बहस करते हैं, जबकि ऐसा करने की कोई जरूरत नहीं है; बस उठिए और एक अच्छा इन्सान बनकर दिखाइए। क्योंकि सच्ची खुशी उस अंधेरे में नहीं मिलती, जहां हम दूसरों के प्रति घृणा पालते हैं, बल्कि वह तो उस प्रकाश में जन्म लेती है, जहां हम मानवता की एकता को हृदय से स्वीकारते हैं। ऊर्जा तब कई गुना बढ़ जाती है, जब हम प्रतिशोध नहीं, बल्कि करुणा को चुनते हैं; जब हम विभाजन नहीं, बल्कि संबंधों को मजबूत करते हैं। घृणा हृदय को संकुचित करती है, जबकि मानवीय एकता और प्रेम उसे विस्तार देता है। इसलिए यदि जीवन में वास्तविक आनंद और असीम ऊर्जा चाहिए, तो अपने भीतर प्रेम, सम्मान और आत्मसम्मान का दीप जलाइए। यही दीप आपके मार्ग को भी प्रकाशित करेगा और संसार को भी।

मार्कस ऑरेलियस

॥ गीता ज्ञान ॥

श्लोक

नाहं प्रकाशः सर्वस्य योगमायासमावृतः।
मूढोऽयं नाभिजानाति लोको मामजमव्ययम॥

भावार्थ

मैं सभी के लिए प्रत्यक्ष नहीं होता क्योंकि योगमाया से ढका हुआ हूँ। यह मोहग्रस्त संसार मुझे अजन्मा और अविनाशी परमात्मा के रूप में नहीं जानता।

शादियों के सीजन में बाजारों के बुरे हाल ग्राहकों को सड़क पर ही रोक रहे अतिक्रमण

नगर निगम, पुलिस व जिला प्रशासन ने संत हिरदाराम नगर को लावारिस छोड़ा

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। इन दिनों शादियों का सीजन है, जो 31 मई तक विभिन्न तारीखों में जारी रहेगा यही कारण है कि वीआयपी रोड से लेकर हलालपुर, उपनगर के भोपाल इंदौर राजमार्ग ग्राम फंदा तक सारी होटलें, मैरिज गार्डन बुक हैं, जहां तक बाजारों का सवाल है, तो वहां ग्राहकी इतनी तेज है कि वहां पैर रखने की जगह नहीं है। चूंकि संत हिरदाराम नगर में कपड़े एवं बर्तनों का थोक बाजार है, और अब तो वैडिंग की साड़ी हो या दूल्हे की शेरवानी अथवा मेहमानों को भेंट करने के लिए बर्तन एवं साड़ियां, लेडीज सूट सभी दुकानों पर ग्राहकों की चहल पहल सुबह 10 बजे से प्रारंभ होकर रात 11 बजे तक रहती है।

यहां भारी ग्राहकी: अगर संत हिरदाराम नगर के विभिन्न बाजारों पर एक नजर डाली जाए, तो पता चलता है कि भोपाल इंदौर राजमार्ग स्थित बस स्टेण्ड, संत हिरदाराम मार्केट, संत हिरदाराम शापिंग काम्पलेक्स, मुखर्जी मार्केट, नेहरू मार्केट, लक्ष्मी मार्केट एंव बर्तन बाजार के अलावा भीतरी मार्ग मिनी मार्केट, चंचल रोड, सर्राफा बाजार रोड, संत हिरदाराम पार्किंग काम्पलेक्स सभी जगह ग्राहकों की इतनी तो भीड़ है, कि इन बाजारों से कार या स्कूटर तो क्या राहगीरों का निकलना भी मुश्किल हो रहा है।

प्रशासन बना लापरवाह: जहां राजधानी के न्यू मार्केट के बाद पुराने भोपाल के जुमेराती, चैक बाजार, लखेरापुरा, इब्राहिमपुरा, आजाद मार्केट, बुधवारा, चार बत्ती चैराहे से अतिक्रमण हटाकर नगर निगम बाजारों को नया आकार देने में जुटा है, वहीं संत हिरदाराम नगर के बाजारों को नगर निगम, पुलिस एवं जिला प्रशासन ने पूरी तरह से लावारिस छोड़ दिया है।

बाजारों में भारी अव्यवस्था

अगर इन बाजारों को देखा जाए तो इलाहबाद बैंक रोड, संत हिरदाराम काम्पलेक्स, पार्किंग काम्पलेक्स, चंचल रोड, भोपाल इंदौर राजमार्ग, शिव मंदिर के आस पास भारी अव्यवस्था है, इन सभी बाजारों में जहां खाली जगह दिखी वहां ठेले वालों को खड़े देखा जाता है, जहां चाट पकोड़ी, छोले भटूरे, पानी पूड़ी, आइस्क्रीम आदि पर भीड़ जुट रही है, ऐसे में इन बाजारों से गुजरना कठिन होता जा रहा है। इन सभी बाजारों में कतिपय कारोबारियों ने भी अपनी दुकानों से सामान 10 से 20 फीट बाहर निकाल कर रख दिया है। इस मामले में चंचल रोड के भी बुरे हाल हैं जहां 70 फीट चैड़ी सड़क अतिक्रमण के कारण 25 फीट रह गई है, रही सही कसर सड़क किनारे पार्क होने वाले चार एवं दो पहिया वाहनों ने पूरी कर दी है। यहां मारूति काम्पलेक्स के सामने, मिनी मार्केट के आस पास, चंचल स्वीट हाउस के पीछे की सड़कों पर अतिक्रमण के अलावा बेतरतीब ढंग व अवैध रूप से पार्क हो रहे वाहनों के कारण बार बार जाम लग रहा है। खीमनदास मार्केट जहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा लगी है, चारों तरफ से अतिक्रमण की शिकार जबकि इसी जगह पुलिस की चैकी भी है लेनिक पुलिस भी कोई एक्शन नहीं लेती है।

महापौर के निर्देश बेअसर: पिछले साल महापौर मालती राय ने एमआईसी सदय राजेश हिंगोरानी एवं कपड़ा एसोसियेशन के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी के साथ खासतौर पर इलाहबाद बैंक रोड, पार्किंग शापिंग काम्पलेक्स के आस पास की सड़कों पर दुकानों के बाहर 3 फीट की पीली लाइन खींचकर उसके बाहर खड़े होने वाले वाहनों एवं जो कारोबारी सामान फैलाकर रखते हैं, उनके खिलाफ जब्ती एवं चालानी की कार्रवाई करने के अतिक्रमण अधिकारी को निर्देश दिए थे साथ ही यह भी कहा था कि लगातार 15 दिन तक मानीटरिंग की जाए, पहले दुकानदारों को समझाइश दी जाए बाद में उनके खिलाफ चालानी कार्रवाई की जाए, लेकिन महापौर के निर्देशों का कोई असर नहीं हुआ। ऐसे में संत हिरदाराम नगर के विभिन्न बाजारों के बहुत ही बुरे हाल हैं जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

"हां यह बात सही है कि महापौर ने हमारे साथ निरीक्षण के दौरान अतिक्रमण अधिकारी को पीली लाइन के बाहर सामान न रखा जाए, यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे, पर उसका पालन अधिकारियों ने नहीं किया है।

- राजेश हिंगोरानी, एमआईसी सदस्य, नगर निगम

"हमारी मुख्य मार्ग पर कपड़े की होलसेल दुकान है, लेकिन सामने फल एवं सब्जी के ठेले खड़े हो जाते हैं, जिस कारण ग्राहकी प्रभावित होती है, हटने का बोलने पर वे झगड़े पर उतारू हो जाते हैं।

- नारायणदास लालवानी, थोक कपड़ा कारोबारी

महाशिवरात्रि पर ब्रह्मकुमारीज के कार्यक्रम में ज्योतिर्लिंगों के दर्शन

शिवालयों में भक्तों की जुटी भीड़, जगह जगह हुए भंडारे

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। हर साल की तरह इस बार भी संत हिरदाराम नगर के विभिन्न स्थानों पर महा शिवरात्रि का पर्व उत्साह एवं परम्परागत ढंग से मनाया गया । पिछले साल की भांति इस बार भी ब्रम्हकुमारी संस्थान द्वारा कृष्णा प्लाजा काम्पलेक्स परिसर में भव्य मेले का आयोजन किया। संस्थान से जुड़े समाज से घनश्याम चंदनानी ने बताया कि मेला सीआरपी स्थित केन्द्र द्वारा रखा गया है, जिसमें भारत के प्रसिद्ध 12 ज्योतिलिंग , अमरनाथ बर्फानी बाबा, माता वेष्णो देवी एवं खाटू श्याम बाबा की आकर्षक एवं सुंदर झांकिया सजाई गई, जिन्हें देखने के लिए शनिवार एवं रविवार को भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ जमा हुई। यहां प्रोजेक्टर के माध्यम से राजयोग मेडिटेशन की सरल विधि का ज्ञान प्रदान किया गया। इसी तरह मोबइल एडिक्शन और अन्य बुराईयों के साथ ही व्यसन मुक्ति प्रदर्शनी भी लगाई गई। शुभारंभ महाशिव रात्रि के दिन 14 फरवरी की शाम को किया गया और दो दिन यह आम जनता के लिए खुली रहेगी। दोपहर 12 से रात 9 बजे तक कोई भी व्यक्ति यहां आए। रविवार को सुबह 6 से रात 9 बजे तक प्रदर्शनी खुली रही इस दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने यहां आकर प्रदर्शनी का आनंद लिया।

यहां भी हुए कार्यक्रम : इधर भोपाल इंदौर राजमार्ग पर 60 साल पूर्व स्थापित किए गए भगवान शिव के मंदिर में सुबह 5 बजे से ही जल एवं दूध चढ़ाने वालों का तांता लगा रहा जो देर रात तक जारी था। प्रेम रामचंदानी मार्ग पर जय महाकाली मंदिर में भी श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ जमा थी यहां

हीरो हिन्दू फैन्स क्लब के अध्यक्ष हीरो इसरानी ने अपने सहयोगियों के साथ पंडित संतोष शर्मा का शोल ओढ़कर सम्मान किया। इस मौके पर भंडारे में तरह तरह के व्यंजन श्रद्धालुओं एवं जरूरतमंदों को परोसे गए इसमें चावल, हरी सब्जी, पूड़ी पकोड़े एवं चन्ने प्रसाद के रूप में वितरित हुए। दूसरी और शिव मंदिर इंदिरा नगर से विशाल भगवान शिव बारात का आयोजन किया गया, जिसमें पुरूषों व युवकों के अलावा लगभग एक हजार महिला भक्त भी शामिल हुई। इसमें मुख्य रूप से एमआईसी सदस्य राजेश हिंगोरानी, कपड़ा एसोसियेशन के अध्यक्ष कन्हैयालाल इसरानी, विनय दादलानी, किशोर साधवानी, रोहन केवट रामू, विकास मारन, मनीष बागवानी, कमल वीधानी आदि नजर आए।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य कानूनगो ने किया संवाद

गौहरगंज। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग नई दिल्ली के सदस्य प्रियंक कानूनगो ने विश्व हिंदू परिषद, जिला भोजपुर (मध्यभारत प्रांत) की अपील पर हनुमान घाट, गौरगंज में ग्रामीण जनों से प्रत्यक्ष संवाद कर मार्गदर्शन दिया। संवाद के दौरान धर्मांतरण से संबंधित शिकायतों, ग्रामीण क्षेत्रों में फैल रहे भ्रम, प्रलोभन एवं दबाव जैसे संवेदनशील विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। सदस्य ने संवैधानिक अधिकारों, धार्मिक स्वतंत्रता तथा मानवाधिकारों के वास्तविक स्वरूप पर तथ्यपरक एवं विधिक जानकारी देते हुए कहा कि प्रत्येक नागरिक को संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों की रक्षा का पूर्ण

अधिकार है, वहीं कानून के दायरे में रहकर ही किसी भी प्रकार की शिकायत का निराकरण संभव है। उन्होंने शिक्षा से जुड़ी समस्याओं और धर्मांतरण से संबंधित मामलों में वैधानिक प्रक्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहाकि ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रखा जाना चाहिए। इस संबंध में प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम में एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव, एसडीओपी शीला सुराणा, थाना प्रभारी सतलापुर थाना प्रभारी विजय त्रिपाठी, गौहरगंज थाना प्रभारी, विहिप के जिला मंत्री सुरेंद्र कीर सहित शासन-प्रशासन के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर निकली भव्य शिव बारात

जागरण ओबेदुल्लागंज। महाशिवरात्रि पर स्वर्गीय देवेंद्र गुप्ता की स्मृति में स्थानीय शिव मंदिर प्रांगण से भव्य शिव बारात निकाली गई। शिव बारात में भगवान भोलेनाथ की आकर्षक पालकी, ढोल नगाढ़ों की थाप पर नृत्य करते भूत-नन्दी बने युवाओ की टोली आकर्षण का केंद्र रही। इस वर्ष भी शिव मंदिर अर्जुन नगर से निकाली गई भव्य शिव बारात नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई वापिस शिव मंदिर पहुंची, जहां भगवान शिव की पूजन आरती पश्चात प्रसाद वितरण हुआ। शिव बारात का नगर के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

मध्य प्रदेश राज्य सरकार की 8,13, 19 & 23 वर्षीय प्रतिभूतियों की नीलामी

मध्य प्रदेश राज्य सरकार ने नीलामी के माध्यम से कुल **₹5,600.00 करोड़ (अंकित मूल्य)** राशि की प्रतिभूतियों की बिक्री का प्रस्ताव किया है।
एकाधिक मूल्य प्रारुप के अंतर्गत प्रतिफल आधारित नीलामीयां भारतीय रिज़र्व बैंक के कोर बैंकिंग सोल्यूशन **(ई-कुबेर)** पर **17 फ़रवरी 2026 (मंगलवार)** को आयोजित की जाएगी। व्यक्तिगत निवेशक भी रिटेल डायरेक्ट पोर्टल **(https://rbiretaildirect.org.in)** के माध्यम से गैर-प्रतिस्पर्धी योजना के अनुसर बोली लगा सकते है।
अधिक जानकारी के लिए कृपया भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट **(www.rbi.org.in) पर 13 फरवरी 2026 (शुक्रवार)** की प्रेस प्रकाशनी देखें।

"पैसे का वादा करने वाले ई-मेल/एसएमएस/ टेलिफोन द्वारा धोखा न खाएं"

SUDOKU 149

1	5		7		2			4
		7	6			5		
9			5				6	
5		8						
			9	3	8			
						7		6
	8				4			1
		1			6	4		
2			8		1		5	3

SOLUTIONS 148

1	9	3	8	2	7	4	6	5
4	2	6	3	9	5	8	7	1
7	5	8	4	1	6	9	2	3
2	1	5	7	4	3	6	9	8
3	6	7	9	8	1	5	4	2
8	4	9	5	6	2	1	3	7
9	7	1	6	3	8	2	5	4
6	3	2	1	5	4	7	8	9
5	8	4	2	7	9	3	1	6

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज का दिन आपका उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर कुछ परेशान रह सकते हैं। व्यापार में नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। विरोधी वर्ग सक्रिय होंगे।

वृषभ : आज का दिन आप अपने स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे। किसी विशेष बात को लेकर आप आज मानसिक तौर से परेशान रह सकते हैं।

मिथुन : आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा।कोई रुका हुआ पुराना कर आज पूरा होगा।स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव दिखाई पड़ेगा।

कर्क : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा।किसी धार्मिक यात्रा आदि पर जा सकते हैं।कोई व्यक्ति विशेष से मिलना होगा, जिससे आगामी समय में लाभ के योग बनेंगे।

सिंह : आज का दिन आपके लिए आपके अनुकूल रहेगा।नौकरी के लिए यदि प्रयासरत है, तो आज आपको सफलता प्राप्त होगी। व्यापार में भी कोई नया आपको ऑफर मिल सकता है।

कन्या : आज का दिन आपका अच्छा रहने वाला है। सोचे हुए कार्य पूर्ण होंगे। स्वास्थ्य में लाभ प्राप्त होगा। किसी अपने से मिलना होगा।

तुला : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आप नौकरी आदि के लिए प्रयास कर रहे हैं, तो आज आपको सफलता मिलेग। स्वास्थ्य को लेकर थोड़ा संभल कर रहें।

वृश्चिक : आज आप अपने स्वास्थ्य को लेकर परेशान रह सकते हैं। आपका स्वास्थ्य आज बिगड़ सकता है। इसलिए इस बात का ध्यान रखें। खानपान पर संयम रखें।

धनु : आज के दिन आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। आप किसी षड्यंत्र का शिकार हो सकते हैं। व्यापार में हानि उठानी पड़ेगी।

मकर : आज आप कोई नया वाहन खरीद सकते हैं। व्यापार में सहयोगियों का सहयोग मिलेगा। नौकरी वर्ग वालों को पदोन्नति मिल सकती है।

कुंभ : आज का दिन आपके लिए शुभ होगा। परिवार में पुत्र की जॉब लग सकती है। कोई सुखद समाचार आज आपको मिलेगा।

मीन : आज आप ससुराल पक्ष से आर्थिक मदद प्राप्त कर सकते हैं। पत्नी से मतभेद दूर होंगे। साथ ही कोई नई खुशखबरी आपको मिल सकती है। परिवार में माहौल आपके पक्ष में रहेगा।

आज का पंचांग: 16 फरवरी सोमवार 2026। **दिशाशूल :** पूर्व दिशा में रहेगा। विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी 17 घंटे 35 मिनट तक, तत्पश्चात अमावस्या श्रवण नक्षत्र 20 घंटे 48 मिनट तक, तत्पश्चात धनिष्ठा नक्षत्र वरियान योग 25 घंटे 50 मिनट तक, मकर में चंद्रमा।
राहुकाल : सुबह 7:30 से 9:00 बजे तक।

NOTICE INVITING TENDER (NIT)
कार्यालय, पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय), नगरीय पुलिस, भोपाल (म.प्र.)

क्रमांक- पुलिस उपायुक्त/मुख्यालय/रिकार्ड/22/2026 भोपाल, दिनांक 06.01.2026

निविदा सूचना

पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय), नगरीय पुलिस भोपाल के अंतर्गत आने वाले कार्यालय एवं थानों हेतु निम्नानुसार उपकरणों की आवश्यकता होने से क्रय हेतु साफ्टवेयर के दर प्राप्त किये जाने हेतु ऑनलाइन, निविदा आमंत्रित की जाती हैं-

S N	Name Items	Items Approx	Tender Fee	EMD PAID ONLINE (mptenders.gov.in)
1	DAKSH ANALYST TOOLS (PRO VERSIONS) WITH 03 YEARS LICENSE	According To Requirement & Budget Available	2000/-	5 0,000/-
2	DAKSH ANALYST TOOLS (PREMIUM VERSION) WITH 03 YEARS LICENSE			

01. निविदा प्रपत्र ऑनलाइन वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर जमा किये जाएंगे।
02. निविदा शुल्क ऑनलाइन जमा करना अनिवार्य है।
03. मध्यप्रदेश पुलिस की वेबसाइट www.mppolice.gov.in से प्रपत्र एवं विस्तृत जानकारी डुानलोड की सकता है।

क्र	विवरण	दिनांक	समय
01	निविदा प्रकाशन दिनांक	10/02/2026	11:00 AM
02	निविदा प्रपत्र डाउनलोड दिनांक	11/02/2026	11:00 AM
03	प्री-बिड	18/02/2026	11:00 AM
04	निविदा जमा करने की प्रारम्भ दिनांक	20/02/2026	11:00 AM
05	निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	02/03/2026	11:00 AM
06	निविदा खोलने का दिनांक	04/03/2026	11:00 AM

जी- 25848/25 **पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) नगरीय पुलिस, भोपाल**

कार्यालय थाना प्रभारी थाना हनुमानगंज नगरीय पुलिस जिला भोपाल

क्र.था.प्र./हनु.गंज/भो/डी/56 ए/26 दिनाँक- 12/02/2026

आम इस्तहार सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि थाना हनुमानगंज भोपाल मे इस्त. क्र. 01/25 धारा 25 पुलिस एक्ट मे लावारिस हालत मे कुल 19 दोपहिया वाहन विभिन्न कम्पनियो के जप्त किया गया है। जो काफी जर्जर एवं कबाड की हालत मे है। काफी समय से कडम स्थिति मे थाना प्रागंण मे रखे हुये है। उपरोक्त जप्त सुदा दोपहिया वाहन 25 पुलिस एक्ट मे जप्त है। इन वाहनो के स्वामित्व हेतु धारको को आम इश्तहार के व्दारा सूचित किया जाता है। उक्त जप्त सुदा वाहनो के मालिकाना हक हेतु थाना हनुमानगंज भोपाल से सम्पर्क कर अपने वाहन के वैध दस्ताबेजो से प्राप्त करे। अन्यथा वहानो की नीलामी निष्पादित की जावेगी, जिसकी सूची निम्नानुसार है।

लावारिस जप्त वाहनों की सूची

क्र	वाहन का नाम व रंग	वाहन का रजिस्ट्रेशन नं	इंजन नं	चेचिस नं.
1	मो.सा.स्पेलेन्डर काले रंग की	MP08MA9287 (UP25BF9044)	HA10EREHJ52188	MVLHA10BFEHJ16820 820
2	काले रग की प्लेटीना	बिना नम्बर की	....	MD2A76AZ4FRH73586
3	हीरो होन्डा स्पेलेन्डर काले रग	MP04NE2982	00E18M12313 व	00E20C12353
4	मो.सा.टीवीएस स्पोर्टस	बिना नम्बर	MD625MF52D1H22392	....
5	टीवीएस स्कूटी	बिना नम्बर	....	....
6	टीवीएस स्कूटी सिल्वर रंग	MP04NF3448	493901	502032
7	पेसन मो.सा.का	MP04NH1455	01J21M02610	01J21C16092,
8	Y2K काईनेटीक स्कूटी लाल रग की	MP04NF9120	N/ESM149214	N/FSM152678
9	स्कूटी ब्लेक रग की	MP04S2008	....	....
10	हीरो स्पलेण्डर ब्लेक रंग की	MP04QB0931	HA10EWFHL42326	MBLHA10BWFHL25555
11	इलेक्ट्रीक वोल्क स्कूटी सफेद रग की	बिना नम्बर की	....	....
12	हीरो स्प्लेण्डर ब्लेक रंग की	MP04MX8280	HA10EFAHL32450	MBLHA10EYAHL25833
13	सुजुकी मेक्स	MP04NA6739	172941	130912,
14	एक्टीवा व्हाईट स्कूटर	MP04SN8603	JF50E71000062,	ME4JF502CE7000075
15	हीरो स्प्लेण्डर सिलवर रग की	MP53MD2819	HA10EJCHD56397	MBLHA10AMCHD55686
16	स्टार सीटी लाल रग की,	MP04BD0152	AF5E61402248	MD625K5661E70119
17	पेसन मो.सा. ब्लेक रग की,	MP04ME9255	06E08M47615	06E09C32329
18	हक ब्लेक रगी की मो.सा.	MP04QC1379	KC13EGFHM01144	MBLKC13ELFHM00339,
19	हीरो ब्लेक रग की स्प्लेण्डर	MH30V9948	HA10EA8HH39912	MBLHA10EJ8HH23706

जी- 25837/25 **थाना प्रभारी थाना हनुमानगंज जिला भोपाल (म.प्र.)**

कार्यालय कलेक्टर जिला-भोपाल एवं समुचित सरकार
मध्यप्रदेश शासन, राजस्व विभाग
प्रारंभिक अधिसूचना

क्रमांक / 800/ भू-अर्जन/2026 दिनांक 28.01.2026

चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है, कि इसके संलग्न सूची के खाने (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (5) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है।
प्रकरण कमांक 04/अ-82/2024-25 चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है, कि नीचे दी गई अनुसूची कमांक में सुठालिया सिंचाई परियोजना तहसील-बैरसिया, जिला-भोपाल के ग्राम बहवेलीकलां के दूब क्षेत्र के लिए वर्णित भूमि जिसका कृषकवार सर्वे क्रमवार विवरण अनुसूची 2 में उल्लेखित है।
अतः भू-अर्जन पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (क्र 30 सन् 2013) की धारा-11 के अन्तर्गत यह घोषित किया जाता है कि निम्न वर्णित अनुसूची 2 की भूमि की अनुसूची 1 में अंकित सार्वजनिक प्रयोजनार्थ आवश्यकता है। चूंकि कार्यपालन यंत्री सुठालिया परियोजना, जल संसाधन संमाग, ब्यावरा द्वारा प्रमाणित किया गया है कि परियोजना की पर्यावरणीय स्वीकृति म.प्र. राज्य पर्यावरण प्रभाव आकंलन प्राधिकरण (भारत सरकार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय) पर्यावरण योजना और समन्वय संगठन, पर्यावरण परिसर ई-5, अरेरा कॉलोनी भोपाल के पत्र क्र. 1111 / SEIAA दिनांक 03.06.2021 द्वारा जारी की गयी है। पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त किये जाते समय विभाग द्वारा प्रस्तुत अंतिम ई.आई.ए/ई.एम.पी. प्रतिवेदन में भी सामाजिक समाघात निर्धारण अध्याय को सम्मिलित कराया गया था। तत्पश्चात प्रथक से सामाजिक समाघात निर्धारण भी कराया जा चुका है।

- : अनुसूची (1) :-

तहसील :- बैरसिया जिला :- भोपाल
सुठालिया सिंचाई परियोजना के अन्तर्गत प्रभावित डूब क्षेत्र की भूमि का भू-अर्जन प्रस्ताव, ग्राम-बड़वेलीकलां

सं.क्र.	विवरण	भूमि का रकबा (हेक्टेयर में)	
		कुल रकबा	प्रभावित रकबा
1	2	3	4
1.	सुठालिया सिंचाई परियोजना के डूब क्षेत्र में प्रभावित ग्राम-बड़वेलीकलां की भूमि की आवश्यकता	16.134	6.485
	कुल योग	16.134	6.485

- : अनुसूची (2) :-

स.क्र.	नाम कृषक, पिता का नाम, जाति ग्राम	सर्वे नंबर	कुल रकबा (हेक्टेयर में)	प्रभावित रकबा (हेक्टेयर में)	अर्जित भूमि का प्रकार
1	2	3	4	5	6
1.	भारतसिंह पुत्र गंगाराम जाति गुजर पता बड़ेवलीकलां बैरसिया भोपाल म.प्र. भूमि स्वामी	18/3	0.421	0.211	कृषि
		कुल 1 किता	0.421	0.211	
2.	सर्जन सिंह पुत्र गंगाराम जाति गुजर पता बड़ेवलीकला बैरसिया भोपाल म.प्र. भूमि स्वामी	18/4	0.421	0.211	कृषि
		कुल 1 किता	0.421	0.211	
3	धूर सिंह पुत्र कनीराम जाति धोबी पता बड़ेवलीकलां बैरसिया भोपाल म.प्र. भूमि स्वामी	16/2	1.214	0.304	कृषि
		कुल 1 किता	1.214	0.304	
4	गोरेलाल पुत्र दयाराम जाति गुजर पता बड़वेलीकलां बैरसिया भोपाल म.प्र. भूमि स्वामी	16/1	1.522	0.761	कृषि
		कुल 1 किता	1.522	0.761	
5	बद्रीलाल पुत्र रतिराम जाति गुजर पता बैरसिया भोपाल म.प्र. भूमि स्वामी	310/1/17/1	2.622	1.835	कृषि
		कुल 1 किता	2.622	1.835	
6	रंगलाल पुत्र जालमसिंह जाति गुजर पता बैरसिया भोपाल म.प्र. भूमि स्वामी	310/1/17/2	1.311	0.656	कृषि
		कुल 1 किता	1.311	0.656	
7	विक्रम गुर्जर पुत्र मेहरबान सिंह जाति गुजर पता बैरसिया भोपाल म.प्र. भूमि स्वामी	310/1/17/3	1.000	0.400	कृषि
		कुल 1 किता	1.000	0.400	
8	मेहरबान सिंह पुत्र जालमसिंह अयोध्या बाई चन्दर बाई पान बाई पुत्री जालम सिंह जाति गूजर पता बैरसिया भोपाल म.प्र. भूमि स्वामी	310/1/17/4	0.311	0.016	कृषि
		कुल 1 किता	0.311	0.016	
9	तेज सिंह पुत्र मोहर सिंह जाति गुजर पता बड़ेवलीकलां बैरसिया भोपाल म.प्र. भूमि स्वामी	22/2/1	2.428	0.049	कृषि
		कुल 1 किता	2.428	0.049	
10	छीतरसिंह पुत्र वंशीलाल जाति गुजर पता बड़ेवलीकलां बैरसिया भोपाल म.प्र. भूमि स्वामी	2/2	0.607	0.030	कृषि
		कुल 1 किता	0.607	0.030	
11	गुलाब सिंह पुत्र देवीलाल पता बड़वेलीकलां बैरसिया भोपाल म.प्र. भूमि स्वामी	2/1/2	1.206	0.965	कृषि
		कुल 1 किता	1.206	0.965	
12	मांगीलाल पुत्र रामप्रसाद जाति बसोड पता बड़वेलीकलां सा. देह शासकीय संस्था	2/1/3	1.619	0.810	कृषि
		कुल 1 किता	1.619	0.810	
13	माधौ पुत्र मिश्रीलाल घीस्या पुत्र मिश्रीलाल जाति सेहरिया पता बड़वेलीकलां बैरसिया भोपाल मध्य	2/1/4	1.914	0.183	कृषि
		कुल 1 किता	1.914	0.183	
14	रेशम बाई बेवा बिहारी जीवनसिंह मनोज पुत्रगण बिहारी पता भोपाल मध्यप्रदेश भूमिस्वामी	2/1/5/1	0.538	0.054	कृषि
		कुल 1 किता	0.538	0.054	
	महायोगः-	कुल 14 किता	16.135	6.486	

भूमि के नक्शे (प्लान) आदि का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी एवं भू-अर्जन अधिकारी (राजस्व) बैरसिया जिला- भोपाल के कार्यालय में किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
कौशलेंद्र विक्रम सिंह)
कलेक्टर एवं पदेन उपसचिव
राजस्व विभाग, जिला- भोपाल (म.प्र.)

जी- 25809/25

भारत भवन में सुरों की त्रिवेणी

निमाड़ी लोकगीतों से कथक की लय तक शिव आराधना

जागरण, भोपाल। भारत भवन के 44वें वर्षगांठ समारोह का रविवार का दिन लोक और शास्त्र के अद्भुत संगम का गवाह बना। दोपहर में जहां अभिनेता धर्मेंद्र की कालजयी फिल्म 'सत्यकाम' के जरिए आदर्शों की संवेदना जागी, वहीं शाम होते-होते परिसर निमाड़ी लोकधुनों और कथक के घुंघरुओं से गूंज उठा। महाशिवरात्रि की आहट के बीच कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से पूरे वातावरण को 'शिवमय' कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत निमाड़ की माटी की खुशबू के साथ हुई। पूर्णिमा चतुर्वेदी और उनके साथियों ने गणपति वंदना के साथ निमाड़ी लोकगीतों की लड़ी पिरोई। इसमें 'झूलत गिरिजा संग उमापति' और शरद पूर्णिमा पर आधारित गीतों ने दर्शकों को अंचल की सहज श्रद्धा से जोड़ दिया। वाद्ययंत्रों की थाप पर सामूहिक गायन ने सामूहिकता की शक्ति का अहसास कराया।

कथक में 'शिवोहम' का दिव्य अनुभव

शाम की अंतिम और सबसे भव्य प्रस्तुति पंडित बिरजू महाराज के पुत्र पंडित दीपक महाराज और उनकी शिष्याओं की रही। 'शंकरा...' की प्रस्तुति से शुरू हुए इस कथक नृत्य में शिव के देवत्व को हस्तमुद्राओं और पदचाप से जीवंत किया गया। घुंघरुओं की रुनझुन के बीच गंगा अवतरण और तांडव के दृश्यों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत में 'कान्हा देखो बृज की ओर' ठुमरी पर नृत्य कर कलाकारों ने रस और माधुर्य का संचार किया।

'सत्यकाम' की आदर्शवादी झलक

सिनेमा अनुभाग के तहत दिखाई गई फिल्म 'सत्यकाम' ने दर्शकों को फिर से उस दौर की याद दिला दी, जब सिनेमा केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज का आईना था। सत्य और सिद्धांतों की लड़ाई लड़ते फिल्म के पात्रों ने आज की पीढ़ी को भी गहराई से प्रभावित किया।

हिमाचल की दुर्लभ 'मुसाधा' गायन परंपरा

मंच पर हिमाचल प्रदेश से आए कलाकार रोशन और कंचन ने 'मुसाधा' गायन प्रस्तुत किया। खंजरी और रुबाना जैसे वाद्यों के साथ जब कलाकारों ने 'शिव कैलाश के वासी' और 'मेरे भोला है भंडारी' जैसे गीत गाए, तो पूरा सभागार मंदिर की घंटियों जैसी प्रतिध्वनि से भर गया। मान्यता है कि यह शैली भगवान विष्णु की आत्मिक पुकार से उत्पन्न हुई है, जिसमें कथावाचन और गायन का मेल होता है।

जनजातीय संग्रहालय में 'संभावना' का आयोजन

सैरा की थाप और तंबूरा भजनों से सजी रविवार की शाम

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में हर रविवार आयोजित होने वाली 'संभावना' श्रृंखला इस बार भी लोक और जनजातीय कलाओं के नाम रही। दोपहर 2 बजे से शुरू हुए इस कार्यक्रम में दर्शकों को प्रदेश के अलग-अलग अंचलों की नृत्य और गायन परंपराओं को करीब से देखने का मौका मिला। इस बार के आयोजन में बुंदेलखंड का जोश और गोंड अंचल की सुरीली परंपरा का सुंदर संगम देखने को मिला।

सैरा नृत्य (दमोह)

दमोह के घनश्याम पटेल और उनके साथियों ने बुंदेलखंड का पारंपरिक सैरा नृत्य पेश किया। हाथों में डंडे लेकर जब कलाकार लयबद्ध तरीके से घूमे, तो पूरा परिसर तालियों से गूंज उठा। यह नृत्य सामुदायिक एकजुटता और फसल कटाई के उल्लास का प्रतीक माना जाता है।

गोंड करमा (डिंडोरी)

डिंडोरी से आईं सेवती धुर्वे और उनके दल ने गोंड करमा नृत्य की प्रस्तुति दी। इस नृत्य की सहजता और कलाकारों की पारंपरिक वेशभूषा ने दर्शकों का मन मोह लिया।

तंबूरा भजन (भोपाल)

आनंदीलाल कुर्मी और दल ने तंबूरा भजन गाए। कबीर के पदों से लेकर राम विवाह के प्रसंगों तक, उन्होंने तंबूरे की तान पर शिव और कृष्ण की महिमा का बखान किया। यह प्राचीन गायन शैली आज भी आध्यात्मिक शांति का बड़ा स्रोत है।

बुंदेली लोकगायन (सागर)

सागर की मीना गौड़ और साथियों ने बुंदेली लोकगायन के खास अंदाज 'लमटेरा' और 'चटकोरी' की मधुर प्रस्तुति दी, जिसमें बुंदेलखंड की माटी की सोंधी खुशबू महसूस की गई।

छतनारा संवाद : कलाओं की परस्परता और जीवन में उनके महत्व पर हुई चर्चा

जागरण, भोपाल। साहित्यिक और सांस्कृतिक संस्था 'छतनारा' द्वारा आयोजित विशेष संवाद सत्र में कला समीक्षक विनय उपाध्याय ने 'कलाओं में परस्परता' विषय पर अपने विचार साझा किए। कवि निशांत उपाध्याय के साथ हुए इस संवाद में कला, जीवन और संस्कृति के गहरे रिश्तों को खंगाला गया। विनय उपाध्याय ने कहा कि जीवन, प्रकृति और सुंदरता का सुंदर छंद ही कलाएं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कला का हर अनुशासन चाहे वह शब्द हो, गान हो या चित्र एक-दूसरे में घुला हुआ है। महाकवि जयदेव के 'गीत गोविंद' का उदाहरण देते हुए उन्होंने इसे काव्य, संगीत और नृत्य की

त्रिवेणी बताया। साथ ही, उन्होंने रागमाला के चित्रों को 'ध्वनि के चित्र' के रूप में परिभाषित किया। निशांत ने बताया कि शब्द का शिल्प ही संगीत की लय बनता है और वही देहबद्ध होकर नृत्य में बदल जाता है। चर्चा में यह भी उभरकर आया कि कलाएं हमेशा अपनी भूमि और परिवेश से जुड़ी रहती हैं और ज्ञान की प्रयोगशाला की तरह काम करती हैं।

लेखन कोई कल्पना नहीं, बल्कि जीवन के अनुभवों का निचोड़ है : अलका अग्रवाल

सिटी गेस्ट

जागरण, भोपाल। प्रख्यात लेखिका और प्रेमचंद सम्मान से सम्मानित अलका अग्रवाल का मानना है कि लेखन केवल अभिव्यक्ति का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की चेतना जगाने का सशक्त औजार है। हाल ही में में भोपाल आई अलका अग्रवाल अपने साहित्यिक सफर, विचारधारा और सामाजिक सरोकारों पर खुलकर बात की। अलका अग्रवाल ने अपने लेखन की शुरुआत सामाजिक संवेदनाओं और जमीनी सच्चाइयों से जुड़कर की। ऑल इंडिया रेडियो और विभिन्न सामाजिक संगठनों के साथ काम करते हुए उन्होंने समाज के उन पहलुओं को करीब से देखा, जो आमतौर पर हाशिए पर रह जाते हैं। यही अनुभव उनके लेखन की आत्मा बने। उनका चर्चित कहानी संग्रह 'मुर्दे इतिहास नहीं लिखते' समाज की विसंगतियों और मानवीय संघर्षों का सजीव दस्तावेज माना जाता है। अपने लेखन दर्शन पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि लेखक की असली पहचान उसकी ईमानदारी और सच के प्रति प्रतिबद्धता से होती है। हरिशंकर परसाई के विचारों से प्रभावित अलका अग्रवाल मानती हैं कि लेखक भले ही सीधे तौर पर समाज सुधारक न हो, लेकिन वह बदलाव की चेतना का संवाहक अवश्य होता है। उनके लेखन में स्त्री मन की पीड़ा, संवेदनशीलता और हाशिए पर खड़े लोगों की आवाज को विशेष स्थान मिलता है। उनके अनुसार पुरस्कार लेखक की जिम्मेदारी को और बढ़ा देते हैं, लेकिन लेखन का मूल स्वभाव निष्पक्ष और निर्भीक बना रहना चाहिए। साहित्य प्रेमियों के लिए यह वर्ष खास रहने वाला है, क्योंकि अलका अग्रवाल की चार नई पुस्तकें प्रकाशित होने जा रही हैं। इनमें दो शोधपरक कृतियां हरिशंकर परसाई पर केंद्रित हैं, जबकि एक नया कहानी संग्रह और एक कविता संग्रह भी शामिल है। युवा लेखकों को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि कलम की ताकत का सही दिशा में उपयोग करें। यदि किसी रचना से समाज की सोच बदलती है और लोगों के भीतर संवेदनशीलता जागती है, तो वही लेखन की सच्ची सफलता है।

एलबीटी में 'अपात्र - गुलबकावली' का मंचन

दफ्तरों में योग्यता और पितृसत्ता के द्वंद्व की चुभती दास्तान

जागरण, भोपाल। श्यामला हिल्स स्थित रंग श्री लिटिल बैले ग्रुप के मंच पर रविवार को रंग माध्यम नाट्य संस्था द्वारा 'अपात्र - गुलबकावली' का मंचन किया गया। दिनेश नायर द्वारा लिखित यह नाटक आधुनिक कॉर्पोरेट और दफ्तरों के उस यथार्थ को उधेड़ता है, जहां एक सक्षम महिला की योग्यता को पुरुषवादी मानसिकता न केवल चुनौती देती है, बल्कि उसे 'अपात्र' सिद्ध करने की साजिश भी रचती है। नाटक में कार्यस्थल की राजनीति (वर्कप्लेस पॉलिटिक्स) और स्त्री संवेदना के बीच के संघर्ष को बड़ी ही प्रतीकात्मकता के साथ पिरोया गया है। मंच पर बारिश की बूंदें और खिड़की पर खिला 'गुलबकावली' का फूल न केवल माहौल बना रहे थे, बल्कि स्त्री की ठगी गई भावनाओं का रूपक भी बने। कल्पना वर्मा की संवेदनशीलता और गुल की व्यावहारिकता के जरिए नाटक ने यह सवाल उठाया कि क्या आज के दौर में मानवीय होना कमजोरी है? सोहराब, कुमार बाबू और रामचरण जैसे पात्रों के जरिए व्यवस्था के उस चेहरे को बेनकाब किया गया, जो स्त्री की मेहनत का फल तो चाहता है, लेकिन उसे बराबरी का सम्मान देने से कतराता है।

जब योग्यता ही बन जाए 'अपात्रता' का कारण

नाटक की कहानी एक दफ्तर के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां 'गुल' नामक अकाउंट ऑफिसर अपनी पूरी ईमानदारी और निष्ठा से काम करती है। लेकिन उसके पुरुष सहकर्मी उसकी योग्यता से असुरक्षित महसूस करते हैं और उसे बार-बार दबाव व आरोपों के घेरे में रखते हैं। वहीं दूसरी ओर 'कल्पना' है, जो पुरानी यादों और गुलबकावली की पौराणिक कथा के जरिए स्त्री की सदियों पुरानी पीड़ा को जोड़ती है। नाटक का सबसे मर्मस्पर्शी हिस्सा 'कठपुतली खेल' है, जो यह दर्शाता है कि कैसे समाज और सत्ता की डोरियाँ आज भी स्त्री के फैसलों को नियंत्रित करती हैं।

मूवी रिव्यू
ओ रोमियो

कास्ट शाहिद कपूर, तृप्ति डिमरी, नाना पाटेकर, अविनाश तिवारी, तमन्ना भाटिया, दिशा पाटनी, फरीदा जलाल, हुसैन दलाल, अरुणा ईरानी
डायरेक्टर विशाल भारद्वाज
श्रेणी हिंदी, रोमांस, क्राइम, एक्शन, थ्रिलर
क्रिटिक रेटिंग 3.5/5
अवधि- 2 घंटा 57 मि.
कहां देखें- थियटर्स

इश्क और बदले की रोमांचक कहानी

अक्खा बॉलीवुड जब शाहिद कपूर में बस एक रोमांटिक चॉकलेटी हीरो देख रहा था, डायरेक्टर विशाल भारद्वाज ने उनमें अपने 'कमीने' को खोज निकाला था। अब दोनों की यह जोड़ी फिल्म 'ओ रोमियो' लेकर आई है और इस बार भी विशाल ने शाहिद को 'उस्तरा' बनाकर धारदार एक्टिंग करवाई है।

एक्टिंग

शाहिद कपूर ने उस्तरा के रूप में अपने करियर की एक और बेहतरीन परफॉर्मेंस दी है। उन्हें इस किरदार में अतरंगीपना, खौफ, दर्द, इश्क, सबकुछ दिखाने का मौका मिला है। यही बात तृप्ति डिमरी पर भी लागू होती है। तृप्ति ने अफशां की मासूमियत, उसका गुस्सा, अपराधबोध और जिद, हर पहलू को बखूबी पर्दे पर उतारा है। नाना पाटेकर जब जब स्क्रीन पर आते हैं, छा जाते हैं। असर के मामले में वह कई बार शाहिद पर भारी पड़ते हैं। फिल्म की बाकी कास्ट में अविनाश तिवारी, राहुल देशपांडे, हुसैन दलाल, दिशा पाटनी, तमन्ना भाटिया, अरुणा ईरानी, विक्रांत मैसी और फरीदा जलाल फिल्म में स्टार पावर जोड़ते हैं।

कहानी

पहले सीन में ही उस्तरा (शाहिद कपूर) की धमाकेदार एंट्री होती है, और फिल्म का डार्क टोन सेट हो जाता है। उस्तरा वो खतरनाक सुपारी किलर है, जो अपने निशाने के शरीर से आत्मा अलग कर देता है। जिस सफाई से वह उस्तरे पर हाथ नचाता है, उसी शानदार अंदाज में ठुमके भी लगाता है। लेकिन उसकी धुन तय करते हैं, खान साहब (नाना पाटेकर)। आईबी के पुलिस अधिकारी खान साहब उस्तरे को दूसरे गैंगस्टर्स का सफाया करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। लेकिन तभी इस दिलफेंक मनचले की जिंदगी में एंट्री लेती है अफशां (तृप्ति डिमरी)। अफशां को बदला लेना है। वह उस्तरा के पास आती तो खूंखार गैंगस्टर जलाल (अविनाश तिवारी) और उसके तीन साथियों की सुपारी लेकर है, लेकिन उसे रोमियो बना जाती है। अब कहानी में ऐसा क्यों होता है? अफशां क्यों जलाल को मारना चाहती है? ये रोमियो अपनी आशिकी में किस हद तक जाता है, यह सब जानने के लिए फिल्म देखनी होगी।

मूवी रिव्यू

यह कहानी चर्चित लेखक हुसैन जैदी की किताब 'माफिया क्वींस ऑफ मुंबई' से ली गई है, जिस पर विशाल भारद्वाज ने इश्क और बदले की रोमांचक दुनिया रची है। कहानी गैंगस्टर्स की है तो यह दुनिया स्याह, खून-खराबे से भरी है, इसलिए कई बार भारीपन भी महसूस होता है। लेकिन तभी विशाल भारद्वाज उसमें मोहब्बत, दोस्ती और अपनेपन की मिठास घोल देते हैं। उस पर नब्बे के दशक से धीरे धीरे से मेरी जिंदगी में आना... और ऐ मेरे हमसफर... जैसे गाने बीच-बीच में सुकून देते हैं। विशाल भारद्वाज जितने जहीन निर्देशक हैं, उतने ही उम्दा संगीतकार भी। इस फिल्म में भी उनका संगीत शानदार है। आशिकों की कॉलोनी, इश्क का फीवर, नीचे पान की दुकान जैसे गाने प्रभावी हैं, जिसका बराबर श्रेय गुलजार के लिखे बोल को भी जाता है। फिल्म की एक खामी इसका करीब तीन घंटा (2 घंटे 57 मिनट) का लंबा रनटाइम है, जिस कारण बाद में यह आपके धैर्य की परीक्षा लेती है।

क्यों देखें

यह गैंगस्टर ड्रामा फिल्म रोचक है। शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की उम्दा अदाकारी और विशाल भारद्वाज का दमदार निर्देशन इसे देखने लायक बनाता है।

कविताओं से बयां हुई पिता के संघर्ष की कहानी

जागरण, भोपाल। साहित्यिक संस्था 'प्रभात साहित्य परिषद' द्वारा हिंदी भवन में 'बाबूजी' विषय पर एक भावपूर्ण काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। वरिष्ठ साहित्यकार महेश प्रसाद सिंह की अध्यक्षता और वरिष्ठ गीतकार राजेंद्र शर्मा 'अक्षर' के मुख्य आतिथ्य में कवियों ने पिता के त्याग, उनके मार्गदर्शन और घर में उनकी अहमियत को अपनी रचनाओं के जरिए पेश किया। गोष्ठी में प्रेमचंद गुप्ता ने पढ़ा 'हम क्या जाने गर्मी-सर्दी बाबूजी, हम कब चलते अपनी मर्जी बाबूजी'। वहीं राजेंद्र शर्मा ने सूने घर का दर्द बयां करते हुए पढ़ा 'आंगन वाला पेड़ आजकल मुरझाया सा रहता है, बना लिया है उसकी जड़ में दीमक ने घर बाबूजी'। चरणजीत कुकरेजा ने पिता के अकेलेपन को रेखांकित किया, तो प्रदीप कश्यप ने वेतन आने पर पिता द्वारा घर में लाई जाने वाली खुशियों का जिक्र किया। डॉ. अनीता तिवारी के संचालन में हुई इस गोष्ठी में सुनीता शर्मा, रमेश नन्द, रणजीव झा, कमल सिंह कमल और दिनेश भदौरिया सहित कई रचनाकारों ने काव्य पाठ किया।

एसएमडब्ल्यू फिल्म्स प्रोडक्शन के आठ वर्ष पूरे

जागरण, भोपाल। राजधानी के प्रोडक्शन हाउस एसएमडब्ल्यू फिल्म्स ने मनोरंजन के क्षेत्र में अपने आठ वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस दौरान संस्था ने संगीत वीडियो, लघु फिल्मों और डिजिटल कंटेंट निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाई है। इस उपलब्धि पर संगीत निर्देशक एस. आर. डेहरिया ने टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सफर सभी कलाकारों और तकनीकी टीम की मेहनत का नतीजा है। संस्था ने अपनी पहचान फिल्म निर्माण के साथ-साथ भक्ति संगीत और पॉडकास्ट के क्षेत्र में भी बनाई है। आने वाले समय में प्रोडक्शन हाउस कुछ नई परियोजनाओं और म्यूजिक वीडियो पर काम करने की योजना बना रहा है। इस मौके पर टीम के सभी सदस्यों ने भविष्य की चुनौतियों और रचनात्मक कार्यों पर चर्चा की।

आधी आबादी, पूरा दम : एआई से लेकर केमिकल रिसर्च तक महिलाओं का बढ़ता दखल

लैब से लेकर लीडरशिप तक लड़कियों की धाक

श्वेता कुमारी। आज की महिलाएं न केवल लैब में नए मॉलिक्यूल्स डिजाइन कर रही हैं, बल्कि डेटा और एआई की दुनिया को भी लीड कर रही हैं। भोपाल के दो प्रमुख संस्थानों की विशेषज्ञों से बातचीत में यह उभरकर आया है कि विज्ञान अब केवल एक विषय नहीं, बल्कि महिलाओं के लिए सशक्तिकरण का सबसे बड़ा जरिया बन चुका है। विज्ञान और तकनीक में महिलाओं की सफलता के लिए अब रास्ता साफ है।

लैब से लीडरशिप की ओर

आईआईएसइआर भोपाल के केमिस्ट्री विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. डिंपी कालिया की यात्रा रिसर्च के प्रति जुनून की मिसाल है। सीडीआरआई लखनऊ से पीएचडी के दौरान उन्होंने टीबी जैसी गंभीर बीमारी के इलाज पर शोध किया। वे बताती हैं कि वर्ष 2009 में उनके द्वारा विकसित तकनीक, जिसे उन्होंने 'भोपाल' नाम दिया, आज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचानी जाती है। डॉ. कालिया कहती हैं, जब मैंने शुरुआत की थी, तब शोध में लड़कियां कम थीं, आज पीएचडी में उनकी संख्या बड़ी है, लेकिन फैकल्टी स्तर पर अब भी कमी है। मेरे विभाग में 27 में से केवल 3 महिला फैकल्टी हैं। इस अंतर को मिटाने के लिए परिवार का सहयोग और संस्थागत समर्थन अनिवार्य है। उनका मानना है कि केमिस्ट्री और बायोलॉजी का मेल (केमिकल बायोलॉजी) भविष्य की जटिल बीमारियों के समाधान की कुंजी है।

डॉ. डिंपी कालिया

तकनीक और स्किल का नया दौर

10 वर्षों से अधिक का अनुभव रखने वाली डेटा साइंस और एआई ट्रेनर कौशिकी उपाध्याय का मानना है कि अब मार्केट का नजरिया डिग्री से बदलकर स्किल पर टिक गया है। कौशिकी कहती हैं, ग्रामीण पृष्ठभूमि की लड़कियों में अक्सर भाषा को लेकर डर होता है, लेकिन जैसे-जैसे उनका स्किल बढ़ता है, वे कोडिंग और ऑटोमेशन में लड़कों को कड़ी टक्कर दे रही हैं। आज सरकार और कंपनियां वुमेन इन टोक के लिए फ्लेक्सिबल वर्किंग और रिटर्न-टू-वर्क जैसी नीतियां अपना रही हैं। कौशिकी के अनुसार, अगले 5 सालों में जेनरेटिव एआई, साइबर सिक्योरिटी और डेटा स्टोरीटेलिंग जैसे क्षेत्रों में स्किल्ड महिलाओं की भारी मांग होगी। अब लड़की है की जगह स्किल्ड प्रोफेशनल है की पहचान समाज में गहराई से स्थापित हो रही है।

कौशिकी उपाध्याय

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

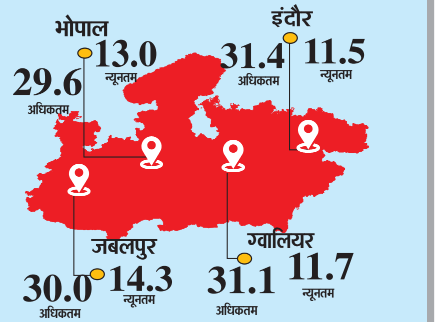

देश के चार महानगरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	28.5	11.1
मुंबई	35.2	21.0
चेन्नई	35.6	17.0
कोलकाता	29.3	16.8

सूर्यास्त 6:16 PM
सूर्योदय 6:53 AM
चन्द्रोदय 05:24 AM
चन्द्रास्त 04:18 PM

टीम इंडिया की जीत पर मध्यप्रदेश में मना जश्न

जागरण, भोपाल। रविवार को टी-20 वर्ल्ड कप में हुए बेहद जोरदार मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 61 रनों से हरा दिया। जैसे ही भारत यह मैच जीता पूरे मध्यप्रदेश में उत्सव का माहौल बन गया। यह मैच राजधानी भोपाल सहित इंदौर, ग्वालियर, गुना सहित अन्य शहरों में क्रिकेट प्रेमियों ने बड़ी स्क्रीन पर देखा, चीयरिंग की और डीजे और आतिशबाजी के साथ जीत का जश्न भी मनाया। जश्न के दौरान युवा देशभक्ति गीतों पर जमकर नाचे ही नहीं उन्होंने तिरंगा भी लहराया और 'भारत माता की जय' के नारे भी लगाए।

10 लाख की सुपारी लेकर वकील की हत्या, शूटर का शार्ट एनकाउंटर

पुलिस पर की फायरिंग, आज काम बंद रखेंगे वकील

जागरण, शिवपुरी। शिवपुरी जिले में वकील संजय कुमार सक्सेना (57) की हत्या शूटर्स से सुपारी देकर कराई गई थी। 10 लाख रुपए की सुपारी लेकर तीन शूटर्स ने वकील को कोर्ट जाते समय गोली मारी थी। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद तीनों शूटर्स को गिरफ्तार कर लिया है। एक शूटर ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी थी। जवाब में पुलिस ने उसे शार्ट एनकाउंटर कर घायल कर दिया।

दो अन्य शूटर्स को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों में बड़ौनी के घुघसी निवासी गोलू रावत (25), डबरा के चांदपुर निवासी पपेंद्र रावत (23) और बड़ौनी के घुघसी निवासी जहीर (24) शामिल हैं। आरोपी गोली रावत ने शनिवार को कट्टे से पीठ पर गोली मारी थी। एक गोली लगने से वकील की जान गई थी। पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के मुताबिक वारदात के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें बनाई गई थी। संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही थी। रविवार सुबह चिरली तिराहा के पास आरोपियों के छिपे होने की सूचना मिली। पुलिस टीम वहां पहुंची तो आरोपी पपेंद्र रावत ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पपेंद्र के पैर में 2 गोलियां लगीं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य दो आरोपियों को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। इस हत्याकांड में पुलिस ने शनिवार शाम को ही शिक्षक कमलेश शर्मा, उनके सरपंच चाचा सुनील शर्मा, नीरज शर्मा और उनके साथी आशीष परिहार के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया था। पुलिस द्वारा अब तक की गई जांच में सामने आया है कि अधिवक्ता संजय सक्सेना जमीनी विवादों के मामलों में पैरवी करने और मुकदमे जीतने के लिए पहचाने जाते थे। परिजनों ने पहले ही जमीनी रंजिश और चुनावी विवाद को हत्या का कारण बताया था। आरोपियों से पूछताछ कर पुलिस अन्य संभावित आरोपियों की तलाश कर रही है।

विरोधः प्रदेश भर के वकील आज नहीं करेंगे पैरवी

शिवपुरी के अधिवक्ता संजय सक्सेना की हत्या के विरोध में प्रदेश भर के वकील सोमवार को न्यायिक कार्य से विरक्त रहेंगे। प्रदेश के किसी भी कोर्ट में वकील पैरवी नहीं करेंगे। मध्यप्रदेश राज्य अधिवक्ता परिषद जबलपुर के आव्हान पर वकीलों ने काम बंद रखने का निर्णय लिया है। स्टेट बार कौंसिल ने चेतावनी दी है कि शासन स्तर पर ठोस कदम नहीं उठाए गए तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। प्रदेश में तत्काल एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए। बार कौंसिल ने अपनी मांगों को लेकर शासन को सात दिन का समय दिया है। इस दौरान मांगें पूरी न होने पर प्रदेश भर के वकील भोपाल में मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे।

बाबू ने अपने और दोस्तों के खातों में डाल लिए किसानों की आपदा राहत के 63 लाख रुपए

सीहोर में सरकारी कर्मचारी का फर्जीवाड़ा, कलेक्टर ने नौकरी से किया बर्खास्त

जागरण, सीहोर। राज्य सरकार किसानों को आपदा से हुए नुकसान की भरपाई करने तत्काल सर्वे कर राहत राशि जारी करने देर नहीं करती, लेकिन प्रदेश के किसान राहत राशि के लिए सरकारी दफ्तरों का चक्कर क्यों काटते रहते हैं, इसका एक कारण सीहोर जिले में सामने आया है। यहां किसानों की आपदा राशि के 63 लाख 58 हजार 894 रुपए तहसील कार्यालय के बाबू ने किसानों तक पहुंचने ही नहीं दिए। बाबू ने सारी राशि अपने और दोस्तों के खातों में दबे पांव ट्रांसफर कर ली। इतनी बड़ी रकम का फर्जीवाड़ा सामने आने पर कलेक्टर ने आरोपी लिपिक को तत्काल नौकरी से बर्खास्त कर दिया है।

सरकारी व्यवस्था और किसानों के हितों में सेंधमारी करने का यह मामला सीहोर जिले की इछावर तहसील का है। इसे सुनकर हर कोई हैरान है, बल्कि किसानों में आक्रोश भी बढ़ता जा रहा है। जिले की इछावर तहसील कार्यालय में पदस्थ सहायक वर्ग तीन सुशील कुमार रायकवार ने किसानों को मिलने वाली आपदा राहत राशि अपने और अपने दोस्तों के खातों में ट्रांसफर कर दी। किसानों को राहत पहुंचाने शासन द्वारा 63 लाख 58 हजार 894 रुपये स्वीकृत किए गए थे। सर्वे आदि के बाद जारी हुई राशि किसानों के खातों में डाली जाना थी, लेकिन सहायक ने दस्तावेजों में हेरफेर कर सारी राशि अपने खुद के दोस्तों के खातों में ट्रांसफर कर ली।

ऐसे खुला घोटाले का राज

राशि जारी होने के बाद भी किसान राहत राशि के लिए तहसील कार्यालय के चक्कर काट रहे थे। कलेक्टर से भी मामले की शिकायत हुई। शिकायत में बाबू सुशील कुमार रायकवार पर किसानों को मिलने वाली आपदा राहत राशि का गबन करने का आरोप लगा था। विभागीय जांच में आरोप सही पाए गए। जांच में पाया गया कि किसानों को बांटने के लिए आई आपदा राहत की सारी राशि आरोपी लिपिक चालाकी से कूटरचित दस्तावेजों के जरिए अपने व अपने दोस्तों के खातों में ट्रांसफर की है जिससे सरकार को गंभीर आर्थिक क्षति हुई है।

बाबू से वसूली जाएगी पूरी राशि

कलेक्टर बालागुरु के भ्रष्टाचार साबित होने पर संबंधित लिपिक को शासकीय सेवा से बर्खास्त कर दिया है। कलेक्टर ने म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के प्रावधानों के तहत दंड अधिरोपित किया गया। भ्रष्टाचार के आरोपी लिपिक को नौकरी से हटाने के साथ ही अब उससे पूरी राशि वसूल करने की तैयारी है। कलेक्टर ने बर्खास्तगी आदेश में भी आरोपी बाबू से दुरुपयोग की गई राशि 63 लाख 58 हजार 894 की वसूली करने पर जोर दिया है।

राजस्व मंत्री का है गृह जिला

सीहोर जिला प्रदेश के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा का गृह जिला और इछावर गृह तहसील है। पिछले दिनों राजस्व मंत्री ने राजगढ़ में कहा था कि अधिकारी-कर्मचारी बिना पैसे के काम नहीं करते। भ्रष्टाचार करते हैं। मैं किसी को माफ नहीं करता। अब उन्हीं की गृह तहसील में भ्रष्टाचार का यह बड़ा सामने आया है।

महिला को डॉक्टर का नंबर सर्च करना पड़ा भारी

इलाज के नाम पर शिक्षक की पत्नी से 1.59 लाख की ठगी

जागरण, शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र में बेटे के इलाज के लिए डॉक्टर का नंबर गूगल पर सर्च करना एक परिवार को भारी पड़ गया। ठगों ने डॉक्टर बनकर बात की और इलाज के नाम पर ऐप डाउनलोड कराकर शिक्षक की पत्नी से एक लाख उनसठ हजार रुपए की ठगी कर ली, पीड़ित परिवार पैसे दिलाने पुलिस से गुहार लगा रहा है। जानकारी के अनुसार, ब्यौहारी निवासी शिक्षक शिवेश कुमार सिंह के छोटे बेटे का इलाज नागपुर में चल रहा है। बेटे की तबीयत खराब होने पर उसकी मां आरती सिंह डॉक्टर से अपॉइंटमेंट लेने गूगल पर नंबर सर्च कर रही थीं, इसी दौरान उनका कॉल साइबर ठगों के पास पहुंच गया, ठगों ने खुद को डॉक्टर का स्टाफ बताते हुए मोबाइल ऐप डाउनलोड करने को कहा।

जेठ को बनाया वेंडर, देवर को बांटा तालाब

लवकुशनगर। गौरिहार जनपद क्षेत्र की ग्राम पंचायत चुरयारी में मनमानी थमने का नाम नही ले रही है ग्रामीणों के बार- बार शिकायत करने के बाद भी सरपंच व सचिव पर कार्रवाई प्रस्तावित नही हो रही है। शिकायतकर्ता रामप्रसाद शुक्ला ने बताया कि ग्राम पंचायत चुरयारी की सरपंच अंकिता निगम द्वारा अपने जेड लक्ष्मी प्रसाद निगम के खाते में 9.93 लाख भतीजे शुभम निगम के खाते में लगभग 7 लाख रुपए बटाईदार घसीटा कुशवाहा के खाते में 12 लाख रुपए के भुगतान कर दिए गए जबकि किसी भी फर्म के नाम कोई दुकान नही है इसके अलावा अन्य ग्रामीण फूलचंद्र दीक्षित के 2.92 लाख रुपए खाते में भेजे गए है यह सभी मामले जांच के बिंदु है।

मछली पकड़ने गए 3 दोस्तों की नाव पलटी, रात तक नहीं मिला एक युवक

रतलाम की मलेनी नदी में बैलेंस बिगड़ने से हादसा, दो दोस्त तैरकर भाग निकले

जागरण, रतलाम। मछली पकड़ने गए तीन दोस्तों की नाव बैलेंस बिगड़ने से नदी में पलट गई। कुछ देर बाद दो युवक तो तैरकर बाहर निकल आए, लेकिन तीसरे दोस्त का पता देर रात तक नहीं लग सका। अंधेरे के कारण पुलिस को रेस्क्यू रोकना पड़ गया। अब सोमवार को फिर से गोताखोर नदी में उतरेंगे। इस घटना से गांव में मातम पसर गया है। वहीं तैरकर बाहर निकले दो युवकों का भी कोई पता नहीं चल सका है। यह हादसा रतलाम जिले के रिंगनोद और बड़ावदा थाना क्षेत्र के बीच मलेनी नदी में रविवार दोपहर हुआ। यह एक डोंगी (पतली नाव) पर सवार होकर तीन दोस्त मछली पकड़ने गए थे। यह तीनों युवक बड़ावदा क्षेत्र के ऊंणी गांव के रहने वाले थे। तीनों युवक मछली पकड़ते-पकड़ते नदी के बीचोंबीच पहुंच गए। यहां अचानक बैलेंस बिगड़ने से इनकी नाव पलट गई। तीनों युवक नदी में ही गिर गए। इनमें से दो युवक तैरकर बाहर आ गए और मौके से भाग गए। जबकि एक युवक डूब गया। सूचना मिलने पर पुलिस और एसडीईआरएफ की टीम ने रेस्क्यू शुरू किया, लेकिन अंधेरा होने के कारण रात 7 बजे ऑपरेशन रोक दिया गया। अब सोमवार सुबह फिर से तलाश शुरू की जाएगी। डूबने वाले युवक की पहचान भोला (पुष्कर) लोहार निवासी ऊंणी के रूप में हुई है। वहीं, तैरकर बाहर निकले दो अन्य युवक भी ऊंणी गांव के ही बताए जा रहे हैं। पुलिस अब उन दोनों की तलाश कर रही है।

बीच में गहरी है नदी

बताया जाता है कि बड़ावदा की तरफ से आ रही नदी का किनारा रिंगनोद की तरफ आता है। यहां पिंगला और मलेनी नदी का संगम भी है। नदी की गहराई करीब 20 फीट है और दोनों तरफ के किनारों की चौड़ाई 200 मीटर से अधिक है। इसलिए काफी देर तक रेक्क्यू चलाने के बाद भी पुलिस को डूबे युवक का पता नहीं चल सका। पुलिस के साथ ही गांव के तैराक भी उसकी तलाश में जुटे थे। अंधेरा होने पर रेस्क्यू रोक दिया गया है। अब सोमवार को डूबे हुए युवक की तलाश की जाएगी। मौके पर तीन थानों का फोर्स तैनात किया गया है।

पिता के पास नहीं थे इलाज के पैसे, डॉक्टर ने रख लिया मोबाइल

जागरण, शिवपुरी। खनियाधाना थाना क्षेत्र में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां सड़क हादसे में घायल युवक के इलाज के बाद प्राइवेट डॉक्टर ने पैसे नहीं होने पर उसे रोक लिया। मजबूरी में पिता को अपना मोबाइल फोन गिरवी रखना पड़ा, तब जाकर डॉक्टर ने बेटे को जिला अस्पताल ले जाने दिया। घायल युवक को देर रात जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। छोटी बामौर निवासी किशोरी आदिवासी ने बताया कि शनिवार शाम उनका 25 वर्षीय बेटा हेमराज आदिवासी दो अन्य युवकों के साथ कार में सवार होकर निकला था। कंजवाया पुल के पास कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे, लेकिन वहां कोई नहीं मिला। बाद में पता चला कि हेमराज को उसके साथी अछरौनी गांव के एक निजी क्लीनिक पर छोड़कर चले गए थे। जब पिता किशोरी आदिवासी क्लीनिक पहुंचे, तो डॉक्टर ने मलहम-पट्टी के बाद 1800 रुपए मांगे। किशोरी के पास इतनी राशि नहीं थी। उन्होंने डॉक्टर से बेटे को पहले शिवपुरी जिला अस्पताल ले जाने देने का अनुरोध किया। आरोप है कि डॉक्टर ने पैसे मिलने के बाद ही मरीज को ले जाने की बात कही। मजबूरी में पिता को अपना मोबाइल फोन डॉक्टर के पास गिरवी रखना पड़ा। इसके बाद ही डॉक्टर ने घायल युवक को क्लीनिक से ले जाने दिया। देर रात हेमराज को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है। किशोरी ने मामले की शिकायत पुलिस में की है।

एक्सीडेंट में घायल बेटे को प्राइवेट डॉक्टर ने रोका

खाने में इल्लियां, बदहाल हॉस्टल को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे छात्र-छात्राएं, किया प्रदर्शन

एकलव्य आवासीय छात्रावास में फूटा छात्र-छात्राओं के सब्र का बांध

जागरण, गुना। जिले में शिक्षा व्यवस्था और सरकारी छात्रावासों की पोल खोलती एक बेहद शर्मनाक तस्वीर सामने आई है। यह तस्वीर तब सामने आई जबकि शहर के बाईपास स्थित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (छात्रावास) के 450 छात्र-छात्राओं ने रविवार को प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए सड़क पर उग्र प्रदर्शन किया। हॉस्टल की बदहाली, घटिया भोजन और प्रबंधन की तानाशाही से त्रस्त छात्र-छात्राएं पैदल मार्च निकालते हुए कलेक्ट्रेट परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने घंटों हंगामा किया। छात्रों का सीधा आरोप है कि पिछले दो वर्षों से पदस्थ प्रिंसिपल अभिषेक पांडे के कार्यकाल में छात्रावास उनके लिए नरक से कम नहीं रह गया है। कलेक्ट्रेट परिसर में मौजूद आक्रोशित छात्रों ने आरोप लगाया कि उन्हें जो भोजन दिया जा रहा है, वह स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। छात्रों ने कहा कि हमें जो दाल और सब्जी परोसी जाती है, उसमें अक्सर इल्लियां और कीड़े तैरते मिलते हैं। राशन की सामग्री इतनी घटिया है कि उसे खाकर बच्चे बीमार पड़ रहे हैं। छात्रों ने शासन द्वारा निर्धारित मेन्यू की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कागजों पर तो अच्छा भोजन दिखाया जाता है, लेकिन हकीकत में उन्हें पोषण के नाम पर कचरा खिलाया जा रहा है।

तौलिया लगाकर नहाने और शौच को मजबूर छात्रः छात्रों ने छात्रावास की जर्जर स्थिति का ब्यौरा देते हुए बताया कि हॉस्टल के शौचालयों और स्नानगृहों के दरवाजे तक गायब हैं। स्थिति इतनी भयावह है कि छात्र-छात्राओं को निजता के लिए गेट की जगह तौलिया टांगकर उपयोग करना पड़ता है। शौचालय पूरी तरह जर्जर हो चुके हैं और उनकी सफाई महीनों से नहीं हुई है। इसके अलावा पीने के पानी की भारी किल्लत बनी हुई है।

प्रिंसिपल की तानाशाहीः छात्रों के निशाने पर सबसे ज्यादा छात्रावास के प्रिंसिपल अभिषेक पांडे रहे। छात्रों ने एक स्वर में मांग की है कि जब तक प्रिंसिपल को पद से नहीं हटाया जाता, वे आंदोलन खत्म नहीं करेंगे। छात्रों का आरोप है कि प्रिंसिपल का व्यवहार उनके प्रति बेहद अभद्र और दमनकारी है। यदि कोई छात्र सुविधाओं की कमी की शिकायत करता है, तो उसे सुधारने के बजाय सीधे छात्रावास से बाहर निकालने या नाम काटने की धमकी दी जाती है।

जांच टीम में छात्र प्रतिनिधि शामिल : कलेक्टर से मुलाकात के बाद प्रशासन ने मामले की गंभीरता को स्वीकार किया है। तहसीलदार गौरी शंकर बैरवा ने मीडिया को बताया कि छात्रों की शिकायतों की निष्पक्ष जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन कर दिया गया है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए जांच दल में दो छात्र प्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया है, ताकि वे स्वयं कमियों को उजागर कर सकें। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी और हॉस्टल की व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाएंगी।

एटीएम कार्ड बदलकर साढ़े तीन लाख की ठगी

जागरण, सागर। मकरोनिया में एक वृद्ध के साथ ठगी का मामला सामने आया है। संदिग्ध व्यक्ति ने उनका एटीएम कॉर्ड बदलकर 13 ट्रांजेक्शन करके बैंक खाते से 3 लाख 34 हजार रुपए निकाल लिए। बुजुर्ग ने मकरोनिया थाने और बैंक पहुंचकर शिकायती आवेदन दिया है। पुलिस के अनुसार विष्णु प्रसाद पटैल उम्र 63 साल निवासी मकरोनिया ने बताया कि वे बैंक ऑफ इंडिया मकरोनिया के एटीएम में पैसे निकालने पहुंचे थे। एटीएम के अंदर मौजूद एक युवक ने धोखाधड़ी करके मेरा एटीएम कार्ड बदल लिया। कुछ दिन बाद मुझे पता चला कि मेरे खाते से ट्रांजेक्शन किया गया है। मामले की शिकायत बैंक में की और स्टेटमेंट निकलवाया। पता चला कि मेरे बैंक खाते से रुपए निकाले गए हैं। जिसमें तीन ट्रांजेक्शन पीओएस मशीन से किए गए हैं। सागर के अलावा सिवनी, हिसार हरियाणा से भी निकाले गए हैं।

मकरोनिया थाना क्षेत्र में वृद्ध के साथ हुई घटना

अपराध

कम्पोजिट दुकान मैनेजर को 5 घंटे बनाया बंधक, मांगे पैसे

सिंगरौली में भाजपा नेता के बेटे पर अपहरण का आरोप

जागरण, सिंगरौली। जिले में भाजपा मंडल उपाध्यक्ष के बेटे पर सनसनीखेज आरोप लगा है। बताया जा रहा है कि सरई स्थित कम्पोजिट दुकान के मैनेजर मनोज राय का गन्नई गांव से जबरन अपहरण कर लिया गया। आरोपियों ने उन्हें 5 घंटे तक बंधक बनाकर रखा और बेरहमी से मारपीट करते हुए 5 लाख रुपए की फिरौती की मांग की। दरअसल यह पूरा मामला सरई अंतर्गत बरका चौकी क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, मुख्य आरोपी भोले बैस, मोहन यादव और उनके 6-7 अन्य साथियों ने मैनेजर को जबरन पकड़कर बंधक बनाया। इस दौरान आरोपियों ने दुकान में रखी नगद राशि भी लूट ली और लगातार फिरौती के लिए दबाव बनाते रहे। फिरौती नहीं देने पर मैनेजर के साथ बेरहमी से मारपीट की गई। अपहरण की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। काफी मशक्तत के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मैनेजर को आरोपियों के कब्जे से मुक्त कराया।

घायल मैनेजर अस्पताल में भर्ती

घटना में घायल मैनेजर मनोज राय को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरई में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने अपहरण, मारपीट, लूट और फिरौती जैसी गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

पहले से आपराधिक रिकॉर्ड

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी पहले भी अवैध रेत परिवहन, शराब तस्करी और मारपीट जैसी घटनाओं में शामिल रह चुके हैं। बताया जा रहा है कि मुख्य आरोपी भोले बैस, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष गुलाब बैस का पुत्र है। वहीं दूसरा आरोपी मोहन यादव सर्राटोला निवासी है और डायल-100 में करीब 10 वर्षों तक चालक रह चुका है।

गन्नई गांव में हुई पूरी वारदात

पूरी घटना बरका चौकी अंतर्गत गन्नई गांव की बताई जा रही है। पुलिस अब आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है। देवसर एसडीओपी गायत्री तिवारी ने बताया कि 13 फरवरी को सूचना मिली थी कि बोलेरो कार में मनोज राय को अवैध शराब का परिवहन करते हुए पकड़ा है। जिस पर केस दर्ज किया गया। वहीं मनोज राय ने बीजेपी मंडल अध्यक्ष के बेटे पर खुद का अपहरण और मारपीट का आरोप लगाया। इस पर भी केस दर्ज किया गया है। एसडीओपी ने बताया कि 14 फरवरी को मनोज राय को कोर्ट में पेश किया गया। फिलहाल दोनों प्रकरण में विवेचना जारी है।

बिजनेस प्लस

नवनीत एज्युकेशन लिमिटेड की ड्रॉइंग प्रतियोगिता आयोजित

नई दिल्ली। नवनीत एज्युकेशन लिमिटेड के 'यूवा मास्टरस्ट्रोक 2025' ने अपने 22वें वर्ष में रचनात्मकता का भव्य उत्सव मनाया। अगस्त से दिसंबर के बीच आयोजित इस अखिल भारतीय ड्रॉइंग प्रतियोगिता में केजी से कक्षा 10 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। देशभर के 6,600 से अधिक स्कूलों और 20 लाख से ज्यादा छात्रों की भागीदारी ने इसे एक व्यापक रचनात्मक मंच बना दिया। प्रतिभागियों को आयु के आधार पर तीन समूहों—ग्रुप ए (केजी-कक्षा 3), ग्रुप बी (कक्षा 4-6) और ग्रुप सी (कक्षा 7-10)—में विभाजित किया गया। जिला स्तर पर प्रविष्टियों का मूल्यांकन भरत पाते के मार्गदर्शन में किया गया, जिनकी सर जे. जे. स्कूल आर्ट ऑफ से जुड़ी पृष्ठभूमि ने प्रक्रिया को गहराई दी। अब तक 40,000 से अधिक विजेताओं को गिफ्ट हैम्पर्स वितरित किए जा चुके हैं, जो इस पहल की सफलता को दर्शाता है।

इशान किशन की धमाकेदार पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से टीम इंडिया की टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत

भारत का दबदबा बरकरार, पाक को 8वीं बार हराया

जेएनएन, कोलंबो

सलामी बल्लेबाज इशान किशन के तूफानी अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने रविवार को आईसीसी टी-20 विश्व कप के ग्रुप-ए मैच में पाकिस्तान पर 61 रन की एकतरफा जीत के साथ सुपर आठ चरण के लिए क्वालिफाई किया। भारत की यह लगातार तीसरी जीत है। भारत सुपर आठ में पहुंने वाली वेस्टइंडीज के बाद दूसरी टीम बन गई है। टी-20 विश्व कप में यह भारत की पाकिस्तान के खिलाफ नौ मैचों में आठवीं जीत है, जबकि उसे सिर्फ एक मैच में हार का सामना करना पड़ा है। भारत के 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम हार्दिक पंड्या (16 रन पर दो विकेट), वरुण चक्रवर्ती (17 रन पर दो विकेट), जसप्रीत बुमराह (17 रन पर दो विकेट) और अक्षर पटेल (29 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 18 ओवर में 114 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की ओर से उस्मान खान (44) के अलावा कोई भी बल्लेबाज टिककर नहीं खेल पाया। उनके अलावा सिर्फ शाहीन शाह अफरीदी (नाबाद 23) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए। इशान ने स्पिन की अनुकूल पिच पर 77 रन की पारी खेलने के अलावा तिलक वर्मा (25) के साथ दूसरे विकेट के लिए 87 रन जोड़े, जिससे भारत ने सात विकेट पर 175 रन बनाए।

यूएसए से भी नीचे पाक

ग्रुप-ए में मौजूद भारतीय टीम ने अब तक खेले तीनों मैच जीतकर 6 अंक हासिल किए और सुपर-8 में जगह पक्की कर ली। ग्रुप में भारत शीर्ष पर है, जबकि दूसरे नंबर पर चार मैचों में दो जीत के साथ यूएसए की टीम है। पाकिस्तान के भी चार अंक हैं, लेकिन भारत से हारकर उसका नेट रन रेट यूएसए से काफी कम हो गया, जिसके चलते वह तीसरे नंबर पर आ गया है। पाकिस्तान ने तीन मैच खेले हैं, जिसमें दो जीत मिली हैं।

यह जीत भारत के लिए है। लेकिन हम इसी तरह की क्रिकेट खेलना चाहते हैं और टॉस के दौरान जैसा मैंने कहा था कि हम पहले बल्लेबाजी ही करना चाहते थे। शुरुआत में हमने विकेट गंवा दिया था, लेकिन किशन ने बढ़िया बल्लेबाजी की। 155 का स्कोर मुकाबले को करीबी बना सकता था, लेकिन 175 पार स्कोर था। तिलक, रिंकू, शिवम सबने बढ़िया बल्लेबाज़ी की और गेंदबाजी में सभी ने अच्छा प्रदर्शन किया। पहले हम बतौर टीम साथ में कुछ अच्छा वक्त गुजारेंगे और हम अहमदाबाद पहुंचने के बाद अगले मुकाबले के बारे में सोचेंगे।

- सूर्यकुमार यादव, कप्तान भारत

शादाब खान को आउट करने के बाद जश्न मनाते तिलक वर्मा और कप्तान सूर्यकुमार यादव।

- कप्तान सलमान आगा ने गेंदबाजी की शुरुआत करते हुए अभिषेक शर्मा को टूर्नामेंट में दूसरी बार शून्य पर आउट किया, लेकिन इसके बाद किशन की पारी का प्रभाव आंकड़ों में साफ दिखा। भारत की बाकी पारी, (एक्स्ट्रा सहित) 80 गेंदों पर सिर्फ 98 रन ही बना सकी, जो पिच की वास्तविक स्थिति को दर्शाता है। पाकिस्तान की पारी भी उसी तरह रही, जिसमें उस्मान खान 34 गेंदों पर 44 रन की पारी खेल अकेले भारतीय गेंदबाजों से लड़ते रहें।
- मैच से पहले काफी चर्चा उस्मान तारिक को लेकर भी थी, लेकिन पाकिस्तान के मुख्य स्पिनर लंबे समय से अबरार अहमद रहे हैं, जो ऑफ ब्रेक के साथ-साथ कैरम बॉल डालते हैं। किशन ने उन्हें भी जमने नहीं दिया और पहली ही गेंद पर स्वीप कर छक्का जड़ दिया।
- पावरप्ले में किशन ने भारत को 51 रनों तक पहुंचाया, जो बेहद अहम था। तीन ऑफ स्पिनर होने के बावजूद पाकिस्तान ने आठवें ओवर में दो बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ लेग स्पिनर शादाब खान को लगाया और 17 रन खर्च कर दिए। जब अयूब ने किशन को आउट किया, उससे एक गेंद पहले ही किशन ने रिवर्स-पुल से चौका जड़ा था। तब तक वे 8.4 ओवर में भारत के 88 रनों में में से 77 रन बना चुके थे। सूर्यकुमार और तिलक ने इसके बाद संयम से खेलना पसंद किया। दोनों ने 33 गेंदों पर 38 रन जोड़े।
- 15 वें ओवर में आक्रमण की कोशिश करते हुए अयूब ने तिलक को आउट कर दिया। इसके बाद उन्होंने हार्दिक को गोल्डन डक पर चलता किया और हैट्रिक गेंद पर शिवम दुबे लगभग बोल्ड ही हो गए थे। उन्हें मिल रही टर्न दिखा रही थी कि भारतीय स्पिनर इस मैच में कमाल कर सकते हैं।
- 18वें और 20वें ओवर में अबरार और शाहीन की वापसी ने भारत को आखिरी आक्रमण करने का मौका दिया। दुबे ने 17 गेंदों पर 27 और रिंकू सिंह ने 4 गेंदों पर 11 रन बनाए। अफरीदी, अबरार और शादाब ने मिलकर 6 ओवर में 86 रन दिए, जो इस पिच पर काफी महंगे साबित हुए।

स्कोर बोर्ड

भारतः 175/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
इशान किशन बो. सईम	77	40	10	3
अभिषेक का. शाहीन बो. आगा	0	4	0	0
तिलक वर्मा पगबाधा बो. सईम	25	24	2	1
सूर्यकुमार का. सईम बो. तारिक	32	29	3	0
हार्दिक पंड्या का. आजम बो. सईम	0	1	0	0
शिवम दुबे रनआउट	27	17	3	1
रिंकू सिंह नाबाद	11	4	1	1
अक्षर पटेल का. सईम बो. शाहीन	0	1	0	0

अतिरिक्तः 3, **कुलः** 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन, **विकेट पतनः** 1-1, 2-88, 3-126, 4-126, 5-159, 6-175, 7-175, **गेंदबाजीः** आगा सलमान 2-0-10-1, शाहीन अफरीदी 2-0-31-1, सईम अयूब 4-0-25-3, अबरार अहमद 3-0-38-0, शादाब खान 1-0-17-0, मोहम्मद नवाज 4-0-28-0, उस्मान तारिक 4-0-24-1

पाकिस्तानः 118/10 (18 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
साहिबजादा का. रिंकू बो. हार्दिक	0	4	0	0
सईम अयूब पगबाधा बो. बुमराह	6	2	0	0
सलमान का. हार्दिक बो. बुमराह	4	4	1	0
बाबर आजम बो. अक्षर	5	7	0	0
उस्मान स्टं. किशन बो. अक्षर	44	34	6	1
शादाब का. शिवम बो. तिलक	14	15	1	0
नवाज का. शिवम बो. कुलदीप	4	5	1	0
अशरफ का. रिंकू बो. वरुण	10	14	1	0
शाहीन शाह अफरीदी नाबाद	23	19	2	1
अबरार पगबाधा बो. हार्दिक	0	1	0	0
उस्मान तारिक बो. हार्दिक	0	3	0	0

अतिरिक्तः 4, **कुलः** 18 ओवर में 114 रन पर सभी आउट, **विकेट पतनः** 1-0, 2-6, 3-13, 4-34, 5-73, 6-78, 7-78, 8-97, 9-97, 10-114, **गेंदबाजीः** हार्दिक 3-1-16-2, बुमराह 2-0-17-2, अक्षर पटेल 4-0-29-2, वरुण चक्रवर्ती 3-0-17-2, कुलदीप यादव 3-0-14-1, तिलक वर्मा 2-0-11-1, रिंकू सिंह 1-0-9-0,

टर्निंग प्वाइंट 13 रन पर ही तीन विकेट गंवा चुका था पाक

लक्ष्य का पीछा करने उतरे पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने दूसरे ओवर में 13 रन तक ही तीन विकेट गंवा दिए। हार्दिक भले ही बल्ले से गोल्डन डक पर आउट हुए, लेकिन गेंद से वह बेहद सटीक रहे। तीन डॉट गेंदों के बाद साहिबजादा ने पुल शॉट खेला और चार गेंद में शून्य पर आउट हो गए। बुमराह ने हार्दिक द्वारा बनाए गए दबाव का फायदा उठाते हुए स्विंग और हार्ड लेंथ से अयूब और आगा को पवेलियन भेजा। अक्षर की धीमी गेंद को स्वीप करने से बाबर आजम चूक गए और 4.5 ओवर में पाकिस्तान का स्कोर 34/4 हो गया। यह मैच लगभग खत्म हो चुका था, लेकिन उस्मान ने ऐसी पारी खेली जो किशन के पारी के लगभग करीब थी। उन्होंने हार्दिक को छक्का लगाया और फिर अक्षर की 15 गेंदों में 27 रन बंटोरे। हालांकि 16वें ओवर में अक्षर ने उनकी चाल भांप ली, तेज गेंद डाली और अंत में किशन ने कैच लेकर भारत की जीत लगभग पक्की कर दी।

भारतीय महिला टीम से भी हारा पाकिस्तान

बैंकॉक, जेएनएन। पुरुष टीम से पहले भारतीय महिला टीम ने एशिया कप राइजिंग स्टार्स में पाकिस्तान को 59 गेंद शेष रहते आठ विकेट से करारी शिकस्त दी। भारत-ए टीम की टूर्नामेंट में पहली जीत है। उसे पहले मैच में यूएई से सात विकेट से हार मिली थी। पाकिस्तान की टीम 18.5 ओवर में महज 93 रन पर आउट हो गई। शवाल जुल्फिकार (23), गुल रुख (21) और अनोशा नासिर (17) दोहरे अंक तक पहुंची। भारत के स्पिनरों ने अपनी सटीक गेंदबाजी से आपस में पांच विकेट साझा कर पाकिस्तान को दबाव में डाल दिया। कप्तान राधा यादव (तीन ओवर में 11 रन पर दो विकेट), प्रेमा रावत (तीन ओवर में 16 रन पर दो विकेट) और मिन्नू मणि (2.5 ओवर में 10 रन पर एक विकेट) ने शानदार गेंदबाजी की। तेज गेंदबाज साइमा ठाकोर ने चार ओवरों में सिर्फ 14 रन देकर दो विकेट लिए। जवाब में भारत ने 10.1 ओवर में दो विकेट खोकर 97 रन बना लिए। दिनेश वृंदा ने 29 गेंद में 12 चौकों की मदद से 55 रन बनाए। अनुष्का शर्मा ने 24 रन की पारी खेली।

मैदान से हटकर

इशान जयपुर की मॉडल से शादी करेंगे दादा ने बताया अदिति हुंडिया का नाम

टी20 विश्व कप में भारत ने पाकिस्तान पर 61 रन की बड़ी जीत दर्ज की। इस जीत में सलामी बल्लेबाज इशान किशन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस मैच से पहले इशान के लिए शादी की बड़ी खबर आई। इशान के दादा अनुराग पांडेय ने उनकी गर्लफ्रेंड का नाम बताया है। जिसके बाद इशान के जयपुर की मॉडल अदिति हुंडिया के साथ अफेयर की पुष्टि हो गई है। इशान के दादाजी ने न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में बताया कि इशान, जिससे भी शादी करेगा मुझे स्वीकार है। उसके बड़े भाई ने कहा था कि पल्लवी से शादी करेंगे तो हमने करवा दी थी। अब इसकी भी करवा देंगे। अदिति उसकी गर्लफ्रेंड है। वो जयपुर में रहती है। मॉडल है, मिस इंडिया कंटेस्ट में दूसरे नंबर पर आई थी। इशान के डेटिंग के चर्चे पहले ही थे, लेकिन अब उनके रिलेशनशिप पर मुहर लग गई है। कयास हैं कि टी-20 वर्ल्ड कप के बाद इशान शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि, शादी की डेट की अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इशान के दादा ने खुशी भरे लहजे में कहा, उसका जो मन होगा वही करेगा। उससे ही शादी करेगा और हम एक्सेप्ट करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जिसमें बाल बच्चे खुश रहते हैं ना वही काम करना चाहिए। समाज लोग क्या बोलते हैं इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ना चाहिए। गांव वालों के फेर में नहीं पड़ना चाहिए। (जेएनएन)

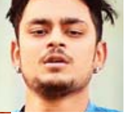

नेपाल पर बड़ी जीत से वेस्टइंडीज सुपर आठ में

जेसन होल्डर, शाई होप और हेटमायर के शानदार प्रदर्शन से लगातार तीसरी जीत

मुंबई, जेएनएन। अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर की अगुआई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के उत्कृष्ट खेल के दम पर वेस्टइंडीज ने रविवार को टी-20 विश्व कप के ग्रुप-सी में नेपाल को 28 गेंद शेष रहते हुए नौ विकेट से करारी शिकस्त देकर सुपर आठ में अपनी जगह पक्की की। नेपाल की तरफ से दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 47 गेंद पर 58 रन की शानदार पारी खेली, जिससे उनकी टीम पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद आठ विकेट पर 133 रन बनाने में सफल रही। ऐरी के अलावा सोमपाल कामी ने 15 गेंद पर चार चौकों की मदद से नाबाद 26 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज ने इसके जवाब में 15.2 ओवर में एक विकेट पर 134 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल किया। उसकी तरफ से कप्तान शाई होप ने 44 गेंद पर नाबाद 61 रन बनाए। शिमरोन हेटमायर ने 32 गेंद पर नाबाद 46 रन बनाए। इन दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 91 रन की अटूट साझेदारी की। वेस्टइंडीज की यह लगातार तीसरी जीत है, जिससे उसने छह अंक के साथ ग्रुप-सी में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। वह सुपर आठ में पहुंचने वाली पहली टीम है। इंग्लैंड चार अंक के साथ इस ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। नेपाल की यह लगातार तीसरी हार है और वह सुपर आठ की दौड़ से बाहर हो गया है। वेस्टइंडीज की जीत की नींव उसके गेंदबाजों ने रखी। प्लेयर ऑफ द मैच होल्डर ने चार ओवर में 27 रन देकर चार विकेट लिए। मैथ्यू फोर्ड ने चार ओवर में 10 रन देकर एक विकेट लिया।

प्लेयर ऑफ द मैच बने होल्डर

नेपाल के 11 ओवर में थे मात्र 46 रन

नेपाल के लिए ऐरी ने दूसरे छोर से विकेट गिरने के बावजूद धैर्य और आक्रामक रवैए का अच्छा नमूना पेश किया। नेपाल 11वें ओवर तक केवल 46 रन बनाए थे और इस बीच उसने पांच विकेट गंवा दिए थे। नेपाल के लिए मुश्किलें पहले ही ओवर में शुरू हो गईं जब कुशाल भुर्तेल (01) को अकील हुसैन ने आउट किया। नेपाल के कप्तान रोहित पौडेल (05) ने भी अपनी गलती से विकेट गंवाया। वह लेग साइड में फ्लिक करने से चूक गए और फोर्ड की गेंद पर पगबाधा आउट हो गए। लेकिन शायद सबसे खराब शॉट आरिफ शेख ने खेला, जिन्होंने होल्डर की लेग स्टंप के बाहर की गेंद पर फाइन लेग पर कैच दिया। नेपाल का छठे ओवर की समाप्ति के बाद स्कोर तीन विकेट पर 22 रन था। इस तरह से उसने इस टी-20 विश्व कप में पावरप्ले का सबसे कम स्कोर बनाया। लोकेश बाम (13) सस्ते में आउट हो गए और गुलशन झा (11) भी फ्लॉप रहे।

विश्व कप में अपना सबसे बड़ा स्कोर बनाकर जीता यूएसए

चेन्नई, जेएनएन। अमेरिका ने टी-20 विश्व कप ग्रुप-ए मैच में रविवार को नामीबिया को 31 रन से हराकर सुपर आठ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीदों को कायम रखा है। लगातार दो जीत के साथ अमेरिका ने ग्रुप चरण को चार अंकों के साथ समाप्त किया और भारत और पाकिस्तान के बाद तीसरे स्थान पर है। संजय कृष्णमूर्ति (नाबाद 68) और कप्तान मोनांक पटेल (52) की आक्रामक अर्धशतकीय पारियों से अमेरिका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 199 रन बनाए, जो टी-20 विश्व कप में उसका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। सलामी बल्लेबाज लॉरेन स्टीनकैंप की 58 रन की पारी के बावजूद नामीबिया की टीम छह विकेट पर 168 रन ही बना सकी। अमेरिका के लिए शानदार लय में चल रहे शैडली वैन शाल्कविक ने दो विकेट चटकाए और अब उनके नाम टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 13 विकेट हो गए हैं। प्लेयर ऑफ द मैच कृष्णमूर्ति ने नाबाद 68 रन की पारी खेलने के साथ मिलिंद कुमार (20 गेंद में 28 रन) के साथ चौथे विकेट के लिए 87 रन की साझेदारी कर टीम को 200 रन के करीब पहुंचाया।

श्रीलंका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए करो या मरो की स्थिति

पल्लीकल, जेएनएन। चोटिल खिलाड़ियों की समस्या से जूझ रही ऑस्ट्रेलिया की टीम श्रीलंका के खिलाफ सोमवार को होने वाले टी-20 विश्व कप ग्रुप-बी के महत्वपूर्ण मुकाबले में बिना किसी अगर मगर के सुपर आठ में पहुंचने की अपनी उम्मीद जीवित रखने के लिए अनुभवी स्टीव स्मिथ को टीम में शामिल करने पर विचार कर सकती है। ऑस्ट्रेलिया के पास अब गलती की कोई गुंजाइश नहीं है। श्रीलंका के खिलाफ हार के बाद भी वो गणितीय समीकरण से बाहर नहीं होंगे, लेकिन उसके बाद उनका आगे जाना दूसरी टीमों के मैच के परिणाम पर निर्भर करेगा। श्रीलंका ने पहले दो मैचों में लगातार दो जीत दर्ज की थी और इस मैच में जीत उन्हें सीधे सुपर 8 में पहुंचा देगी। इस मैच में हार के बाद भी श्रीलंका के सामने जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच में जीत हासिल कर आगे जाने का मौका रहेगा।

अफगानिस्तान को पहली जीत की तलाश

नई दिल्ली, जेएनएन। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में सुपर ओवर की हार से आहत अफगानिस्तान ग्रुप-डी के करो या मरो के मुकाबले में यूएई के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करके सुपर आठ में पहुंचने की अपनी धुंधली उम्मीद बरकरार रखने की कोशिश करेगा। दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड क्रमशः छह और चार अंकों के साथ ग्रुप डी में शीर्ष दो स्थानों पर काबिज हैं, ऐसे में यूएई की क्वालीफाई करने की उम्मीदें जीत और अन्य मैचों में अनुकूल परिणामों के अनुकूल रहने पर टिकी हैं।

सुपर आठ में जगह पक्की करने उतरेगा इंग्लैंड

कोलकाता, जेएनएन। दो बार का चैंपियन इंग्लैंड अपने आखिरी ग्रुप-सी मैच में टी-20 विश्व कप में पहली बार खेल रहे फुटबॉल के अपने चिर प्रतिद्वंद्वी इटली को हराकर सुपर आठ में जगह पक्की करने के इरादे से उतरेगा। इंग्लैंड और इटली के बीच फुटबॉल पिच पर जबरदस्त प्रतिद्वंद्विता है और दोनों टीमों के बीच कई यादगार मुकाबले खेले गए हैं। इसमें वेम्बले में यूरो 2020 फाइनल में इटली की पेनल्टी शूटआउट में जीत भी शामिल है। हालांकि सोमवार को यह प्रतिद्वंद्विता पहली बार फुटबॉल की जगह क्रिकेट में नजर आएगी और ईडन गार्डन्स इसका गवाह बनेगा।

इंग्लैंड के स्टार फुटबॉलर केन ने दागा करियर का 500वां गोल

बर्लिन, जेएनएन। इंग्लैंड के स्टार फुटबॉलर हैरी केन ने बायर्न म्यूनिख की तरफ से दो गोल करके अपने देश और विभिन्न क्लबों की तरफ से 500 गोल करने की उपलब्धि हासिल की। केन ने अपने दो गोल में से एक गोल पेनल्टी पर किया। यह पेनल्टी पर किया गया उनका 100वां था। केन के दो गोल की मदद से बायर्न ने वेर्डर ब्रेमेन पर 3-0 से जीत हासिल करके बुंडेसलिगा में अपनी छह अंकों की बढ़त बरकरार रखी। केन ने मैच के बाद कहा कि अच्छा लग रहा है। 500 गोल तक पहुंचना वाकई गर्व की बात है। इसमें बहुत मेहनत और त्याग लगा है, इसलिए यहां तक पहुंचकर बहुत अच्छा लग रहा है। लेकिन हमेशा की तरह अब अगला मैच ही मायने रखता है। केन ने अपना पहला गोल जनवरी 2011 में 17 साल की उम्र में इंग्लैंड के तीसरी श्रेणी के क्लब लेटन ओरिएंट की तरफ से खेलते हुए शेफील्ड वेडनेसडे के खिलाफ किया था। केन को 500 गोल तक पहुंचने के लिए 743 मैचों की जरूरत पड़ी। इस 32 वर्षीय इस फॉरवर्ड ने इंग्लैंड के लिए 112 मैचों में 78 गोल किए हैं।

अरुंधति के चौके से भारत ने पहले महिला टी-20 में ऑस्ट्रेलिया को 21 रन से हराया

सिडनी, जेएनएन। भारत ने रविवार को वर्षा से प्रभावित पहले महिला टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया को डकवर्थ-लुइस (डीएलएस) पद्धति के तहत 21 रन से हरा दिया। प्लेयर ऑफ द मैच तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी (22 रन पर चार विकेट), रेणुका सिंह (14 रन पर दो विकेट) और श्री चरणी (14 रन पर दो विकेट) की तूफानी गेंदबाजी के सामने ऑस्ट्रेलिया की टीम 18 ओवर में 133 रन पर ढेर हो गई। भारत ने इसके जवाब में जब उप कप्तान स्मृति मंधाना (17 गेंद में नाबाद 16) और जेमिमा रोड्रिग्स (तीन गेंद में नाबाद नौ) की पारियों से 5.1 ओवर में 50 रन बनाए थे, जब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा जो दोबारा शुरू नहीं हो पाया। भारत को इसके बाद विजेता घोषित किया गया, क्योंकि 5.1 ओवर के बाद डीएलएस के तहत बराबरी का स्कोर 29 रन था। भारत ने एकमात्र विकेट शेफाली वर्मा (11 गेंद में 21 रन) के रूप में गंवाया, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया की नई कप्तान सोफी मोलिन्यु की गेंद पर अपना विकेट गंवाया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 2.2 ओवर में 22 रन बनाकर तेज शुरुआती की, लेकिन बेथ मूनी (05) ने रेणुका की गेंद को हवा में लहराकर कवर्स में मंधाना को कैच थमा दिया। दूसरी सलामी बल्लेबाज जॉर्जिया वोल (10 गेंद में 18 रन) भी इसके बाद क्रांति गौड़ (39 रन पर एक विकेट) की बाहर की ओर जाती गेंद को कट करने की कोशिश में विकेटकीपर रिचा घोष को कैच दे बैठीं।

प्लेयर ऑफ द मैच अरुंधति

रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनलः राहुल और पडिक्कल का कर्नाटक के लिए शतक, घरामी ने बंगाल को संभाला

जेएनएन, लखनऊ

सीनियर सलामी बल्लेबाज केएल राहुल (141) और कप्तान देवदत्त पडिक्कल (नाबाद 148) के बड़े शतक से कर्नाटक ने रविवार को उत्तराखंड के खिलाफ रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के पहले दिन दो विकेट पर 355 रन बनाकर बड़े स्कोर की ओर कदम बढ़ाए। उत्तराखंड के कप्तान कुणाल चंदेला ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, जिसके बाद कर्नाटक के दो अनुभवी बल्लेबाजों ने विरोधी गेंदबाजों को काफी परेशान किया। क्वार्टर फाइनल में मुंबई पर कर्नाटक की जीत में शानदार शतक जड़ने वाले भारत के टेस्ट और वनडे विशेषज्ञ राहुल ने एक और शानदार पारी खेली। उन्होंने 25वां प्रथम श्रेणी शतक जड़ा। एकाना क्रिकेट स्टेडियम में पहले दिन का खेल खत्म होने पर पडिक्कल 236 गेंद पर 148 रन बनाकर खेल रहे थे। आठ बार के रणजी चैंपियन कर्नाटक के लिए दूसरे छोर पर करुण नायर 37 रन बनाकर पडिक्कल का साथ निभा रहे हैं। राहुल और पडिक्कल ने दूसरे विकेट के लिए ने 278 रन जोड़कर कर्नाटक को मजबूत मंच दिया।

घरामी का लगातार दूसरा शतक

कल्याणी (पश्चिम बंगाल), जेएनएन। सुदीप घरामी (227 गेंद पर नाबाद 136 रन) ने धैर्य की मिसाल पेश करते हुए क्वार्टर फाइनल की लय को बरकरार रखा और लगातार दूसरा शतक जड़कर बंगाल को जम्मू-कश्मीर के खिलाफ पांच विकेट पर 249 रन तक पहुंचाया। दिन के अंतिम चरण में शाहबाज अहमद (42) का आउट होना जम्मू-कश्मीर के लिए राहत भरा रहा। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सुनील कुमार की अंदर आती गेंद पर शाहबाज बोल्ड हो गए। अब दूसरे दिन की शुरुआत में 80वें ओवर की आखिरी गेंद के बाद नई गेंद उपलब्ध होगी, तब जम्मू-कश्मीर के पास दबाव बनाने का मौका रहेगा। क्वार्टर फाइनल में आंध्र के खिलाफ 15 घंटे से अधिक बल्लेबाजी कर 299 रन की मैच जिताऊ पारी खेलने वाले घरामी ने यहां भी उसी आत्मविश्वास के साथ शुरुआत की।

संक्षिप्त समाचार

कैलिफोर्निया: भारतीय छात्र का शव मिला

नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया का एक 22 वर्षीय भारतीय छात्र 9 फरवरी से लापता था। अब भारतीय उच्चायोग ने बताया है कि बर्कले के 22 साल के छात्र साकेत श्रीनिवासैया की मौत हो गई है। भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, उच्चायोग को यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि लोकल पुलिस ने लापता इंडियन स्टूडेंट साकेत श्रीनिवासैया की बॉडी मिलने की पुष्टि कर दी है। हम इस बहुत मुश्किल समय में उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हैं। कॉन्सुलेट परिवार को सभी जरूरी मदद देने के लिए तैयार है, जिसमें लोकल अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेशन और जल्द से जल्द पार्थिव शरीर को भारत वापस लाने का इंतज़ाम शामिल है। भारतीय कॉन्सुलेट ऑफिसर परिवार के सीधे संपर्क में हैं।

ओवैसी बोले-वंदे मातरम वफादारी का टेस्ट ना बने

नई दिल्ली, जेएनएन। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि वंदे मातरम गाना और इसको सम्मान देना देश से वफादारी का टेस्ट ना माना जाए। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भारत को एक धार्मिक देश बनाना चाहते हैं। ओवैसी ने कहा कि संविधान हम लोग से शुरू होता है, भारत माता की जय जैसे नारों से नहीं। उन्होंने कहा कि आर्टिकल 25 धर्म की आजादी के बुनियादी अधिकार की गारंटी देता है। दरअसल, केंद्र सरकार ने 12 फरवरी को एक आदेश जारी कर राष्ट्रगीत वंदे मातरम को राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही सम्मान देना अनिवार्य कर दिया है। आदेश के मुताबिक राष्ट्रगीत के सभी 6 अंतरे गाए जाएंगे, जिनकी कुल अवधि 3 मिनट 10 सेकेंड है। अब तक मूल गीत के पहले दो अंतरे ही गाए जाते थे।

22 अप्रैल से खुलेंगे बाबा केदारनाथ के कपाट

देहरादून, जेएनएन। उत्तराखंड के उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित प्रख्यात केदारनाथ मंदिर के कपाट शीतकाल में करीब 6 महीने बंद रहने के बाद श्रद्धालुओं के लिए 22 अप्रैल को एक बार फिर से खोल दिए जाएंगे। जनसंपर्क अधिकारी डॉ.हरीश गौड़ ने बताया कि महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर रविवार को बाबा केदार के शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में परंपरागत पूजा-अर्चना के बाद धर्माचार्यों और वेदपाठियों ने पंचांग गणना कर कपाट खुलने का मुहूर्त निकाला। उन्होंने बताया कि द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से एक केदारनाथ मंदिर के कपाट इस वर्ष 22 अप्रैल को वृष लग्न में सुबह आठ बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने का मुहूर्त निकलने के साथ ही गढ़वाल हिमालय के चारों धामों की तिथियां भी तय हो गई हैं।

हैदराबाद: सिंगापुर उड़ान के नाम धमकी भरा मेल

नई दिल्ली, जेएनएन। हैदराबाद स्थित राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उस समय हड़कंप मच गया जब संभावित विस्फोट की चेतावनी वाला एक ईमेल एयरपोर्ट प्रबंधन को मिला। संदेश मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गईं और मानक सुरक्षा प्रक्रियाएं तुरंत लागू कर दी गईं। 14 फरवरी की सुबह लगभग 8 बजकर 56 मिनट पर एयरपोर्ट संचालन नियंत्रण केंद्र को यह धमकी भरा संदेश मिला। ईमेल में सिंगापुर से हैदराबाद आने वाली एक यात्री उड़ान का खासतौर से जिक्र किया गया था। यही विमान हैदराबाद में राजीव गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लैंड करने वाली थी। ईमेल भेजने वाले ने खुद को एक संगठन से जुड़ा बताते हुए दावा किया कि विमान में प्रतिबंधित उग्रवादी समूह से कथित तौर पर जुड़े लोग सवार हैं और विमान के पहुंचने पर हवाई अड्डे के टर्मिनल पर विस्फोट की धमकी दी। ईमेल में भड़काऊ और साम्प्रदायिक संदर्भ भी शामिल बताए गए।

रोहित ने की बारामती हादसे की जांच की मांग

मुंबई, जेएनएन। एनसीपी के विधायक रोहित पवार ने शनिवार को बताया कि उन्होंने 28 जनवरी को हुए विमान हादसे में अजित पवार की मौत के मामले में व्यापक और पारदर्शी जांच की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। करजत-जामखेड़ से विधायक रोहित पवार ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने अपनी चिंताओं को दर्शाते हुए एक प्रेजेंटेशन के साथ ईमेल केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू और डीजीसीए को भेजा है। उन्होंने भेजे गए पत्रों और ईमेल की तस्वीरें भी साझा कीं। रोहित पवार ने कहा कि उनकी इस मांग का उद्देश्य राजनीतिक नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि दुर्घटना के पीछे की सच्चाई बिना किसी संदेह के सामने आए। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि घटना की वास्तविक घटनाक्रम जनता के सामने रखा जाए।

नई दिल्ली में आज से शुरू होगी एआई इम्पैक्ट समिट 2026, पीएम करेंगे उद्घाटन

वैश्विक एआई विमर्श को नई दिशा देने की तैयारी में भारत

नई दिल्ली, जेएनएन। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की तेज रफ्तार प्रगति ने दुनिया के सामने कई बुनियादी सवाल खड़े कर दिए हैं- क्या एआई नौकरियां छीन लेगा? क्या भारत को अपने बड़े भाषा मॉडल बनाने चाहिए? क्या हम एआई-फर्स्ट दुनिया के लिए तैयार हैं? और क्या डेटा सेंटर्स की बढ़ती मांग पर्यावरण पर बोझ बनेगी? इन सवालों के बीच 16 से 20 फरवरी तक नई दिल्ली में 'एआई इम्पैक्ट समिट 2026' आयोजित हो रहा है, जिसकी मेजबानी भारत कर रहा है। यह समिट पहली बार ग्लोबल साउथ में हो रहा है और इसे एआई पर चल रही अंतरराष्ट्रीय चर्चा का नया अध्याय माना जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन भारत मंडपम में होगा और इसमें 100 से अधिक देशों की भागीदारी की उम्मीद है।

'पीपल, प्लेनेट और प्रोग्रेस' पर जोर

भारत इस मंच पर केवल नियम-कायदों की बात नहीं करना चाहता, बल्कि जमीनी समस्याओं के समाधान में एआई के उपयोग पर फोकस करना चाहता है। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी सचिव एस. कृष्णन के अनुसार, भारत का दृष्टिकोण 'पीपुल, प्लेनेट और प्रोग्रेस' पर आधारित है यानी एआई को लोगों के जीवन, पर्यावरण और विकास से जोड़ना। अभिषेक सिंह, सीईओ, इंडिया एआई मिशन के अनुसार, समिट का एक प्रमुख विषय एआई का लोकतंत्रीकरण होगा।

वैश्विक नेतृत्व की मौजूदगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समिट का उद्घाटन करेंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुल मैक्रों और ब्राजील के राष्ट्रपति लुला डिसिल्वा समेत 15-20 राष्ट्राध्यक्षों की भागीदारी संभावित है। टेक जगत के दिग्गज भी शामिल होंगे, जिनमें सुंदर पिचाई, सैम आल्टमैन, शांतानु नारायण, डारियो अमोदेई और डेमिस हासबिस शामिल हैं। उद्योग जगत से मुकेश अंबानी भी उपस्थित रहेंगे।

क्या होंगे प्रमुख मुद्दे?

समिट में 500 से अधिक सत्र होंगे। इनमें एआई और रोजगार, ट्रस्ट और सेफ्टी प्रोटोकॉल, एआई गवर्नेंस, और विशेष उद्योगों में एआई के उपयोग पर चर्चा होगी।

घोषणा पत्र पर सबकी नजर

समिट का समापन एक संयुक्त घोषणा पत्र के साथ होगा। हालांकि भाषा को लेकर सावधानी बरती जाएगी, क्योंकि पिछले साल फ्रांस में हुए समिट में अमेरिका और ब्रिटेन ने सख्त नियामक रुख के कारण दस्तावेज पर हस्ताक्षर नहीं किए थे।

6 महीनों में 60 अरब बॉट ब्लॉक

भारतीय रेलवे ने जुलाई से दिसंबर के बीच ई-टिकटिंग सिस्टम पर आए 97.53 अरब अनुरोधों में से 60 अरब से अधिक बॉट प्रयासों को ब्लॉक कर केवल 37.1 अरब वैध बुकिंग को अनुमति दी।

बॉट के आंकड़े	कुल अनुरोध	ब्लॉक बॉट	स्वीकृत अनुरोध
	97.53 अरब	60 अरब	37.1 अरब

महीनेवार विवरण

- जुलाई- 9.06 अरब 7 5.03 अरब बॉट
- अगस्त- 11.04 अरब 7 5.07 अरब बॉट
- सितंबर- 19.04 अरब 7 12.5 अरब बॉट
- अक्टूबर- 24.04 अरब 7 17 अरब बॉट
- नवंबर- 20.07 अरब 7 14.03 अरब बॉट
- दिसंबर- 14.28 अरब 7 7.25 अरब बॉट

अतिरिक्त कार्रवाई

12,819 संदिग्ध ईमेल डोमेन ब्लॉक

3.03 करोड़ संदिग्ध यूजर आईडी निष्क्रिय

3.99 लाख संदिग्ध बुकिंग के मामले में 376 शिकायतें

रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने बताया कि नेटवर्क फायरवॉल, इंट्रूजन प्रिवेंशन सिस्टम और वेब एप्लिकेशन फायरवॉल जैसे बहु-स्तरीय सुरक्षा उपाय लागू किए गए हैं। तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य किया गया है, ताकि फर्जी और एजेंट-नियंत्रित खातों पर रोक लगाई जा सके और टिकटों का निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित हो।

अमेरिका से परमाणु समझौते पर बातचीत को तैयार ईरान

प्रतिबंध हटें तो डील संभव, मिसाइल प्रोजेक्ट 'रेड लाइन'

तेहरान, वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। ईरान ने अमेरिका के साथ परमाणु समझौते पर फिर से बातचीत की इच्छा जताई है। ईरान के उप विदेश मंत्री माजिद तख्त रवांची ने एक इंटरव्यू में कहा कि अगर अमेरिका प्रतिबंध हटाने पर गंभीरता से चर्चा करता है, तो तेहरान अपने परमाणु कार्यक्रम से जुड़े कई मुद्दों पर समझौते के लिए तैयार है। दोनों देशों के बीच वार्ता का अगला दौर जिनेवा में प्रस्तावित है।

हालांकि, ईरान ने साफ कर दिया है कि उसके बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर कोई बातचीत नहीं होगी। यह वही मुद्दा है जिसे अमेरिका और इजराइल लगातार उठाते रहे हैं। तख्त-रवांची ने कहा, 'जब हम पर इजराइल और अमेरिका ने हमला किया, तो हमारी मिसाइलों ने हमारी रक्षा की। हम अपनी रक्षात्मक क्षमता से खुद को कैसे वंचित कर सकते हैं?' तख्त-रवांची ने क्षेत्र में 40,000 से अधिक अमेरिकी सैनिकों की तैनाती पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि दूसरा युद्ध सभी के लिए विनाशकारी होगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि 'अगर हमारे अस्तित्व पर खतरा हुआ, तो जवाब दिया जाएगा।'

400 किलोग्राम से अधिक उच्च स्तर का समृद्ध यूरेनियम है ईरान के पास

2015 के समझौते में ईरान ने अपना अतिरिक्त यूरेनियम रूस भेजा था।

» ईरान से रूस ने सामग्री स्वीकार करने की पेशकश की है, लेकिन इस पर अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। तेहरान अस्थायी रूप से यूरेनियम संवर्धन रोकने का विकल्प देख रहा है।

अमेरिका का रुख

डील मुश्किल, लेकिन दरवाजा खुला

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने हाल में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समझौता चाहते हैं, लेकिन ईरान के साथ डील करना आसान नहीं है। ट्रंप ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि परमाणु कार्यक्रम को सीमित करने पर सहमति नहीं बनी, तो सैन्य विकल्प भी खुला है। क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी बढ़ने से तनाव और गहरा गया है।

ईरान की शर्त

केवल परमाणु मुद्दे पर बात, मिसाइल नहीं

ईरान की स्पष्ट शर्त है कि वार्ता केवल परमाणु कार्यक्रम तक सीमित रहे। बैलिस्टिक मिसाइल, क्षेत्रीय प्रॉक्सी समूहों या रक्षा क्षमताओं पर बातचीत नहीं होगी। मिसाइल कार्यक्रम उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा है और इसे छोड़ना आत्मरक्षा से समझौता होगा। 2025 में ईरान की मिसाइल क्षमता ने ही संतुलन बनाया।

60 फीसदी समृद्ध यूरेनियम घटाने का प्रस्ताव

ईरान का कहना है कि उसने 60 फीसदी तक समृद्ध (एनरिच्ड) यूरेनियम को कम करने का प्रस्ताव दिया है। यह स्तर हथियार-ग्रेड के करीब माना जाता है, इसी वजह से पश्चिमी देशों को संदेह है कि ईरान परमाणु हथियार की दिशा में बढ़ रहा है।

अमेरिका की चार शर्तें

- यूरेनियम संवर्धन पर पूर्ण प्रतिबंध
- पहले से समृद्ध यूरेनियम को हटाना
- लंबी दूरी की मिसाइलों की संख्या सीमित करना
- क्षेत्रीय प्रॉक्सी बलों को समर्थन बंद करना

ट्रेड डील पर सियासी संग्राम: राहुल के 5 सवाल, शाह का पलटवार

नेता प्रतिपक्ष ने पूछा- क्या भारतीय पशुओं को खिलाएंगे अमेरिकी मक्के से बना चारा

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पांच सवाल पूछते हुए आरोप लगाया कि इस समझौते के जरिए भारतीय किसानों के साथ 'विश्वासघात' हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह केवल आज की नहीं, बल्कि देश की कृषि के भविष्य की लड़ाई है। राहुल गांधी ने एक्स पर सवाल उठाए कि क्या ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन्स (डीडीजी) के आयात से भारतीय पशुओं को जीएम अमेरिकी मक्का से बना चारा खिलाया जाएगा और क्या

इससे डेयरी सेक्टर अमेरिकी कृषि पर निर्भर हो जाएगा? उन्होंने जीएम सोया तेल आयात की अनुमति पर भी सवाल किया और पूछा कि इससे मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान के सोया किसानों पर क्या असर पड़ेगा।

शाह ने दी चुनौती, बोले- झूठ फैला रहे राहुल

दूसरी ओर, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल पर 'झूठ फैलाने' और किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाया। गांधीनगर में उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने 2014 के बाद ऐसा कोई फैसला नहीं किया जिससे किसानों को नुकसान हो। शाह ने दावा किया कि हर ट्रेड समझौते में कृषि और डेयरी सेक्टर के हित सुरक्षित रखे गए हैं। शाह ने राहुल को खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि किसी भी मंच पर चर्चा हो सकती है कि किसने किसानों के हित में काम किया और किसने नुकसान पहुंचाया।

बीएलए ने पाकिस्तानी सैनिकों को बंदी बनाया

नई दिल्ली, जेएनएन। बलूचिस्तान में एक्टिव विद्रोही संगठन बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तान सरकार को अपनी बात सुनवाने के लिए अब वही हथकंडा अपनाया है, जो पाकिस्तान के पाले हुए आतंकी अपनाते रहे हैं। बीएलए ने पाकिस्तान के 7 सुरक्षाकर्मियों को पकड़ लिया है और अब वे कैदियों की अदला-बदली के लिए 7 दिन का अल्टीमेटम दे रहे हैं। बीएलए के मीडिया विंग 'हक्काल' की ओर से जारी बयान में बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलोच ने दावा किया है कि ऑपरेशन हेरोफ के दूसरे चरण के दौरान 17 पाकिस्तानी सुरक्षा कर्मियों को हिरासत में लिया गया। पकड़े गए 17 सुरक्षाकर्मियों में से बीएलए का कहना है कि 10 लोगों को रिहा कर दिया गया है, जबकि 7 अब भी उसकी हिरासत में हैं।

दावा: एपस्टीन ने नहीं की थी आत्महत्या, उसकी हत्या हुई

एक्सपर्ट बोले- फ्रैक्चर कर रहे हत्या का इशारा

वॉशिंगटन, जेएनएन। यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन की न्यूयॉर्क की जेल में 2019 में मौत पर फिर सवाल खड़े हो गए हैं। उसके पोस्टमार्टम में मौजूद रहे फॉरेंसिक एक्सपर्ट डॉक्टर माइकल बैडेन ने दावा किया है कि एपस्टीन ने आत्महत्या नहीं की थी, बल्कि उसका गला दबाया गया था। उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच दोबारा होनी चाहिए। न्यूयॉर्क में सरकारी मेडिकल एग्जामिनर कार्यालय ने एपस्टीन की मौत को आत्महत्या करार दिया था। लेकिन डॉ. बैडेन का कहना है कि तथ्यों के आधार पर मौत के कारण और तरीके की फिर से जांच आवश्यक है। तब पोस्टमार्टम की एक एडिटेड कॉपी में 'मौत का तरीका' पहले 'पेंडिंग' दिखाया गया था और 'आत्महत्या या हत्या' दोनों बॉक्स खाली थे। बाद में तत्कालीन मुख्य मेडिकल एग्जामिनर बारबरा सैम्पसन ने इसे आत्महत्या घोषित कर दिया। जबकि, डॉ. सैम्पसन पोस्टमार्टम के समय मौजूद नहीं थीं। आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार, एपस्टीन की गर्दन में तीन फ्रैक्चर थे-हायॉइड हड्डी और थायरॉयड कार्टिलेज में। डॉ. बैडेन का दावा है कि उन्होंने अपने 50 वर्षों के अनुभव में आत्महत्या के फांसी मामलों में इस तरह के तीन फ्रैक्चर नहीं देखे, ऐसे फ्रैक्चर हत्या की ओर संकेत करते हैं। डॉ. सैम्पसन ने कहा था कि ऐसे फ्रैक्चर आत्महत्या और हत्या दोनों स्थितियों में देखे जा सकते हैं। अमेरिकी कांग्रेस सदस्य लॉरेन बोबर्ट ने कहा कि इस मामले में कल्पना से कहीं ज्यादा भयावह चीजों का खुलासा होना अभी बाकी है।

इन सवालों के भी नहीं मिले जवाब

- ड्यूटी पर मौजूद गार्ड्स ने कई घंटों तक निगरानी नहीं की, जबकि हर 30 मिनट में जांच अनिवार्य थी
- कुछ कैमरे काम नहीं कर रहे थे, घटनास्थल से मिली नारंगी चादर की फांसी का फंदा बाद में एपस्टीन की मौत से मेल नहीं खाया
- नॉर्वे के पूर्व प्रधानमंत्री थॉर्ब्योर्न जगलैंड पर एपस्टीन से संबंधों को लेकर गंभीर भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया गया है। इस मामले में पहली बार किसी वैश्विक नेता के खिलाफ केस दर्ज हुआ है। पुलिस ने उनके घर की तलाशी भी ली है। इस दौरान उन्हें कुछ देर हिरासत में लिए जाने की भी खबर है।

मत से एक दिन पहले ही ड्राफ्ट हो गया था आधिकारिक बयान

एपस्टीन की मौत पर जारी आधिकारिक बयान उनकी मौत से एक दिन पहले, 9 अगस्त 2019 को ही ड्राफ्ट किया गया था। यह खुलासा अमेरिकी न्याय विभाग के नए दस्तावेजों से हुआ है। एपस्टीन 10 अगस्त 2019 को न्यूयॉर्क के करेक्शन सेंटर में मृत मिला था।

जम्मू-कश्मीर में बड़े हवाला रैकेट का भंडाफोड़

8000 से अधिक ड्रग तस्करों के खाते फ्रीज

श्रीनगर, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियों ने तेजी से फैल रहे म्यूल अकाउंट नेटवर्क का खुलासा किया है, जिसे अंतरराष्ट्रीय ठगी गिरोहों की वित्तीय रीढ़ माना जा रहा है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि इन खातों के जरिए भेजा गया पैसा अलगाववादी या देश विरोधी गतिविधियों में लगाया जा सकता है। पिछले तीन वर्षों में पूरे क्षेत्र में ऐसे 8,000 से अधिक खातों की पहचान कर उन्हें फ्रीज किया गया है। इससे मनी लॉन्ड्रिंग की एक जटिल नेटवर्क का पता चला है। इनके बिना अपराधियों के लिए चोरी का पैसा क्रिप्टोकरेंसी जैसी डिजिटल संपत्तियों में बदलना मुश्किल हो जाता है। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों को बैंकों के साथ मिलकर ऐसे खातों पर रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। एजेंसियां उन बिचौलियों की भी तलाश कर रही हैं।

'द व्हाइट लोटस' सीजन 4 में नजर आ सकती है दीपिका

बॉलीवुड की ग्लोबल आइकन दीपिका पादुकोण एक बार फिर हॉलीवुड में बड़ी वापसी की तैयारी में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह एचबीओ की चर्चित सीरीज द व्हाइट लोटस के चौथे सीजन में शामिल हो सकती हैं। शो का अगला सीजन फ्रांस के शानदार लोकेशनों पर शूट किया जाएगा, जिससे यह और भी भव्य होने की उम्मीद है। बताया जा रहा है कि सीजन 4 की शूटिंग अप्रैल से अक्टूबर 2026 के बीच फ्रेंच रिवेरा में होगी। शो की कहानी लक्जरी रिसॉर्ट्स में ठहरे अमीर और प्रभावशाली लोगों की जटिल और व्यंग्यात्मक जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है। इस बार फ्रांस के मशहूर चटॉ द ला मेसार्डियर जैसे आलीशान लोकेशनों पर शूटिंग की योजना है। दीपिका का रोल अभी आधिकारिक तौर पर कन्फर्म नहीं हुआ है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार वह एनसेंबल कास्ट का हिस्सा हो सकती हैं। इससे पहले वह हॉलीवुड फिल्म 'ट्रिपल एक्सः रिटर्न ऑफ जेंडर केज' में नजर आ चुकी हैं, जिसमें उनके साथ विन डीजल थे।

फ्रांस में होगी शूटिंग

नासा का अलर्ट — फुटबॉल स्टेडियम के आकार का एस्टरॉयड पृथ्वी से 29 लाख किमी दूर से गुजरेगा

धरती की ओर बढ़ रहा 7 सौ फीट का उल्कापिंड

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अंतरिक्ष में घूम रहे एस्टरॉयड एक बार फिर चर्चा में हैं। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने 700 फीट आकार के एक बड़े एस्टरॉयड के पृथ्वी के पास से गुजरने को लेकर अलर्ट जारी किया है। यह एस्टरॉयड आकार में लगभग एक फुटबॉल स्टेडियम जितना बड़ा बताया जा रहा है। नासा की जेट प्रोपल्सन लेब्रोटरी ने 'एस्टरॉयड 2026बीएक्स4' नामक एस्टरॉयड को ट्रैक करते हुए यह अलर्ट जारी किया है। वैज्ञानिकों के अनुसार, यह विशाल चट्टानी पिंड अपनी कक्षा में घूमते हुए पृथ्वी के सबसे नजदीकी बिंदु पर लगभग 29.40 लाख किलोमीटर की दूरी से गुजरेगा। अंतरिक्ष के पैमाने पर यह दूरी अपेक्षाकृत कम मानी जाती है, लेकिन फिलहाल इसके पृथ्वी से टकराने की कोई आशंका नहीं जताई गई है।

चंद्रमा से टकरा सकता है एक और एस्टरॉयड: हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक अन्य एस्टरॉयड 'एस्टरॉयड 2024 वॉयआर4' के बारे में जानकारी दी है, जिसके 2032 में चंद्रमा से टकराने की 4 प्रतिशत संभावना जताई गई है। चीन की शोधकर्ता यिफान हे द्वारा जारी एक अध्ययन में कहा गया है कि यदि यह टक्कर होती है, तो इससे मध्यम आकार के थर्मोन्यूक्लियर विस्फोट के बराबर ऊर्जा निकल सकती है। इससे चंद्रमा की सतह पर लगभग एक किलोमीटर चौड़ा गड्ढा बन सकता है और 'चंद्रकंप' उत्पन्न हो सकता है।

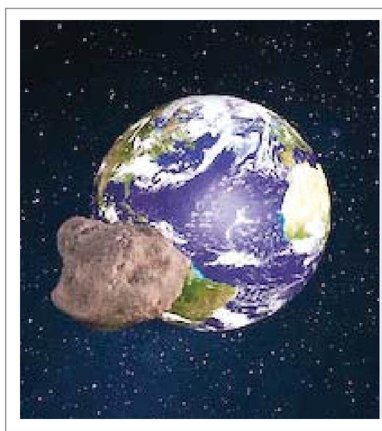

यह है खतरा

नासा के मुताबिक, यदि 150 फीट से बड़ा कोई एस्टरॉयड पृथ्वी के बहुत करीब आता है, तो वह संभावित रूप से खतरनाक हो सकता है। 700 फीट का एस्टरॉयड निश्चित रूप से निगरानी की श्रेणी में आता है। हालांकि, वैज्ञानिकों ने स्पष्ट किया है कि अभी तक किसी भी एस्टरॉयड के सीधे पृथ्वी से टकराने की पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन जब तक ये पिंड सुरक्षित दूरी से गुजर नहीं जाते, तब तक इन पर लगातार नजर रखी जाती है।

एस्टरॉयड क्या होते हैं

एस्टरॉयड दरअसल सौरमंडल के शुरुआती निर्माण के समय बचे चट्टानी अवशेष माने जाते हैं। लगभग 4.6 अरब वर्ष पहले जब ग्रहों का निर्माण हो रहा था, तब जो पदार्थ ग्रहों का हिस्सा नहीं बन पाए, वे एस्टरॉयड के रूप में अंतरिक्ष में रह गए। ये पिंड सूर्य की परिक्रमा करते रहते हैं। अधिकांश एस्टरॉयड मंगल और बृहस्पति के बीच स्थित 'एस्टरॉयड बेल्ट' में पाए जाते हैं, लेकिन कुछ की कक्षाएं ऐसी होती हैं जो पृथ्वी के करीब आ सकती हैं। ऐसे पिंडों को 'नियर-अर्थ ऑब्जेक्ट' कहा जाता है और इनकी विशेष निगरानी की जाती है। हाल के वर्षों में नासा ने डार्ट मिशन के जरिए यह भी दिखाया कि आवश्यकता पड़ने पर एस्टरॉयड की दिशा बदली जा सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान स्थिति में 700 फीट का यह एस्टरॉयड पृथ्वी के लिए कोई तत्काल खतरा नहीं है। यह सुरक्षित दूरी से गुजर जाएगा। लेकिन ऐसी घटनाएं यह याद दिलाती हैं कि ब्रह्मांड में पृथ्वी अकेली नहीं है और उसके आसपास लगातार गतिशील खगोलीय पिंड मौजूद हैं। वैज्ञानिक सतर्कता, तकनीकी तैयारी और अंतरराष्ट्रीय सहयोग ही संभावित जोखिमों से निपटने का सबसे प्रभावी तरीका है। संक्षेप में, यह अलर्ट घबराने का नहीं, बल्कि जागरूक रहने का संकेत है। विज्ञान और तकनीक की बदौलत आज मानवता के पास ऐसे खतरों को पहले से पहचानने और उनसे निपटने की क्षमता मौजूद है।

लगातार निगरानी है जरूरी

हालांकि वैज्ञानिकों का कहना है कि 4 प्रतिशत संभावना का अर्थ है कि 96 प्रतिशत संभावना टक्कर न होने की है। इसलिए अभी इसे लेकर घबराने की आवश्यकता नहीं है। एस्टरॉयड का पथ समय के साथ गुरुत्वाकर्षण प्रभाव, सौर विकिरण और अन्य खगोलीय कारकों के कारण थोड़ा बदल सकता है। इसलिए वैज्ञानिक इनकी स्थिति और गति का नियमित विश्लेषण करते रहते हैं। नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी और अन्य संस्थाएं अत्याधुनिक टेलिस्कोप, रडार सिस्टम और कंप्यूटर मॉडलिंग तकनीकों का उपयोग कर संभावित खतरों का आकलन करती हैं। पृथ्वी की सुरक्षा के लिए 'प्लैनेटरी डिफेंस' कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 520/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

FOR SALE

AVAILABLE FOR SALE REPO VEHICLE MAHINDRA XUV 700 MODEL 2025, RC NO. - MP-04-YJ-3270 ENG. NO. ZTR4M78669, CHASIS NO.MA1NE2ZTFS6A43241 CONTACT SUNDARAM FINANCE LTD BHOPAL MOB. 9109107073

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

दैनिक जागरण
भोपाल, 16 फरवरी 2026
विविध
www.dainikjagranmpcg.com

दो अस्पतालों पर निगम ने लगाया 1-1 लाख जुर्माना

जागरण, जबलपुर। शहर में बायोमेडिकल वेस्ट खुले में जलाने पर दो अस्पतालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गई है। कटंगी बायपास स्थित मंगलम हॉस्पिटल और हेल्थ सिटी मल्टी स्पेशयल्टी हॉस्पिटल पर नगर निगम ने एक-एक लाख का जुर्माना लगाया है। अस्पताल प्रबंधन को नोटिस जारी कर 24 घंटे में जवाब देने के निर्देश दिए हैं। अस्पतालों के संतोषजनक जवाब न मिलने पर अस्पताल सील करने की कार्रवाई होगी।

अग्निवीर और स्थायी पदों पर भर्ती के लिए आवेदन शुरू

जागरण, महू। भारतीय सेना में कैरियर बनाने का सपना देख रहे युवाओं के लिए सुनहरा अवसर आया है। महू स्थित सेना भर्ती कार्यालय ने अग्निवीर भर्ती 2026-27 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस बार भर्ती की खास बात यह है कि सेना ने आयु सीमा में 1 वर्ष की छूट प्रदान की है, जिससे हजारों अतिरिक्त युवाओं को आवेदन करने का मौका मिलेगा।

"ट्वीट ऑफ द डे"

सैम ऑल्टमैन
ओपनएआई

भारत के पास फुल-स्टैक एआई लीडर बनने सभी जरूरी तत्व मौजूद हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। सरकार के इंडिया एआई मिशन का उद्देश्य कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाना, स्टार्टअप्स को समर्थन देना और स्वास्थ्य सेवा व कृषि में बहुभाषी एआई अनुप्रयोगों को गति देना है। इसका लक्ष्य एआई को पूरे भारत में करोड़ों लोगों के लिए एक आवश्यक उपकरण बनाना है।

भोपाल में मेट्रोपॉलिटन सिटी का सर्वे ही शुरू नहीं हुआ, इंदौर निकला आगे

राजधानी में 6 माह पीछे चल रहा काम, अहमदाबाद की सेप्ट यूनिवर्सिटी तय करेगी क्षेत्रफल

जागरण संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन का एरिया तय करने में भी इंदौर से पिछड़ गया है। राजधानी में क्षेत्रफल तय करने का काम लगभग 6 माह पिछड़ा हुआ है। बता दें कि भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन का क्षेत्रफल तय करने के लिए सर्वे का काम ही शुरू नहीं हो सका है, जबकि दूसरी ओर इंदौर इसकी अधिसूचना जारी करने की तैयारी में है। जानकारी के अनुसार इंदौर विधानसभा सत्र से पहले इसकी अधिसूचना जारी करने की तैयारी में है। वहीं इसकी अथॉरिटी का गठन विधानसभा के दौरान किया जाएगा। जबकि भोपाल में पहले सर्वे शुरू होगा। उसके बाद अधिसूचना और अथॉरिटी का गठन किया जाएगा। जानकारी है कि भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन का फिलहाल शुरुआती काम ही अभी शुरू हुआ है। लगभग आठ हजार वर्ग किमी के आसपास रहने वाले मेट्रोपॉलिटन रीजन का सर्वे और एरिया तय करने का काम अहमदाबाद स्थित सेप्ट यूनिवर्सिटी को देने की तैयारी चल रही है।

यह होगा लाभ

मेट्रोपॉलिटन रीजन में औद्योगिक क्रांति के साथ ही रोजगार की क्रांति भी आएगी। भोपाल में 12 से ज्यादा औद्योगिक क्षेत्र विकसित होंगे। स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार महानगरों की तर्ज पर होगा। इसके साथ ही वर्तमान में पांच जिलों के पर्यटन क्षेत्रों को एक ही रीजन में शामिल किया जाएगा। इससे पर्यटन के क्षेत्र में भी विस्तार देखने को मिलेगा। परिवहन के लिए आधुनिक महानगरीय मेट्रो उपनगरीय ट्रेन सेवा शुरू की जाएगी। पब्लिक ट्रांसपोर्ट सुलभ होगा। भोपाल वासियों को महानगरों की तर्ज पर सुविधाएं मिलेंगी। बताया जा रहा है कि भोपाल मेट्रोपॉलिटन रीजन तय करने में लगभग 14 माह का समय लग सकता है।

इन क्षेत्रों में भी होगा विकास

इसके अलावा आर्थिक विकास को तेज करने के लिए कृषि भूमि, जल निकास, यातायात, औद्योगिक क्षेत्र, पर्यटन, जल आपूर्ति, वन संरक्षण जैसे तमाम क्षेत्रों के लिए मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट एंड इंवेस्टमेंट प्लान में नीति तय की जानी है। जिसका आर्थिक लाभ प्रत्येक नागरिक को मिलेगा।

यह क्षेत्र होंगे शामिल

मेट्रोपॉलिटन सिटी में भोपाल के साथ सीहोर, विदिशा, रायसेन, राजगढ़ जिले के हिस्सों को भी शामिल किया जाएगा। बैरसिया का कुछ क्षेत्र मेट्रोपॉलिटन रीजन में शामिल नहीं होगा। नए क्षेत्रफल का गठन होने से भोपाल जिले का क्षेत्रफल 463 वर्ग किमी से बढ़कर 8 हजार वर्ग किमी हो जाएगा। बता दें कि इंदौर के मेट्रोपॉलिटन रीजन का गठन होने के बाद मध्य प्रदेश देश का 13वां राज्य बन जाएगा, जिसने मेट्रोपॉलिटन रीजन का गठन किया हो। रीजन में स्वच्छ हवा, अच्छी सड़कें, आधुनिक और परिवहन सुविधा के साथ ही अन्य स्वच्छ पब्लिक ट्रांसपोर्ट उपलब्ध होंगे।

बदले नियम: आज होगा मॉप अप राउंड का सीट अलॉटमेंट

इंडिया कोटा से प्रवेश लेने वाले छात्र नीट पीजी काउंसलिंग में नहीं ले सकेंगे भाग

नगर संवाददाता, भोपाल। नीट पीजी स्टेट लेवल काउंसलिंग में संचालक चिकित्सा शिक्षा ने कड़ा रुख अपनाते हुए नई व्यवस्था लागू कर दी है। डीएमई द्वारा रविवार को ऐसे उम्मीदवारों की सूची जारी की गई है, जो ऑल इंडिया कोटा के तहत देश के किसी न किसी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश पा चुके हैं। अब यह उम्मीदवार मप्र में स्टेट लेवल नीट पीजी काउंसलिंग के मॉप अप राउंड या इसके बाद होने वाले किसी भी राउंड में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। सीधे शब्दों में इन उम्मीदवारों को डीएमई ने ब्लैक लिस्ट कर दिया है। ऐसे उम्मीदवारों की संख्या 1153 है। संचालक चिकित्सा शिक्षा मप्र ने 12 फरवरी को योग्य उम्मीदवारों की सूची जारी की थी, जिसमें कुल अभ्यर्थियों की संख्या 4978 थी। लेकिन अब इसमें से 1153 उम्मीदवार कम हो जाएंगे और सीट अलॉटमेंट के लिए सिर्फ 3825 उम्मीदवार बचेंगे। यहां उल्लेखनीय है कि मॉप अप राउंड के लिए प्रदेश के सरकारी व निजी मेडिकल कॉलेजों में रिक्त पीजी सीटों की संख्या 1221 है। इस बार की नीट पीजी काउंसलिंग में कम नंबर वालों की बल्ले बल्ले नजर आ रही है। पहले नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन ने कट ऑफ को कम करते हुए इसे जीरो तक तय कर दिया। अब राज्य एजेंसी ने ऐसे अभ्यर्थियों की छंटनी कर दी है, जो कहीं न कहीं प्रवेशित हैं।

सरकारी में 344 और निजी कॉलेजों में 877 सीटें खाली

काउंसलिंग के मॉप अप चरण में कुल रिक्त सीटों में निजी मेडिकल कॉलेजों की सीटें अधिक हैं, जबकि सरकारी कॉलेज की कम। प्रदेश के 11 निजी मेडिकल कॉलेजों में कुल 877 सीटें खाली हैं। इनमें ओपन कैटेगरी के लिए 117 और इन सर्विस कोटा के लिए 97 सीटें हैं। जबकि एनआरआई कोटा के लिए 137 सीटें बची हुई हैं। यहां उल्लेखनीय है कि एनआरआई छात्रों के लिए काउंसलिंग की अलग प्रक्रिया चल रही है। अब बात करें मप्र के 13 सरकारी मेडिकल कॉलेजों की तो इनमें रिक्त सीटों की संख्या 344 है।

19 तक होगा मॉप अप में प्रवेश

नीट पीजी स्टेट लेवल काउंसलिंग के मॉप अप राउंड में 16 फरवरी को सीट आवंटन होगा। इसके बाद 17 फरवरी से 19 फरवरी कॉलेज स्तर पर प्रवेश प्रक्रिया चलेगी। संचालक चिकित्सा शिक्षा मप्र की वेबसाइड पर मौजूद नए काउंसलिंग शेड्यूल के मुताबिक अब 16 फरवरी को सीट आवंटन किया जाएगा। इससे पहले के टाइम टेबिल में यह 14 फरवरी को किया जाना था। इसी के साथ रजिस्टर्ड उम्मीदवार अब 13 फरवरी की रात 12 बजे तक च्वाइस फिलिंग और सीट लॉकिंग कर सकते हैं। इससे पहले यह 11 फरवरी तक कर सकते थे।

संक्षिप्त खबरें

4,800 बोतल कोडीन युक्त कफ सिरप जब्त

जागरण, भिंड। शहर में पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 8.64 लाख रुपए मूल्य की 4,800 बोतल प्रतिबंधित कोडीन युक्त कफ सिरप जब्त की है। यह कार्रवाई माढ़ोताल थाना, क्राइम ब्रांच और ड्रग विभाग की संयुक्त टीम ने की। माढ़ोताल थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह पवार ने बताया कि शनिवार की शाम क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी। इसके अनुसार, कटंगी रोड स्थित वीआरएल ट्रांसपोर्ट, टाटा शोरूम के पास नशे में इस्तेमाल होने वाली प्रतिबंधित कफ सिरप रखी हुई थी। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया और संयुक्त टीम ने मौके पर दबिश दी। जांच के दौरान, ट्रांसपोर्ट के कैशियर सुमित यादव से पूछताछ की गई और बिल/बिल्टी और जीएसटी इनवॉइस की जांच की गई। दस्तावेजों से पता चला कि देहरादून की एक फर्म से मैक्का-टस नामक कफ सिरप के 40 कार्टून दमोह जिले के एक मेडिकल स्टोर के नाम पर बुक किए गए थे। इस खेप की डिलीवरी 16 फरवरी को होनी थी, लेकिन पुलिस ने निर्धारित समय से पहले ही इसे जब्त कर लिया। ड्रग निरीक्षक देवेंद्र जैन ने बताया कि कोडीन युक्त कफ सिरप का दुरुपयोग नशे के लिए किया जाता है।

भिंड में बायपास पर युवक को रौंदा, मौत

जागरण, भिंड। नेशनल हाईवे बायपास पर रविवार को सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान विनोद नगर कॉलोनी निवासी 30 वर्षीय आकाश सिंह भदौरिया के रूप में हुई है। वह पल्सर बाइक से बाजार की ओर जा रहा था, तभी हाथी गड्ढा क्षेत्र के पास पीछे से आए तेज रफ्तार दूध से भरे टैंकर ने उसकी पल्सर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक सड़क पर गिर पड़ा और टैंकर उसे रौंदता हुआ आगे निकल गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बाइक सवार सामान्य गति से चल रहा था, तभी टैंकर चालक ने तेज रफ्तार में वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दी। टक्कर के बाद टैंकर चालक वाहन समेत फरार हो गया।

19 फरवारी तक जमा होंगे लॉ के एग्जाम फार्म

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बीयू ने एलएलबी, बीएएलएलबी व एलएलएम के प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाओं के फार्म खोल दिए हैं। इसमें नियमित और एटीकेटी प्राप्त विद्यार्थी फार्म जमा कर पाएंगे। उक्त परीक्षा फार्म बीयू से संबद्धता प्राप्त कालेजों के विद्यार्थी भी जमा करेंगे। विद्यार्थी 19 फरवरी तक सामान्य शुल्क के साथ फार्म जमा कराएगा। 300 रुपए विलंब शुल्क के साथ 20 से 24 फरवरी तक आवेदन स्वीकृत किए जाएंगे। इसके बाद बीयू विशेष विलंब शुल्क एक हजार रुपए के साथ 25 फरवरी से परीक्षा शुरू होने के तीन दिन पहले तक फार्म स्वीकृत करेगा। यहां भी विद्यार्थी फार्म देने से चूक जाते हैं, तो वे चार हजार रुपए का विशेष विलंब शुल्क जमा कर परीक्षा शुरू होने के दो दिन पहले तक फार्म जमा कर सकते हैं।

खंडवा के पंधान में सीएम का हेलीकॉप्टर हवा में लड़खड़ाया

विशेष संवाददाता भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का हेलिकॉप्टर हवा में लड़खड़ाने का मामला सामने आया है। वाक्या शनिवार उस समय का है, जब सीएम खंडवा के पंधाना में आयोजित कार्यक्रम के बाद टेकऑफ कर रहे थे। वे राज्य स्तरीय लाड़ली बना योजना के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे। सीएम कार्यक्रम समाप्त होने के उपरांत हेलिकॉप्टर से लौटने लगे तभी टेकऑफ के समय हेलिकॉप्टर हवा में उठा,तो वह आगे बढ़ने की बजाय पीछे की ओर जाने लगा और फिर कुछ पल के लिए हवा में थम गया। हेलिकॉप्टर को इस स्थिति में देख वहां मौजूद लोंगों की सांसे थम गई। पायलट ने अपनी कुशलता से हेलिकॉप्टर को काबू में किया और स्थिति को नियंत्रित कर सुरक्षित उड़ान भरी,तब जाकर वहां मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों, राजनेताओं, विधायकों और आमजन ने राहत की सांस ली। खंडवा पुलिस अधीक्षक मनोज राय ने कहा कि ऐसा होना कोई असामान्य घटना नहीं है। इसमें न तो किसी भी तरह की चूक हुई और न तकनीकी रूप से कुछ ऐसा था कि उड़ान में दिक्कत आई हो। इस संबंध में तत्काल संबंधित अधिकारियों से चर्चा की गई, तो उनके द्वारा बताया गया कि ऐसा होना सामान्य बात है। टेक ऑफ के समय हेलिकॉप्टर अलग दिशा में था, जबकि उसे दूसरी दिशा में जाना था। वह हवा में उठकर निर्धारित दिशा में जाने के लिए घूमने लगा, इसी बीच ज्यादा धूल उड़ने की वजह से पायलट ने हेलिकॉप्टर की रफ्तार धीमी कर दी और फिर कुछ सेकेंड में हेलिकॉप्टर को थोड़ा नीचे लाकर सीधा किया और फिर अपने गंतव्य के लिए उड़ान भरने लगा।

तीन जिलों में चैन लूट में शामिल आरोपी गिरफ्तार

जागरण, रतलाम। जावरा व ताल थाना क्षेत्र में महिलाओं के गले से चेन झपटने वाले गिरोह के तीन आरोपियों को पुलिस ने पकड़ा है। इनके साथ एक व्यापारी को भी पकड़ा है। जिसने इन आरोपियों से चेन खरीदी थी। चारों भोपाल के रहने वाले हैं। इन आरोपियों ने रतलाम जिले के अलावा आगर व राजगढ़ में भी मंगलसूत्र व लूट की वारदातों को अंजाम दिया है। चेन स्नेचिंग के पहले बदमाशों ने बाइक चोरी कर जावरा के हुसैन टेकरी आए थे। यहां से वारदात को अंजाम देते आगे बढ़ते गए। एसपी अमित कुमार ने रविवार दोपहर में पुलिस कंट्रोल रुम में आरोपियों का खुलासा किया। एसपी ने बताया कि 5 फरवरी को जावरा व 6 फरवरी को ताल, आलोट क्षेत्र में महिलाओं के गले से चेन स्नेचिंग की वारदात हुई थी। फरियादी की रिपोर्ट के बाद आरोपियों की तलाश के लिए टीम लगाई गई।

एआई से नहीं जाएंगी बड़े पैमाने पर नौकरियां

नई दिल्ली, जेएनएन। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को लेकर दुनिया भर में यह आशंका जताई जा रही है कि इससे बड़े पैमाने पर नौकरियां खत्म हो जाएंगी। लेकिन भारत के आईटी सेक्टर पर आई एक नई रिपोर्ट ने इन आशंकाओं को काफी हद तक कम किया है। अध्ययन के मुताबिक, जेनरेटिव एआई काम करने के तरीके को बदल रहा है और उत्पादकता बढ़ा रहा है, लेकिन इससे व्यापक स्तर पर छंटनी नहीं हो रही है। यह रिपोर्ट आईसीआरआईईआर ने तैयार की है, जिसे ओपन एआई का साथ मिला।

एंट्री लेवल पर सुस्ती, लेकिन कुल रोजगार में वृद्धि

एंट्री लेवल पर भर्ती की रफ्तार धीमी जरूर हुई है, लेकिन आईटी सेक्टर में कुल रोजगार अब भी बढ़ रहा है। मिड-लेवल पदों की मांग में इजाफा हुआ है, जबकि सीनियर पदों पर स्थिरता बनी हुई है। जिन पदों को एआई के कारण सबसे ज्यादा खतरे में माना जा रहा था, जैसे सॉफ्टवेयर डेवलपर, एनालिस्ट और डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर उन्हीं में मांग तेजी से बढ़ती दिख रही है।

उत्पादकता में बढ़ोतरी और लागत में कमी

1,900 बिजनेस विश्लेषण में पाया गया कि जिन यूनिट्स ने उत्पादकता में बढ़ोतरी की रिपोर्ट दी, उनकी संख्या गिरावट की रिपोर्ट देने वालों से 3.5 गुना अधिक थी। लगभग एक-तिहाई डिवीजनों ने बताया कि उनका आउटपुट बढ़ा है और लागत घटी है। इसका मतलब है कि एआई की मदद से कंपनियां बिना कर्मचारियों की संख्या घटाए अधिक कुशलता से विस्तार कर पा रही हैं।

धर्म बदल चुके 60 किन्नरों ने शुद्धिकरण प्रक्रिया के बाद फिर हिंदू धर्म अपनाया

महाशिवरात्रि पर आयोजित धर्म सम्मेलन में हिमांगी सखी 'किन्नर शंकराचार्य' घोषित

जागरण, भोपाल। भोपाल में महाशिवरात्रि के अवसर पर किन्नर वैष्णव अखाड़ा की ओर से आयोजित धर्म सम्मेलन में हिमांगी सखी को 'किन्नर शंकराचार्य' घोषित करते हुए उनका पट्टाभिषेक किया गया। इस अवसर पर राजस्थान के पुष्कर को पहली किन्नर शंकराचार्य पीठ घोषित किया गया। कार्यक्रम में किन्नर अखाड़े के संस्थापक ऋषि अजय दास समेत विभिन्न राज्यों से आए संत-महात्मा और किन्नर समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए।

आयोजकों के अनुसार, धर्म परिवर्तन कर चुके 60 किन्नरों ने शुद्धिकरण प्रक्रिया के बाद पुनः हिंदू धर्म स्वीकार किया, हालांकि प्रशासनिक स्तर पर इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो पाई। हिमांगी सखी ने कहा कि सनातन ही धर्म है, बाकी सब पंथ हैं और जो इसे स्वीकार नहीं करते, उनके लिए दुनिया खुली है। उन्होंने पाकिस्तान के गठन का संदर्भ देते हुए कहा कि जो सनातन को नहीं मानते, वे वहां जा सकते हैं। कार्यक्रम में आमंत्रित सुरैया उपस्थित नहीं हुईं, लेकिन हिमांगी सखी ने कहा कि यदि वे 'घर वापसी' करें तो उनका स्वागत किया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि किन्नर समाज को संगठित कर सनातन परंपरा के तहत संरक्षित करना उनका दायित्व है।

चार जगद्गुरु और पांच महामंडलेश्वर घोषित

सम्मेलन में चार जगद्गुरु और पांच महामंडलेश्वर घोषित किए गए। जगद्गुरु हैं काजल ठाकुर (भोपाल), तनीषा (राजस्थान), संजना (भोपाल) और संचिता (महाराष्ट्र)। महामंडलेश्वर में सरिता भार्गव, मंजू, पलपल, रानी ठाकुर और सागर शामिल हैं। हालांकि इस घोषणा पर ज्योतिष मठ संस्थान से जुड़े पंडित विनोद गौतम ने आपत्ति जताई। उनका कहना है कि सनातन परंपरा में चार ही प्रमुख पीठ माने जाते हैं-ज्योतिर्मठ (उत्तराखंड), श्रृंगेरी शारदा पीठ (कर्नाटक), गोवर्धन मठ (ओडिशा) और द्वारका शारदा पीठ (गुजरात)। पारंपरिक व्यवस्था के अनुसार, चार से अधिक शंकराचार्य पीठों की मान्यता पर प्रश्न उठते हैं। हिमांगी सखी, मां वैष्णो किन्नर अखाड़ा की प्रमुख, पहले महामंडलेश्वर और जगद्गुरु पद पर रह चुकी हैं और किन्नर समाज के धार्मिक मामलों के लिए देशभर में नए पीठ स्थापित करने की योजना बना रही हैं।

नई वैश्विक स्टडी : 31 देशों में किया गया सर्वे, हर 5 में से 1 व्यक्ति अब सोफे पर करता है डिनर

44 फीसदी लोग मेज पर, 18 फीसदी सोफे पर, चार फीसदी बिस्तर पर और 4 फीसदी रसोई में खड़े होकर करते हैं डिनर

नई दिल्ली, जेएनएन। नई वैश्विक रिपोर्ट में सामने आया है कि बदलती जीवनशैली, स्क्रीन की बढ़ती मौजूदगी और घरों के सीमित होते स्पेस ने खाने की पारंपरिक आदतों को तेजी से बदल दिया है। फर्नीचर कंपनी आईकिया के एक बड़े सर्वे में पाया गया कि अब लगभग हर पांच में से एक व्यक्ति (18 फीसदी) डिनर सोफे पर करता है।

यह अध्ययन 'कुकिंग एंड ईटिंग' पर अब तक के सबसे बड़े सर्वे में से एक है, जिसमें 31 देशों के 31,000 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। रिपोर्ट बताती है कि अब केवल 44 फीसदी लोग ही रसोई की मेज पर बैठकर रात का खाना खाते हैं। इसके अलावा 18 फीसदी लोग सोफे पर, 4 फीसदी बिस्तर पर और 4 फीसदी लोग रसोई में खड़े होकर खाना खाते हैं। ब्रिटेन में तो स्थिति और भी अलग है, जहां 48 फीसदी लोग सोफे पर खाना खाते हैं, जबकि केवल 31 फीसदी लोग किचन टेबल का उपयोग करते हैं।

44 फीसदी लोग किचन टेबल पर खाना खाते हैं।

6.44 बजे शाम है दुनिया में औसत डिनर टाइम, स्पेन में सबसे देरी से 8.54 बजे, जबकि फिनलैंड में लोग सबसे जल्दी 5.17 बजे करते हैं डिनर

55 फीसदी लोग खाना बर्बाद होने से बचाने के लिए एक्सपायर खाना भी खा लेते हैं जर्मनी में

30 मिनट से कम समय में खाना खत्म कर लेते हैं ज्यादातर लोग

साझा भोजन पर बढ़ता दबाव

"खाना भावनात्मक रूप से बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन साझा भोजन की परंपरा दबाव में है। व्यस्त दिनचर्या, छोटे घर और प्राथमिकताओं की प्रतिस्पर्धा के कारण लोगों के लिए एक ही समय और एक ही जगह पर साथ बैठना मुश्किल हो रहा है।

लॉरेन लॉरिडो गोम्स
ग्लोबल फूड मैनेजर, आईकिया रिटेल (इंग्का समूह)

केवल 7 फीसदी घरो में है डिवाइस फ्री नीति

सर्वे के अनुसार केवल 7 फीसदी घरों में डाइनिंग टेबल पर 'डिवाइस-फ्री' नीति है। इसके विपरीत 54 फीसदी लोग अकेले खाना खाते समय टीवी देखते हैं और 40 फीसदी लोग अपने परिवार के साथ खाते समय भी स्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं।

युवाओं के लिए समय सबसे बड़ी चुनौती

घर पर खाना पकाने में समय की कमी सबसे बड़ी बाधा है। खासकर युवा पीढ़ी में यह समस्या ज्यादा है। 38 फीसदी जेनरेशन जी और 33 फीसदी मिलेनियल्स ने समय की कमी को प्रमुख चुनौती बताया। जिन परिवारों में बच्चे हैं या जो तेज रफ्तार शहरी जीवन जी रहे हैं, वे सीमित जगह और पर्याप्त किचन उपकरणों की कमी जैसी अतिरिक्त समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

खजुराहो के तालाब से निकाला मगरमच्छ

जागरण, खजुराहो। पर्यटन नगरी खजुराहो स्थित भारतीय पुरातत्व विभाग के अधीन प्राचीन शिवसागर तालाब में लंबे समय से मगरमच्छ देखने को मिल रहा था। जिससे स्थानीय लोगों के साथ ही पर्यटकों में भय व्याप्त था। लोगों की मांग पर जिला कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने 3 फरवरी को मेला महाशिवरात्रि की बैठक में निर्देश दिए थे कि शिवरात्रि के पहले शिवसागर तालाब से मगरमच्छ निकालकर अन्य जगह शिफ्ट किया जाए। इस पर वन मंडल अधिकारी ऋषि मिश्रा के नेतृत्व में वन विभाग एवं जिला आपदा प्रबंधन अमला जिला छतरपुर द्वारा संयुक्त रूप से खजुराहो स्थित शिवसागर तालाब में मौजूद मगरमच्छ पकड़कर सुरक्षित रूप से तालाब से अन्य सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त**, संपादक : **राजीव मोहन गुप्त**, स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या. :** 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।